RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 14 ■ अंक 181 ■ पुणे, सोमवार 19 मई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

भारत-रूस-चीन संबंधों की कूटनीतिक बिसात

पेज-4

1990 से पहले के सभी राजस्व अभिलेखों का होगा डिजिटलीकरण

पेज-6

थायराइड और वजन घटाने में रामबाण है धनिए का पानी

पेज-8

पंजाब ने राजस्थान को हराया, दस रन से जीता मैच

पेज-9

Short News एक नजर

मणिपुर में 350 से अधिक उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जबरन वसूली करने वाले गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 350 से ज्यादा उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह मुख्य रूप से अब वैवाहिक विवादों को सुलझाने के लिए पैसे की मांग कर रहे हैं। इन उग्रवादियों को इस साल फरवरी में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद पकड़ा गया था। राज्यपाल प्रशासन ने आम जनता को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे जबरन वसूली के किसी भी प्रयास की सूचना पुलिस को दें या उग्रवादियों की सहायता करने पर कानूनी कार्रवाई का सामना करें।

रूस ने यूक्रेन पर एक साथ दागे 273 ड्रोन

कीव। रूस ने यूक्रेन पर अपनी अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन बमबारी की है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि यह हमला युद्ध की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला है। हमले के बाद यूक्रेनी शहरों में तबाही के मंजर सामने आए हैं। हमले में कीव क्षेत्र में कम से कम एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इस हमले में रूस ने 273 ड्रोन दागे।

बांग्लादेश की एक्ट्रेस नुसरत फारिया गिरफ्तार

नई दिल्ली। बांग्लादेशी अभिनेत्री नुसरत फारिया चर्चा में आ गई हैं। फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा, एक्ट्रेस का नाम विवादों से भी समय-समय पर जुड़ता रहा है। उन्होंने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की बायोपिक में शेख हसीना की भूमिका अदा की थी। अब जानकारी सामने आई है कि एक्ट्रेस को एक हत्या के प्रयास मामले में शामिल पाए जाने के आरोप के चलते गिरफ्तार कर लिया गया है।

नए पोप लियो-14 ने शपथ ली

वेटिकन। वेटिकन में सेंट पीटर स्क्वायर पर नए पोप लियो-14 का शपथ ग्रहण समारोह पूरा हो गया है। इसमें शामिल होने के लिए दुनिया भर से कई नेता वेटिकन पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोग भी शामिल हुए है। यह कार्यक्रम भारतीय समयानुसार 1:30 बजे शुरू हुआ। नए पोप और अन्य कैथोलिक चर्च के नेता शपथ ग्रहण शुरू होने से पहले बेसिलिका के अंदर सेंट पीटर की कब्र पर गए, और प्रार्थना की। शपथ ग्रहण का पूरा कार्यक्रम करीब 2 घंटे तक चला। पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी दी गई।

लश्कर आतंकी सैफुल्लाह ढेर

CRPF कैंप पर हमले का आरोपी पाकिस्तान के सिंध में मारा गया

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

लश्कर-ए-तैयबा का कुख्यात आतंकवादी रजाउल्लाह निजामानी उर्फ अबू सैफुल्लाह, जो भारत में कई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड था, रविवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात हमलावरों के हाथों मारा गया। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, अबू सैफुल्लाह ने 2006 में नागपुर में RSS मुख्यालय, 2005 में बेंगलुरु में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc) और 2001 में रामपुर में CRPF कैंप पर हुए आतंकी हमलों की साजिश रची थी। अधिकारियों ने बताया कि निजामानी रविवार दोपहर अपने घर से निकला था। सिंध के मटली इलाके में एक क्रॉसिंग के पास अज्ञात हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तानी सरकार ने उसे सुरक्षा मुहैया कराई थी, लेकिन इसके बावजूद हमलावर अपना काम करने में कामयाब रहे। इस घटना ने पाकिस्तान में आतंकियों को मिल रही सरकारी पनाह पर एक बार फिर सवालिया निशान लगा दिया है।

सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा उर्फ बाबाजी का खास सहयोगी था। नेपाल में ये विनाद कुमार के नाम से ऑपरेट कर रहा था।

पाक की 'पोल खोल' का प्लान पूरा तैयार

59 सदस्यों का डेलिगेशन, इनमें 51 सांसद-नेता, 8 राजदूत, 33 देश जाएंगे

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए अपने 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा कर दी है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। NDA के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा। डेलिगेशन के 23 या 24 मई को भारत से रवाना होने की बात कही जा रही है। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया है। प्रत्येक ग्रुप में 8 से 9 सदस्य हैं। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल हैं।

सभी डेलिगेशन में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि को रखा गया है। चाहे वह राजनेता हो गया राजदूत हो। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अमेरिका सहित 5 देश जाने वाले डेलिगेशन की कमान सौंपी गई है। ग्रुप 1 की कमान भाजपा सांसद बैजयंत पांडा, ग्रुप 2 की जिम्मेदारी भाजपा के रविशंकर प्रसाद, ग्रुप 3 JDU के संजय कुमार झा, ग्रुप 4 शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, ग्रुप 5 शशि थरूर, ग्रुप 6 डीएमके सांसद कनिमोझी और ग्रुप 7 की जिम्मेदारी NCP-SCP सांसद सुप्रिया सुले के हाथ है।

सांसदों की होगी ब्रीफिंग

विक्रम मिसरी दो चरणों में सांसदों को ब्रीफ करेंगे। पहले चरण की बीफ्रिंग 20 मई को होगी और इस दौरान श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी और संजय झा की अगुवाई वाले तीन अलग-अलग डेलिगेशन को ब्रीफ किया जाएगा। इसके बाद ये तीन ग्रुप 21 से 23 मई के बीच विदेश दौरा करेंगे। दूसरे चरण की ब्रीफिंग 23 मई को होगी और इसके बाद दूसरा ग्रुप 23 से 25 मई के बीच विदेश दौरा करेगा।

'आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते'

गृह मंत्री अमित शाह का पाकिस्तान को दो टूक संदेश

महानगर नेटवर्क

अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए। अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि आतंक का कारोबार रोकने तक वह सिंधु के

पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि आप आतंकवाद को पनाह देना चाहते हैं तो तमाम कारोबार खत्म कर दीजिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर पाकिस्तान के साथ बात होगी तो वह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को वापस लेने और आतंकवाद को खत्म करने को लेकर ही होगी।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सेनाओं के सम्मान में गुजरात के अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान उमड़ी भीड़ के बीच अमित शाह राष्ट्र ध्वज थामे जुलूस के आगे चलते दिखे। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले।

हैदराबाद में दर्दनाक हादसा, 17 लोगों की मौत

चारमीनार के पास बिल्डिंग में आग, मृतकों में आठ बच्चे भी थे

महानगर नेटवर्क

हैदराबाद

हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के

नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई।

PM मोदी ने हादसे पर दुख जताया

घटना पर PM मोदी ने गहरा दुख जताया है। PMO ने X पर लिखा – 'हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं।' पीएम राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

चश्मदीद बोला- सभी मृतक एक ही परिवार के

चश्मदीद जाहिद ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से अंदर नहीं जा सके, शटर और दीवार तोड़कर पहली मंजिल पहुंचे, लेकिन सब जल चुका था। फायर ब्रिगेड ने अच्छा काम किया, पर आग तेज थी। सभी मृतक एक ही परिवार के थे।

दहिसर में खूनी झड़प, तीन की मौत, चार घायल

दहिसर। दहिसर वेस्ट इलाके में स्थित गणपत पाटिल नगर में रविवार को दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस मामले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे अरमान शेख शराब के नशे में गणपत पाटिल नगर गली नंबर 14 स्थित राम नवल गुप्ता की नारियल की दुकान के सामने आया। इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। दोनों ने अपने बच्चों को बुलाया। राम नवल गुप्ता, उनके बेटे अमर गुप्ता, अरविंद गुप्ता और अमित गुप्ता एक पक्ष से आए। दूसरे पक्ष से हामिद नसीरुद्दीन शेख, उनके बेटे अरमान हामिद शेख और हसन हामिद शेख के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर दोनों के बीच धारदार हथियारों से जानलेवा किया गया। इस मारपीट में राम नवल गुप्ता और अरविंद गुप्ता की मृत्यु हो गई और अमर गुप्ता और अमित गुप्ता घायल हो गए।

वहीं, हामिद शेख की भी मौत हो गई है जबकि उनके बेटे अरमान शेख और हसन शेख घायल हो गए हैं। डीसीपी आनंद भोईटे ने कहा कि तीनों शवों को शताब्दी अस्पताल से पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

न्यूयॉर्क में ब्रिज से टकराया नेवी शिप

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में मेक्सिकन नेवी का ट्रेनिंग जहाज कुआउतेमोक ईस्ट रिवर पर बने ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें जहाज का ऊपरी हिस्सा ब्रिज से टकराता नजर आ रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया कि जहाज के टकराने से 19 लोग घायल हो गए और 2 की मौत हो गई। जबकि 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मीडिया के अनुसार, कुआउतेमोक पर 277 क्रू मेंबर थे। यह जहाज न्यूयॉर्क में एक फ्रेंडली टूर पर आया था। न्यूयॉर्क की इमरजेंसी क्राइसिस मैनेजमेंट एजेंसी (NYCEM) ने कहा कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं।

भारत का संविधान ही सुप्रीम

लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि न तो न्यायपालिका और न ही कार्यपालिका, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और इसके स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने इस सप्ताह की शुरूआत में 52वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली थी। उन्होंने मुंबई में बार काउंसिल महाराष्ट्र एवं गोवा की ओर से आयोजित अपने स्वागत समारोह और राज्य वकीलों के सम्मेलन को संबोधित किया।

'देश मजबूत और विकसित हुआ'

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है और ऐसा करना जारी है। उन्होंने कहा, 'न तो न्यायपालिका, न ही कार्यपालिका और संसद सर्वोच्च है, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है और संविधान के तीनों स्तंभ समान हैं।

इसरो का सबसे भरोसेमंद रॉकेट हुआ फेल

नई दिल्ली। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी ISRO को रविवार को EOS-9 सैटेलाइट की लॉन्चिंग करनी थी, लेकिन अंतिम वक्त में यह असफल हो गया है। ISRO ने शुरुआती तौर पर PSLV में आई तकनीकी खराबी को लॉन्चिंग में फेल होने की अहम वजह बताया है। इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर समस्या क्यों आई है, जिसकी वजह से इतना अहम मिशन विफल हो गया। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने कहा, "तीसरे चरण के संचालन के दौरान, हम एक अवलोकन देख रहे हैं और मिशन पूरा नहीं हो सका।

IIT बॉम्बे ने भी तुर्किये को दिया झटका

विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौतों को किया निलंबित

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव में तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ दिया। इसे लेकर भारत में रोष है। तुर्किये के कई सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है। अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) मुंबई ने तुर्किये के विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौतों को निलंबित कर दिया है।

संस्थान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि ''तुर्किये को लेकर मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे तुर्किये के विश्वविद्यालयों के साथ अपने समझौतों को अगला नोटिस जारी किए जाने तक निलंबित

करने की प्रक्रिया में है।"आईआईटी मुंबई और कुछ तुर्किये संस्थानों के बीच संकाय विनिमय कार्यक्रम (फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम) को लेकर समझौता था। यह घटनाक्रम 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तुर्किये द्वारा पाकिस्तान को दिए गए समर्थन के मद्देनजर सामने आया है। इससे पहले, आईआईटी रुड़की ने तुर्किये के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ किया गया एक समझौता औपचारिक रूप से रद्द कर दिया था। आईआईटी रूड़की ने 'एक्स' पर लिखा था कि ''संस्थान वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो इसकी शैक्षणिक प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करता है और राष्ट्रीय हित को बनाए रखता है।"

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने भी खत्म किए संबंध

बता दें कि इससे पहले अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने भी तुर्किये से शैक्षिक संबंध खत्म कर दिए हैं। एएमयू के साथ अलीगढ़ के ताला व्यापरियों ने भी तुर्किये से अपना व्यापार खत्म करने का ऐलान किया है। वहीं निजी संस्थानों जैसे चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने भी तुर्किये और अजरबैजान के 23 विश्वविद्यालयों के साथ अपने अकादमिक सहयोग को समाप्त कर दिया है।

भारत-पाक संघर्ष के समय ISI के संपर्क में थी ज्योति

पहलगाम अटैक से पहले गई थी पाकिस्तान, पुलिस का चौंकाने वाला खुलासा

महानगर नेटवर्क

चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस ने हिसार की रहने वाली ट्रैवल व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 34 साल की ज्योति पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को संवेदनशील जानकारी देने और ऑनलाइन पाकिस्तान समर्थक सामग्री वायरल करने का आरोप है। कोर्ट ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि ज्योति चार बार पाकिस्तान गई और एक पाकिस्तानी एजेंट के साथ बाली भी गई थी। जिसके साथ उसका प्रेम संबंध था। पुलिस के अनुसार, ज्योति ने 2023 में नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में पाकिस्तानी खुफिया एजेंट एहसान-उर-रहीम से मुलाकात करने की बात स्वीकार

की है। जिसे बाद में निष्कासित कर दिया गया था।

भारत-पाक तनाव के बीच दुश्मन देश के संपर्क में थी ज्योति

एसपी हिसार शशांक कुमार सावन ने ज्योति मल्होत्रा को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए। वह कहते हैं कि आधुनिक युद्ध केवल सीमा पर ही नहीं लड़े जाते। पीआईओ कुछ सोशल मीडिया प्रभावशाली लोगों की भर्ती करने की कोशिश कर रहे हैं, और वे इसका इस्तेमाल अपने नरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। हमें केंद्रीय एजेंसियों से इनपुट मिले और हमने ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया। वह कई बार पाकिस्तान और एक बार चीन जा चुकी थी। वह पीआईओ के संपर्क में थी। हमने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। हम उसके वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर रहे हैं। भारत-पाक तनाव के दौरान वह पीआईओ के संपर्क में थी। उसकी यात्रा के विवरण उसकी कुल आय को झुठला रहे हैं।

मायावती ने आकाश आनंद को बनाया BSP का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मायावती ने आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया है। रविवार को दिल्ली में हुई बसपा के वरिष्ठ नेताओं की मीटिंग में बसपा प्रमुख मायावती ने इसकी घोषणा कर दी। आकाश आनंद को तीन नेशनल कोआर्डिनेटर रिपोर्ट भी करेंगे। आकाश आनंद आगामी चुनाव में प्रचार-प्रसार की कमान भी संभालेंगे। बैठक में मायावती आकाश को प्रोत्साहित करने और पार्टी के मिशन के लिए समर्पित रहने की बात कही। उन्होंने कहा, आकाश की वापसी के बाद बसपा में नई ऊर्जा का संचार होगा। साथ ही मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि

वह फिलहाल किसी को उत्तराधिकारी नहीं बनाएंगी। बता दें कि बसपा में तीन नेशनल कोआर्डिनेटर बनाए गए हैं। इनमें राज्यसभा सांसद रामजी गौतम, रणधीर बेनीवाल और राजाराम शामिल है। रामजी गौतम बिहार प्रदेश के प्रभारी भी हैं। सूत्रों के अनुसार रविवार को हुई इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई।

ट्रम्प के एडवाइजरी बोर्ड में लश्कर का पूर्व आतंकी शामिल

13 साल जेल में रहा; एक कट्टरपंथी को भी शामिल किया

महानगर नेटवर्क

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सरकारी आवास व्हाइट ने एक एडवाइजरी बोर्ड ऑफ ले लीडर्स यानी एक सलाहकार समिति का गठन किया है। इस बोर्ड में लश्कर के पूर्व आतंकी इस्माइल रॉयर और कट्टरपंथी रहे शेख हमजा यूसुफ को शामिल किया गया है।

ट्रम्प की करीबी सहयोगी रह चुकी लॉरा लूमर ने X पर इन नियुक्तियों को पागलपन बताया है। लॉरा ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि ये नियुक्तियां राष्ट्रपति ट्रम्प ने नहीं, बल्कि उनके कर्मचारियों ने की हैं। 2003 में, अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने रॉयर पर आतंकवाद से जुड़े आरोप लगाए थे। इनमें अमेरिका के खिलाफ युद्ध की साजिश और 2003 में अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को फिजिकल सपोर्ट मुहैया करना शामिल था।

इस्माइल रॉयर ने 1992 में इस्लाम धर्म अपनाया था। इस्माइल का मूल नाम रेंडेल रॉयर था। 2000 में, उसने पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया। इसी संगठन ने 2008 मुंबई हमले किए थे। 9/11 हमले के बाद, रॉयर 'वर्जीनिया जिहाद नेटवर्क' का प्रमुख सदस्य बन गया था।

टॉवेल कारखाने में आग 8 लोगों की मौत

सोलापुर। सोलापुर में रविवार (18 मई) को एक टॉवेल कारखाने में आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। सभी आठ लोग फैक्ट्री से जुड़े हुए थे। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक भी शामिल हैं। घटना सोलापुर के अक्कलकोट रोड औद्योगिक क्षेत्र की है। यहां सेंट्रल टेक्सटाइल मिल टॉवेल कारखाने में शॉर्टसर्किट के कारण आग लग गई। इस हादसे में मालिक और मजदूर परिवार के कुल 8 लोगों की मौत हो गई। सुबह 3 बजे आग लगने की जानकारी सुरक्षा गार्ड को मिली। इसके बाद उसने पास के कारखाने के सुरक्षा गार्ड को सूचना दी और फायर ब्रिगेड को बुलाया।

पहचान में नहीं आ रहे शव

तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। कारखाने के अंदर जाने के लिए संकरी गली होने के कारण काफी दिक्कतें आईं। तब तक आग ने रौद्र रूप ले लिया था। कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी और एक मजदूर परिवार, कुल 8 लोग कारखाने में काम करने के साथ-साथ वहीं रहते थे।मेहताब बागवान, उनकी बेटी हीना वसीम शेख और बेटा सलमान मेहताब बागवान के शव सुबह बाहर निकाले गए। वहीं, कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी के परिवार के चार सदस्यों और मजदूर परिवार के एक अन्य सदस्य, कुल 5 लोगों की तलाश जारी थी। दोपहर में कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी, उनके पोते अनस (26), पोती-बहू शिफा मंसूरी (24), पोते के बेटे यूसुफ (1) और मजदूर मेहताब बागवान की पत्नी आयशा बागवान के शव मिले, जो पहचान से परे हो चुके थे। सभी शवों को सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां रिश्तेदारों की भारी भीड़ जमा हो गई। एमआईडीसी में स्थित इस कारखाने में टॉवेल और अन्य सामग्री बनाई जाती थी। तड़के साढ़े तीन बजे आग लगने के कारण आग पर जल्दी काबू नहीं पाया जा सका।

सरकारी वैद्यकीय महाविद्यालय भर्ती परीक्षा आज

केंद्र से 100 मीटर दूर रहने का आदेश

महानगर संवाददाता
मुंबई

19 मई को आयोजित होने वाली राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज सरकारी वैद्यकीय महाविद्यालय और छत्रपती प्रमिलाराजे सर्वोपचार अस्पताल कोल्हापुर की प्रभाग डी (वर्ग 4) सीधी सेवा भर्ती परीक्षा के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। परीक्षा मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के 6 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पुलिस उप आयुक्त (अभियान) अकबर पठाण ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत सुरक्षा आदेश जारी किए हैं। इसके अनुसार परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर के दायरे में कुछ गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

केंद्रों के अगल-बगल की कई सुविधाएं बंद रखने के आदेश

आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में अनधिकृत व्यक्तियों, वाहनों, दो या अधिक लोगों की भीड़, ध्वनि प्रसारण यंत्र (लाउडस्पीकर), मोबाइल फोन, लैपटॉप, वायरलेस सेट, इंटरनेट डिवाइस आदि के उपयोग और झेरोक्स, एसटीडी बूथ जैसी सुविधाओं को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की छपाई या लिखित सामग्री के प्रचार पर भी रोक लगाई गई है।

पालघर में केमिकल फैक्ट्री में रिसाव के बाद 10 की तबीयत बिगड़ी

पालघर। पालघर जिले में बोईसर तारापुर स्थित औद्योगिक क्षेत्र से एक बड़ी लापरवाही सामने है। यहां एक केमिकल फैक्ट्री में गैस रिसाव से 10 से ज्यादा मजदूरों की हालत बिगड़ गई। फैक्ट्री के मैनेजर ने मजदूरों की हालत बिगड़ती देख मामले को दबाने की कोशिश की। सभी मजदूरों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया,लेकिन जब मजदूरों की आंख-नाक में तेज जलन हुई तो चिल्लाने लगे। मजदूरों की हालत बिगड़ती देख उन्हें अस्पताल ले जाया गया,जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। पालघर जिले के बोईसर स्थित तारापूर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (MIDC) क्षेत्र में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। प्लॉट नंबर D-2/3 पर स्थित एक केमिकल कंपनी में कथित रूप से अवैध रसायन उत्पादन के दौरान गैस रिसाव की घटना हुई,जिससे 10 से अधिक मजदूरों की तबीयत बिगड़ गई।

हालत बिगड़ने पर अस्पताल में कराया भर्ती

जानकारी के अनुसार, गैस इतनी जहरीली थी कि मजदूरों की आंखों और नाक में जलन शुरू हो गई, जिसके चलते वे जोर-जोर से चिल्लाने लगे। मामले को दबाने के प्रयास में कंपनी के व्यवस्थापक ने पीड़ित मजदूरों को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट कर दिया, लेकिन जब हालात बेकाबू होने लगे और मजदूरों की हालत नाजुक हो गई, तब उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

केमिकल बनाने के दौरान हुआ था गैस रिसाव

घटना की सूचना मिलते ही बोईसर पुलिस और फैक्ट्री इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्र में काम कर रहे मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिना सुरक्षा व्यवस्था के अवैध रसायन का उत्पादन किया जा रहा था। अधिकारियों द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है और कंपनी के खिलाफ उचित कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है, अब तक सभी कर्मचारियों की स्थिति खतरे से बाहर है।

भिवंडी में लाखों का नकली माल जब्त

भिवंडी। निजामपुरा पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली माल की बिक्री में लिप्त एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी में 3.49 लाख मूल्य का नकली जिन्स का कपड़ा जब्त किया गया है। आरोपी पर ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने का आरोप है। इस मामले में संदीप रमेश गोसावी (43) ने निजामपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिन्होंने बताया कि आरोपी रामसेवक ब्रिजमोहन सिंह उनके ब्रांड का जाली माल तैयार कर अवैध रूप से बेच रहा था। आरोपी की पहचान मऊ, उत्तर प्रदेश के मूल निवासी के रूप में हुई है, जो इस समय खोणी गांव इलाके के घर नंबर 2134/24, मच्छा कंपाउड में जिन्स का कारखाना चला रहा था। जहां छानबीन के दौरान भारी मात्रा में नकली माल बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से नकली सामान जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। मामले की छानबीन में सामने आया कि आरोपी एक प्रसिद्ध कंपनी के उत्पादों की हूबहू नकली प्रतियां बना रहा था और उन्हें बाजार में बेचकर कंपनी की साख और ग्राहकों को धोखा दे रहा था। पुलिस ने इस मामले में कॉपीराइट एक्ट 1957 की धारा 51, 63 के तहत अपराध दर्ज किया है और आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गीते कर रहे है।

बीएनएस 112 के तहत पहला आरोप सिद्ध

महानगर संवाददाता
मुंबई

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह के पांच आरोपियों को अदालत ने दोषी ठहराते हुए सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह बीएनएस कानून लागू होने के बाद से पहला मामला है जब सजा मिली है।

20 सितंबर 2024 को बासेर सादेक शेख ने वि.पी मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गणेश विसर्जन के दौरान उनका मोबाइल चोरी हो गया। इस शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत एफआईआर दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त डॉ. मोहित कुमार गर्ग के निर्देश पर एक विशेष जांच दल गठित किया गया। गुप्त जानकारी और तकनीकी मदद से की गई जांच में पता चला कि यह एक संगठित गिरोह द्वारा किया गया अपराध था। जांच के दौरान महाराष्ट्र और मुंबई के बाहर से कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम संजय रमन खारवा, संजय सुरेश खारवा, सुमेश राजेंद्र लोहकरे, लालतु तुनु डे, और आकाश विजय मेहरा है। आरोपियों के पास से अलग-अलग कंपनियों और मॉडलों के कुल 42 मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले से ही संगठित रूप से अपराध करते आ रहे थे।

पांचों आरोपियों को एक वर्ष का सश्रम कारावास की सजा

अरोपोयों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 के तहत कार्रवाई की गई। अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुए 16 मई को सभी पांचों आरोपियों को दोषी ठहराया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(2) और 112 के अंतर्गत प्रत्येक को 1 वर्ष का सश्रम कारावास और 5,000 रुपए का दंड सुनाया गया।

इस मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अभिनव देशमुख, पुलिस उपायुक्त डॉ. मोहित गर्ग तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक श्यामराव वाटसर व उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई।

बजट लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ा

ठाणे मनपा के विकास विभाग ने 35 दिन में वसूले 32.92 करोड़

महानगर संवाददाता
मुंबई

ठाणे मनपा के शहर विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की शानदार शुरुआत करते हुए सिर्फ 35 दिनों में 32 करोड़ 92 लाख रुपए की कमाई की है। 1 अप्रैल से 5 मई के बीच हुई यह आय विकास शुल्क, अतिरिक्त व उन्नत जियोकोड और जांच शुल्क जैसे स्रोतों से प्राप्त हुई है। ठाणे मनपा ने इस वित्तीय वर्ष में नगर विकास विभाग के लिए कुल 650 करोड़ रुपए की आय का लक्ष्य रखा है, जिसमें से विभाग ने शुरुआती एक महीने में ही उल्लेखनीय प्रगति कर ली है। बता दें कि पिछले वर्ष यानी 2024-25 में विभाग की कुल आय 582.80 करोड़ रुपए रही थी। इस वर्ष पूरे मनपा बजट का अनुमान 3,349 करोड़ 11 लाख रुपये का है, जिसमें संपत्ति कर से 841 करोड़, जल आपूर्ति से 250 करोड़, विज्ञापन शुल्क से 22.62 करोड़ और अचल संपत्ति के किराए से 15.41 करोड़ रुपये की उम्मीद की गई है।

1,441.79 करोड़ रुपये की वसूली का अनुमान

स्थानीय निकाय कर से सबसे अधिक 1,441.79 करोड़ रुपये की वसूली का अनुमान है, जो कि मनपा की बड़ी आय का हिस्सा है। शहर विकास विभाग की तेज़ रफ्तार वसूली यह दर्शाती है कि ठाणे में शहरी योजनाओं, ढांचागत विकास और नागरिक सुविधाओं को वित्तीय मजबूती मिलने वाली है। मनपा प्रशासन का ध्यान पारदर्शी और प्रभावी वसूली प्रणाली पर केंद्रित है, जिससे तय लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जन की पूरी संभावना बन रही है। यदि यही रफ्तार बनी रही तो ठाणे आने वाले समय में एक आर्थिक रूप से सशक्त और योजनाबद्ध शहर के रूप में उभरेगा।

राजस्व का त्वरित अवलोकन (1 अप्रैल – 5 मई 2025)

कुल आय	32.92 करोड़
लक्ष्य (वर्ष 2025-26)	650 करोड़
पिछले वर्ष की आय (2024-25)	582.80 करोड़
मुख्य स्रोत	विकास शुल्क, जियोकोड, जांच शुल्क

कंटेनर शाखाओं का विवाद अब शिंदे के दरबार पहुंचा

भायंदर। मीरा-भायंदर शहर में चल रहा कंटेनर शाखाओं का विवाद अब उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दरबार तक पहुंच चुका है। मिरा- भायंदर शिवसेना जिला प्रमुख राजू भोईर ने एक पत्र के माध्यम से एकनाथ शिंदे से निवेदन किया है कि मिरा-भायंदर शहर के सारे कंटेनर शाखाओं को नियमित किया जाए। वहीं मनपा आयुक्त को इन कंटेनर शाखाओं को नहीं उठाने के लिए आदेश देने की बात इस पत्र में की गयी है। राजू भोईर ने बताया है कि इन कंटेनर शाखाओं से जनहित के काम किए जा रहे हैं। उन्होंने इस पत्र के माध्यम से भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर कंटेनर पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया की नरेंद्र मेहता मनपा आयुक्त पर दबाव बनाने के लिए आयुक्त निवास के बाहर कंटेनर कार्यालय शुरू किया है। वहीं उन्होंने नरेंद्र मेहता पर सेव्हन इलेव्हन कंपनी में टिडीआर , फेरीवालों को अवैध तरीके से बैठा कर हफ्ता लेना ,सहयोगी लोगों को मनपा में अवैध तरीके से ठेका दिलाना जैसे आरोप लगाया है।

... तो आमरण अनशन करेंगे

प्रभादेवी ब्रिज परियोजना के पीड़ितों ने सरकार को चेताया

मुंबई। राज्य सरकार ने 19 इमारतों के समूह का पुनर्विकास करने के अपने निर्णय की घोषणा की है, जो शिवड़ी-वर्ली एलिवेटेड रोड परियोजना के तहत प्रभादेवी ब्रिज के निर्माण से प्रभावित होंगी। हालाँकि, इस संबंध में अभी तक कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया गया है और न ही सरकार का निर्णय प्रकाशित किया गया है। राज्य सरकार ने यह भी घोषणा की थी कि इस संबंध में सरकारी निर्णय आठ दिनों के भीतर 28 अप्रैल को प्रकाशित किया जाएगा। हालाँकि, 15 दिन बीत जाने के बाद भी कोई लिखित आश्वासन नहीं मिला है और सरकार का निर्णय प्रकाशित नहीं हुआ है। इसलिए, 19 भवनों के परियोजना लाभार्थी अब आक्रामक हो गए हैं और सरकार पर धोखाधड़ी का आरोप लगा रहे हैं। परियोजना से प्रभावित लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि इस संबंध में सरकार का निर्णय प्रकाशित नहीं किया गया या आगामी सप्ताह के भीतर लिखित आश्वासन नहीं मिला तो वे आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे।

सरकार ने पुनर्विकास करने का निर्णय लिया है

अटल सेतु को जोड़ने वाले शिवड़ी-वर्ली एलिवेटेड रोड के नीचे मौजूदा प्रभादेवी ब्रिज को ध्वस्त कर दिया जाएगा और इसके स्थान पर मुंबई महानगर पालिका क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा एक नया दो-स्तरीय पुल बनाया जाएगा। प्रभादेवी ब्रिज के पास स्थित दो इमारतें इस पुल के निर्माण कार्य से सीधे प्रभावित होंगी। ऐसी संभावना है कि उन 17 इमारतों को कुछ खतरा हो सकता है। इसलिए, सरकार ने 19 भवनों के समूह का पुनर्विकास करने का निर्णय लिया है।

अटल सेतु सी-ब्रिज पर डम्पर से टकराई कार, चालक की मौत

मुंबई। मुंबई अटल सेतु सी-ब्रिज पर एक बीएमडब्ल्यू कार ने एक डंपर को टक्कर मार दी, जिसके कारण कार के चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 28 वर्षीय पुनीत सिंह माजरा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक हादसे के समय मृतक शुक्रवार देर रात एक पार्टी से लौट रहा था। पुलिस ने मृतक के रक्त के नमूने लिए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे के समय उसने शराब पी रखी थी या नहीं। शिवड़ी थाने के एक अधिकारी ने कहा कि घटना सुबह 2:30 बजे हुई।

आरसीएफ पुलिस ने किया ड्रग्स गिरोह का पर्दाफाश

महानगर संवाददाता
मुंबई

अंमली पदार्थ विरोधी पथक (एंटी-नारकोटिक्स सेल) जॉन 6 और आर.सी.एफ.पुलिस थाने के आतंकवाद विरोधी पथक ने एक बड़ी कार्रवाई में मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में कुल 6 किलो 688 ग्राम मेफेड्रोन जब्त किया है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 13.37 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 19 मार्च को आर.सी.एफ. पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 45 ग्राम मेफेड्रोन बरामद हुआ,जिसकी कीमत करीब 4.5 लाख रुपए थी। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने ड्रग्स बेचने वाले गिरोह के अन्य 5 सदस्यों को मुंबई और नवी मुंबई से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उनके पास से भारी मात्रा में छुपाकर रखा गया 6 किलो 688 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। इस ऑपरेशन को समशेर तडवी, मैत्रानंद खंदारे, पुलिस उपनिरीक्षक गणेश कर्चे और उनकी टीम ने अंजाम दिया। पुलिस अब भी गिरोह के अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

मराठी ग्रंथ संग्रहालय के पास गिरा विशाल पेड़, दो घायल

ठाणे। ठाणे पश्चिम के स्टेशन रोड स्थित मराठी ग्रंथ संग्रहालय के पास रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दोपहर करीब 12:35 बजे पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर में खड़ा एक विशाल पेड़ अचानक गिर गया, जिसकी सूचना सुरेश राठौड़ द्वारा आपदा प्रबंधन कक्ष को दी गई। यह पेड़ मराठी ग्रंथ संग्रहालय की इमारत से जा टकराया, जिससे संरक्षक दीवार की मरम्मत का कार्य कर रहे दो मज़दूर घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही आपदा प्रबंधन की टीम एक पिकअप वाहन के साथ, वृक्ष प्राधिकरण विभाग और अग्निशमन दल की टीम एक इमर्जेंसी वाहन के साथ मौके पर पहुंची। घटना में घायल दोनों व्यक्तियों की पहचान दिलीप गुप्ता और सुनील गौड के रूप में हुई है। दिलीप गुप्ता को हाथ और कंधे में तथा सुनील गौड को हाथ में हल्की चोटें आईं हैं। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा में भर्ती कराया गया है।

AI की राह पर शिक्षा

ठाणे जिला परिषद की 'दिशा' योजना से बदली ग्रामीण छात्रों की तकदीर

ठाणे। ग्रामीण शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से ठाणे जिला परिषद द्वारा शुरू की गई 'दिशा' योजना ने कम समय में प्रभावशाली सफलता हासिल की है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे की संकल्पना पर आधारित यह प्रकल्प पिछले नौ महीनों से जिले की 1,327 सरकारी स्कूलों में लागू है और इसके तहत लगभग 72,000 छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बता दें कि इस योजना की सबसे खास बात है एआई (AI) आधारित वैयक्तिक शिक्षण प्रणाली, जिसके तहत प्रत्येक छात्र की सीखने की क्षमता का मूल्यांकन कर उसी अनुसार उन्हें अगला शिक्षण स्तर प्रदान किया जाता है। मराठी, अंग्रेज़ी और गणित विषयों को छह स्तरों में विभाजित किया गया है—अक्षर, शब्द, वाक्य, अनुच्छेद, कहानी और श्रुतलेखन। छात्रों की प्रगति हर माह तकनीक की मदद से जाँची जाती है। परियोजना की शुरुआत में जहाँ मराठी समझने वाले छात्रों की संख्या 15,190 थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 28,910 तक पहुँच गई। अंग्रेज़ी में यह संख्या 7,910 से बढ़कर 19,880 हो गई, जबकि उर्दू में 190 से 636 और गणित में 18,200 से बढ़कर 36,680 विद्यार्थियों ने दक्षता हासिल की। इन आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि छात्रों की शैक्षणिक समझ में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हुई है।

आर्थिक संकट में डूबी महानगर पालिका

अधिकारियों को चाहिए एसी की हवा

RTI से 184 अवैध एसी का खुलासा

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका में शासकीय आदेशों की अवहेलना कर 184 से अधिक एयर कंडीशनर (एसी) लगाए जाने का मामला सामने आया है। यह जानकारी सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ता महासंघ के सदस्य करीम अंसारी द्वारा सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर सामने आई है। गौरतलब हो कि राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 25 मई 2022 को जारी आदेश के अनुसार, केवल S-30 वेतनमान (1,44,200 से 2,18,200) या उससे ऊपर वेतन पाने वाले अधिकारियों को ही कार्यालयों में एसी की सुविधा दिए जाने की अनुमति है। इसके बावजूद भिवंडी महापालिका में उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षक, वरिष्ठ लिपिक, लिपिक,टंकलेखक जैसे पदों पर कार्यरत कर्मचारियों के कक्षों में भी एसी लगाए गए हैं। अंसारी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में बने नए मुख्यालय भवन के अलावा प्रभाग समिति एक से पांच कार्यालय, पुराना मुख्यालय इमारत और विभिन्न विभागों में कुल 184 से अधिक एसी लगे हुए हैं।

मेट्रो 3 में अंततः वोडाफोन नेटवर्क उपलब्ध

यात्रियों को थोड़ी राहत, एयरटेल, जियो के नेटवर्क का इंतजार

महानगर संवाददाता
मुंबई

कोलाबा-बांद्रा-सीप्झ-आरे मेट्रो 3 मार्ग के बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक (वर्ली नाका) खंड को पिछले सप्ताह सेवा में डाल दिया गया। इसलिए अब आरे से वर्ली नाका तक सिर्फ 36 मिनट में यात्रा करना संभव हो सकेगा। हालांकि, दूसरी ओर मेट्रो यात्रा के दौरान नेटवर्क न होने से मोबाइल सेवा बाधित रही। इससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और मेट्रो 3 का संचालन भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि अब यात्रियों को थोड़ी राहत मिली है। वोडाफोन ने मेट्रो 3 लाइन पर अपनी नेटवर्क सेवा फिर से शुरू कर दी है, जिसे कुछ दिन पहले निलंबित कर दिया गया था। इसलिए, वोडाफोन कार्डधारकों को अब मेट्रो यात्रा के दौरान नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त होगी,जो यात्रियों के लिए राहत की बात है। लेकिन वहीं जियो और एयरटेल नेटवर्क की सेवाएं अभी भी शुरू होने का इंतजार है।

वाई-फाई सुविधा भी उपलब्ध कराई गई

मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) मेट्रो 3 लाइन का निर्माण कर रहा है और 33.5 किलोमीटर लंबी आरे से बीकेसी लाइन 2024 में चालू हुई,जबकि बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक (वर्ली नाका) लाइन 10 मई 2025 को चालू हुई। मेट्रो 3 मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन है। इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि मेट्रो में यात्रा करते समय मोबाइल सेवा बाधित न हो और नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, एमएमआरसी ने आरे और बीकेसी के बीच वोडाफोन और एयरटेल सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए। वाई-फाई सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इसलिए, यात्रियों को आरे और बीकेसी के बीच यात्रा करते समय ज्यादा असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। हालाँकि, जियो द्वारा शुरू से ही नेटवर्क उपलब्ध कराने से इनकार करने से जियो कार्ड धारक यात्रियों को असुविधा हो रही थी। यात्रा के दौरान ई-टिकट खरीदना या किसी से संपर्क करना संभव नहीं था। इसलिए, एमएमआरसी नेटवर्क सेवाएं प्रदान करने के लिए जियो से संपर्क कर रहा था। लेकिन जब से जियो ने नेटवर्क सेवाएं न देने का कड़ा रुख अपनाया है, तब से इस कंपनी की नेटवर्क सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं।

वाशी में लगेगा जनता दरबार

मंत्री गणेश नाईक करेंगे सीधा संवाद

ठाणे। ठाणे जिले के वाशी स्थित विष्णुदास भावे नाट्यगृह में सोमवार 19 मई को सुबह 10:30 बजे वनमंत्री गणेश नाईक के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया है। इस विशेष पहल के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे मंत्री के सामने रख सकेंगे और उनका त्वरित निपटारा किया जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी शिकायतें तीन प्रतियों में लिखित रूप में लाकर नाम दर्ज करें, जिससे प्रक्रिया सरल और प्रभावी हो सके। इससे पूर्व आयोजित जनता दरबारों में नागरिकों ने भारी उत्साह के साथ सहभाग लिया था, जिससे अनेक समस्याओं का समाधान तत्काल स्तर पर हुआ। जिला प्रशासन ने पुनः नागरिकों से आवाहन किया है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर अपनी अड़चनों को प्रस्तुत करें और उनके निराकरण की दिशा में सकारात्मक कदम उठवाएं।

अजीत पवार का कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुटने के निर्देश

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य में बहुप्रतीक्षित निकाय चुनाव में सुप्रीम कोर्ट का अड़ंगा खत्म हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में अगले 4 महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। इसलिए अब सितंबर या अक्टूबर में निकाय चुनाव की संभावना को देखते हुए राजनीतिक दल भी तैयारियों में जोर-शोर से जुट गए हैं। इसी पृष्ठभूम में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने अपनी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए हैं। नासिक में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अजित पवार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सितंबर-अक्टूबर महीने में चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में सभी दलों के कार्यकर्ताओं को मौका मिलेगा।

अपने बल पर चुनाव के लिए तैयार

पहले की तरह 27 प्रतिशत आरक्षण सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित रहेंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपना काम दिखाने की अपील की। इससे पहले अजीत ने शनिवार को पुणे में कहा था कि यदि भाजपा अपने बल पर निकाय चुनाव लड़ना चाहेगी तो हम भी इसके लिए तैयार हैं। पवार ने उपरोक्त बातें हाल ही में पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दिए गए उस बयान के जवाब में कहीं, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि अपवाद स्वरूप जहां दोनों पार्टियां समान रूप से मजबूत हैं और जहां कार्यकर्ताओं को नुकसान पहुंचाना संभव नहीं होगा, वहां कुछ स्थानों पर अलग-अलग चुनाव लड़े जा सकते हैं। पुणे में खरीफ सीजन की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान फडणवीस के बयान के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस महायुति के प्रमुख हैं। स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में मुख्यमंत्री ने जो कहा, मैं उसका समर्थन करता हूं।

दुनिया ने स्वीकार किया कि हमारे पास सर्वोत्तम रक्षा क्षमताएं हैं : फडणवीस

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारत के पास सर्वश्रेष्ठ रक्षा क्षमताएं हैं और देश का सैन्य प्रभुत्व 2014 में शुरू किए गए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन मॉडल का परिणाम है।

फडणवीस ने नागपुर जिले के खापरखेडा गांव में 'तिरंगा यात्रा' के बाद पत्रकारों से कहा कि दुनिया को भी अब यह एहसास हो गया है कि भारत के पास सबसे अच्छी रक्षा प्रौद्योगिकी है। फडणवीस ने कहा, 'भारत विश्व स्तर पर शीर्ष पांच सशस्त्र बलों में शुमार है। दुनिया ने स्वीकार किया है कि हमारे पास सर्वोत्तम रक्षा क्षमताएं हैं। हमारी रक्षा क्षमता पाकिस्तान से पांच गुना अधिक है।'

प्रत्येक भारतीय जवानों और प्रधानमंत्री के पीछे खड़ा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीछे मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह यात्रा किसी एक राजनीतिक दल के लिए नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के समर्थन में एकता का प्रदर्शन है।'

भारत द्वारा किए गए सटीक हमलों में पाकिस्तानी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की बात पाकिस्तान द्वारा हाल में स्वीकार किए जाने पर फडणवीस ने कहा, 'जब हमने कार्रवाई की तो उन्हें होश आया, उन्होंने संघर्ष रोकने के लिए बातचीत की और हमारे सामने घुटने टेक दिए। यह गर्व का क्षण है। हमारा सैन्य प्रभुत्व 2014 में शुरू किए गए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन मॉडल का प्रत्यक्ष परिणाम है जिसका कभी मजाक उड़ाया जाता था लेकिन अब विश्व स्तर पर सम्मान किया जाता है।'

दुनियां ने माना भारतीय हथियारों का लोहा

मोदी सरकार द्वारा रक्षा क्षेत्र में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों ने रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है। फडणवीस ने कहा कि भारतीय रक्षा उपकरणों की वैश्विक मांग देश के बढ़ते कद का प्रमाण है। उन्होंने दावा किया, ''दुनिया को अब यह एहसास हो गया है कि भारत के पास सर्वोत्तम रक्षा प्रौद्योगिकी है। यही कारण है कि अन्य देश हमें ऑर्डर दे रहे हैं।''

मैं भारतीयों को बधाई देता हूं

पाकिस्तान को तुर्किये के समर्थन की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं भारतीयों को उस देश का बहिष्कार करने के लिए बधाई देता हूं जो आतंकवाद और मानवता के खिलाफ अपराधों के साथ खड़ा है। तुर्किये को अब भारतीय नागरिकों की शक्ति का एहसास हो गया है।' देवेंद्र फडणवीस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद विदेश भेजे वाले प्रतिनिधिमंडलों में सांसदों के चयन की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा, 'कुछ लोग हर मुद्दे का राजनीतिकरण करते हैं। उनका न देश से कोई सरोकार है, न समाज से। उनकी नकारात्मक राजनीति ही अंततः उनके राजनीतिक जीवन का अंत करेगी।' फडणवीस ने कांग्रेस की 'जय हिंद रैली' पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'एक तरफ राहुल गांधी भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं और दूसरी ओर कांग्रेस देशभक्ति की रैली निकालती है। राष्ट्रहित के मामलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए।'

मुंबईकरों से मनपा की अपील

जितना जरूरी हो उतने ही पानी का करें इस्तेमाल

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबईकरों की चिंता बढ़ने वाली है। मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले तालाबों में अब केवल 60 दिनों तक ही मिलने वाला पानी बचा है। इसलिए, नगर निगम ने लोगों से जितना जरूरी हो उतने ही पानी का इस्तेमाल करने की अपील की है।

मुंबई के तालाबों में केवल 60 दिनों का पानी बचा है। शहर को जलापूर्ति करने वाली सात तालाबों का जलस्तर उनकी भंडारण क्षमता से 18 प्रतिशत तक गिर गया है। अब मुंबई रहवासियों को अगले 60 दिनों तक ही पानी मिल पायेगा। इस स्थिती ने मुंबईकरों की चिंता बढ़ा दी है। हालाँकि, यह जल संग्रहण पिछले वर्ष की तुलना में छह प्रतिशत अधिक है। लेकिन मुंबई नगर निगम इस स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है।

सात तालाबों से 3,950 मिलियन लीटर पानी मिलता है : बता दें कि मुंबई को प्रतिदिन सात तालाबों से 3,950 मिलियन लीटर पानी मिलता है। इसमें मोदक सागर, तानसा, ऊपरी वैतरणा, मध्य वैतरणा, तुलसी, विहार और भातसा है। इनमें से दो तालाब मुंबई में हैं, जबकि बाकी पड़ोसी जिलों ठाणे, पालघर और नासिक में हैं। मानसून के दौरान इन तालाबों का जलग्रहण क्षेत्र भर जाता है और इस पानी को बृहन्मुंबई नगर निगम इकठ्ठा कर लेता है। शुद्धिकरण के बाद नगर निगम पानी को घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सप्लाई करता है। सातों तालाबों की कुल भंडारण क्षमता 14.4 लाख मिलियन लीटर पानी है। बीएमसी प्रतिदिन 3850 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति करती है। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई में बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण पानी की मांग में वृद्धि हुई है। इस बीच, तानसा, मध्य वैतरणा, भाटसा और ऊपरी वैतरणा की प्रमुख आपूर्ति तालाबों में जलस्तर 20 प्रतिशत से नीचे गिर गया। बीएमसी ने ऊपरी वैतरणा और भाटसा से 1.81 लाख मिलियन लीटर पानी निकालने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी प्राप्त कर ली है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, मुंबईवासियों के पास जुलाई के अंत तक के लिए पर्याप्त जल भंडार है।

बढ़ते तापमान से घटा झीलों का जलस्तर

अधिकारियों ने दावा किया है कि बढ़ते तापमान के कारण तालाबों का जल स्तर सामान्य से अधिक तेजी से गिर रहा है। नगर निगम के अनुमान के अनुसार, एक प्रतिशत जल भंडारण लगभग तीन दिनों तक चलता है। इस बीच, पिछले साल मई में जल स्तर में तेजी से गिरावट के कारण, 5 जून 2024 से 5 प्रतिशत जल कटौती लागू की गई।

मुंबई में मानसून का आगमन आमतौर पर 15 जून तक होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मुंबई में मानसून देरी से पहुंच रहा है।जून के अंतिम सप्ताह में बारिश की तीव्रता बढ़ गई है। दिलचस्प बात यह है कि इन झीलों के जलग्रहण क्षेत्र पालघर, ठाणे और नासिक जिलों में हैं। जुलाई के मध्य से पहले वहां भारी बारिश शुरू नहीं होती।

सोशल मीडिया पर प्रसारित भाजपा जिला अध्यक्षों की सूची फर्जी : रवींद्र चव्हाण

महानगर संवाददाता

मुंबई

भाजपा ने संगठन पर्व के माध्यम से राज्य में पार्टी की ताकत को मजबूत करना शुरू कर दिया है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पूरे महाराष्ट्र का दौरा किया और विभिन्न जिलों में पदाधिकारियों और मंडल पदाधिकारियों के चयन की घोषणा की। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बनवकुले के निर्देश पर राज्य में भाजपा के 58 जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई। हालांकि, अब सोशल मीडिया

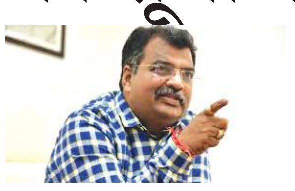

पर भाजपा जिला अध्यक्षों की एक झूठी सूची वायरल हो गई है और भाजपा नेतृत्व ने कहा है कि 81 जिला अध्यक्षों की सूची झूठी है। भाजपा ने यह भी चेतावनी दी है कि इस सूची को वायरल करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में, भाजपा ने पार्टी निर्माण शुरू कर दिया है और स्थानीय पदाधिकारियों का चुनाव करके स्थिति को बदलने का काम कर रही है। भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी है कि 'भाजपा जिला अध्यक्ष 2025' के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित 81 जिला अध्यक्षों की सूची फर्जी है और इसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। अभी तक भाजपा के केवल 58 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की गई है तथा शेष जिलों के लिए चयन प्रक्रिया जारी है। इसलिए रवींद्र चव्हाण ने भी फर्जी सूची पर भरोसा न करने की अपील की है।

वायरल फर्जी सूची में कई गलत नाम

पार्टी ने संभावना जताई है कि वायरल फर्जी सूची में कई गलत नाम हैं और इसे जानबूझकर फैलाया जा रहा है। चव्हाण ने यह भी कहा कि शेष जिलों के लिए चयन प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी। इस प्रकार की घटना से पार्टी की बदनामी होने की संभावना है तथा गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ साइबर अपराध के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। चव्हाण ने पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया से भी अपील की है कि वे केवल आधिकारिक मीडिया के माध्यम से जारी की गई सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने साईं बाबा की समाधि के दर्शन किए। दर्शन के बाद श्री साईबाबा संस्थान की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे और जनसंपर्क अधिकारी दीपक लोखंडे उपस्थित थे.

प्रापर्टी विवाद में सुरक्षा रक्षकों पर हमला

बंदूक से चली गोली, लाठी -डंडों से किया प्रहार

मुंबई। गोवंडी स्तित बी.जे. रोड पर एक वादग्रस्त ज़मीन के मामले ने शुक्रवार रात को हिंसक रूप धारण कर लिया, जब मनी मैग्नम नेस्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और फ्रेंको इंडियन फार्मास्युटिकल प्रा. लि. के बीच चल रहे विवाद में सुरक्षारक्षकों पर जानलेवा हमला किया गया।

मनी मैग्नम कंपनी के प्रोप्राइटर गणेश सालुंखे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,मनी मैग्नम को मार्च 2025 से संबंधित स्थान पर सुरक्षा उपलब्ध कराने की वर्क ऑर्डर दी गई थी। उसी स्थान पर फ्रेंको कंपनी ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था तैनात कर रखी थी। यह मामला पहले से ही कोर्ट में विचाराधीन था। मुंबई के स्मॉल कॉज कोर्ट ने फ्रेंको कंपनी के अतिक्रमण को अवैध ठहराया था, परंतु कंपनी ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर स्टेटस को का आदेश प्राप्त किया था। 17 मई की रात लगभग 10 बजे, मनी मैग्नम कंपनी के सुरक्षा रक्षक गेट क्रमांक 2 के बाहर शांतिपूर्वक बैठे थे। तभी गेट के अंदर से किसी ने स्प्रे किया, जिससे महिला रक्षकों की आंखों, नाक और गले में जलन होने लगी। बाद में गेट के अंदर से पत्थर, लाठी और स्टूल से हमला किया गया।

माहुल के घर के नहीं मिल रहे खरीददार

9098 में मात्र 248 घर ही मनपा कर्मचारियों ने खरीदे

महानगर संवाददाता

मुंबई

मनपा प्रशासन ने माहुल में परियोजना प्रभावितों के लिए बने घरों को किसी के नहीं लेने पर अपने कर्मचारियों को ही बेचने का निर्णय लिया। मनपा ने साढ़े बारह लाख में घर देने का निर्णय लिया। मनपा अब इन घरों को बेचने के लिए आम नागरिकों को भी शामिल करने का विचार कर रही है। मनपा ने माहुल के 9098 घरों को बेचने के लिए पहले एक महीने का समय रखा था। शुरूआत में इन घरों के लिए सिर्फ चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिए ही रखा गया था। एक महीने की रखी गई समय सीमा में कुछ ही घर बिके । मनपा ने घर के खरीददारों की रुचि नहीं होते देख नियमों में बदलाव

किया और तीसरे श्रेणी के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया और बिक्री के लिए एक महीने की समय सीमा बढ़ाई। इस दो महीने के दौरान भी मात्र 248 ही घर के खरीददार मिले। पहले एक महीने में 231 घर बिक गए थे लेकिन दूसरे एक महीने में नियमों में ढिलाई देने और अन्य कर्मचारियों को भी शामिल करने के बाद भी मात्र 17 घर ही बिक पाए। मनपा अब इन घरों के लिए मुंबई के आम नागरिकों के लिए भी खुला रखने का विचार कर रही है। शुरुआत में यह शर्त थी कि केवल तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ही ये घर खरीद सकते हैं,लेकिन कम प्रतिक्रिया के कारण यह शर्त हटा दी गई। इसके बाद क्लास वन अधिकारियों को छोड़कर सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को आवेदन की अनुमति दी गई। इसके अलावा मनपा के क्वार्टरों में रहने वालों को भी आवेदन करने की छूट दी । एक महीने की अतिरिक्त अवधि दी गई, और पहले की शर्तों में बदलाव कर नए संशोधित नियम लागू किए गए। फिर भी अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण प्रशासन के सामने यह स्थिति आ गई है कि अब आम नागरिकों को भी शामिल करना मनपा की मजबूरी सी हो गई है।

जलसंपदा विभाग, शासन निर्णय क्रमांक निविदा ०४१७/ प्र.क्र.२४७/मोप्र-१, दिनांक १८.१०.२०२३

परिशिष्ट-४

(ई निविदा पद्धत लागू नसलेल्या निविदेसाठी जाहिरात नमुना)

महाराष्ट्र शासन,

कार्यकारी अभियंता, चासकमान पाटबंधारे विभाग, पुणे यांचे कार्यालय

पत्ता:- नवीन प्रशासकीय इमारत, चौथा मजला, विधानभवन समोर, पुणे ४११००१

ई-मेल eecidpune@gmail.com दूरध्वनी क्र.:- ०२०-२६१२३९०२

निविदा सूचना क्र. ०२ सन २०२५-२६

महाराष्ट्र राज्याच्या राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता, चासकमान पाटबंधारे विभाग, पुणे, जलसंपदा विभाग, महाराष्ट्र शासन हे सक्षम निविदाकारांकडून खालील कामाकरीता निविदा मागवित आहेत. सविस्तर निविदा सूचना शासनाच्या https://wrdmaharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर व विभागीय कार्यालयाच्या सूचना फलकावर उपलब्ध आहे.

निविदा स्वीकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, चासकमान पाटबंधारे विभाग, पुणे यांनी राखुन ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्वीकारली जाणार नाही. सदर निविदा सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास विभागीय कार्यालयाच्या सूचना फलकावर उपलब्ध करुन देण्यात येईल.

अ. क्र.	कामाचे नाव	जिल्हा	निविदेची किंमत (रु.लक्ष)
१	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प.बंधारे आंबोली व शेलु येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	८.२२
२	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प.कोरेगाव येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	५.७५
३	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प. बोरदरा येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	३.८२
४	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प. काळुस येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	७.६७
५	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प. भोसे येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	४.४८
६	भामा नदीवरील खेड तालुक्यातील को.प. शेलगाव येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	४.३९
7	भिमा नदीवरील हवेली तालुक्यातील को.प. सिद्धेगव्हाण येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	६.५९
८	भिमा नदीवरील हवेली तालुक्यातील को.प. बुर्केगाव येथील सन २०२५-२६ करिता लोखंडी बर्गे काढणे व बसविणे.	पुणे	५.४२

निविदा उपलब्ध कालावधी :- दिनांक १९/०५/२०२५ ते दिनांक २६/०५/२०२५

निविदा स्वीकारण्याचा दिनांक :- दिनांक २८/०५/२०२५

निविदा उघडण्याचा दिनांक :- दिनांक २९/०५/२०२५

जा.क्र.चापावि/लेशा/निविदा/ **१८५०** /सन २०२५

कार्यकारी अभियंता, चासकमान पाटबंधारे विभाग, पुणे यांचे कार्यालय,

दिनांक :- **१४.०५.२०२५**

सही/-

(इंजि. श्री.ना.गुंजाळ)

कार्यकारी अभियंता

चासकमान पाटबंधारे विभाग,

पुणे ४११००१

जिमाका/पुणे/जाहिरात/१११/२०२५-२६

मैं बाल साहित्य नहीं पढ़ता : फडणवीस

महानगर संवाददाता

मुंबई

शिवसेना नेता संजय राऊत की नई पुस्तक 'नरकातला स्वर्ग' (नर्क में स्वर्ग) महाराष्ट्र के राजनितिक हलके में चर्चा का विषय बनी हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पुस्तक को लेकर कहा कि किस्से-कहानियां पढ़ना मैं बहुत पहले छोड़ चुका हूं। ऐसा बाल साहित्य मैं नहीं पढ़ता।

राउत को इस पुस्तक का नाम नर्क का राउत रखना चाहिए था : बावनकुले : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संजय

राउत को इस पुस्तक का नाम नर्क का राउत रखना चाहिए था।

तो उन्हें नर्क में गिरकर इतना नीचे न जाना पड़ता : शिंदे

वहीं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी राउत की पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि वह बालासाहब ठाकरे के विचारों को साथ रहते, तो उन्हें नर्क में गिरकर इतना नीचे न जाना पड़ता, जहां वह आज पहुंच गए हैं। राज्य सभा सदस्य संजय राउत ने यह पुस्तक अपनी जेल डायरी के रूप में लिखी है। कुछ वर्ष पहले उन्हें ईडी ने पीएमएलए कानून के तहत गिरफ्तार कर करीब 100 दिनों तक जेल में रखा था। जेल में लिखे गए अपने अनुभवों पर आधारित है संयय राउत की किताब जेल में लिखे गए अपने अनुभवों को ही संजय राउत ने एक पुस्तक का रूप दिया है, जिसके लोकार्पण समारोह में शनिवार को उनकी पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के अलावा राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार तथा लेखक जावेद अख्तर भी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र की सियासत में होगा उलटफेर?

डिप्टी सीएम अजीत पवार ने खुलकर की चाचा शरद की तारीफ

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने अपने चाचा और राकांपा (शरद गुट) प्रमुख शरद पवार की प्रशंसा की। उनका कहना है कि शरद पवार ने महिलाओं के आरक्षण विधेयक को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस विधेयक के तहत स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया था। उस समय शरद पवार मुख्यमंत्री थे। अजीत पवार ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि उस समय साहब (शरद पवार) मुख्यमंत्री थे और विधायक के तौर पर यह मेरा पहला कार्यकाल था। उन्होंने कहा कि

सदन को तब तक स्थगित नहीं किया जाना चाहिए जब तक विधेयक पारित नहीं हो जाता। अजीत पवार का यह बयान राकांपा के दोनों गुटों के बीच सुलह की राजनीतिक चर्चा के बीच आई है। गौरतलब है कि जुलाई 2023 में अजीत पवार तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे, जिसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का विभाजन हो गया था।

देश के चीनी उत्पादन में 18 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई। देश के चीनी उत्पादन में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश का कुल चीनी उत्पादन 15 मई के अंत तक 257.40 लाख टन तक पहुंच गया है। पिछले साल 315.40 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। वर्तमान में देश भर में केवल चार कारखाने ही चल रहे हैं।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी मिल संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 15 मई तक देश में कुल चीनी उत्पादन में करीब 18 फीसदी की कमी आई है। 2023-24 में चीनी का उत्पादन 315.40 लाख टन हुआ, जबकि चालू सीजन में यह 58 लाख टन घटकर 257.40 लाख टन रह गया। जहां एक ओर पेराई के लिए गन्ने की उपलब्धता कम हो गई है, वहीं औसत चीनी उत्पादन में भी कमी आई है। पिछले वर्ष 10.10 प्रतिशत से घटकर चालू सीजन में 9.30 प्रतिशत रह गई है, अर्थात इस वर्ष उपज में 0.80 प्रतिशत की कमी आई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थनी श्रीमती हेमलता उर्फ हेमा शर्मा पत्नी श्री गौरव सक्सैना का अपने पति से विवाह विच्छेद की कोई डिक्री अधिकारिक तौर पर पारित नहीं हुई है इस मामले में एक पक्षीय डिक्री को प्रार्थनी ने परिवार न्यायालय अलीगढ में दिनांक 19-03-2025 को चुनौती दी है, गौरव सक्सैना ने बच्चों की कस्टडी लेने हेतु यदि कोई वाद किसी न्यायालय में प्रस्तुत किया है या लम्बित है तो उसकी सूचना प्रार्थनी को निम्न पते पर दी जाये।

प्रार्थनी

हेमलता उर्फ हेमा शर्मा

निवासी फ्लैट नं० बी -46 चतुर्थ फ्लौर,

विल्डिंग नं0-35 महेश नगर

श्री स्वामी कृपा सी एच एस लि.

फोर A बंगलाज अंधेरी वेस्ट

मुम्बई-400053

दिनांक- 16-05-2025

MAHAVITARAN
Maharashtra State Electricity Distribution Co. Ltd.

TENDER NOTICE

Superintending Engineer, MSEDCL, Rasta Peth Urban Circle, Administrative Building, Rasta Peth, Pune 411011 invites Tenders from e-registered firms with MSEDCL for Supply of Tamper proof Polycarbonate Roto Type Seals for Rastapeth Urban Circle as details below;

Tender No.	Scope of Work	Tender Amount
SE/RPUC/ T-01/ 2025-26	Supply of Tamper proof Polycarbonate Roto Type Seals for Rastapeth Urban Circle.	5,00,000/- (5 Lacks)

Bid documents are available on our website https://etender.mahadiscom.in/eatApp/ from 19.05.2025 to 01.06.2025, Contact Mobile 7875767015. Any changes will be notified on E-tender site only.

Superintending Engineer
(MSEDCL, Rasta Peth Urban Circle)

PZ – 46/25

आर्थिक संपन्न को आरक्षण नहीं!

चीफ जस्टिस बी.आर. गवई का यह विचार कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करना चाहिए, भारत में सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह विचार आरक्षण नीति को और समावेशी और प्रभावी बनाने की और सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित लोगों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है हालांकि, इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां हैं, जिनमें सामाजिक भेदभाव की निरंतरता, संवैधानिक प्रावधानों का पालन, और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल हैं। भारत में आरक्षण नीति सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को समान अवसर प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण साधन रही है। यह नीति संविधान के तहत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए विशेष प्रावधानों के माध्यम से लागू की गई है हालांकि, समय के साथ आरक्षण के दुरुपयोग, इसके लाभों के असमान वितरण, और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों ने इस नीति की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं। इस संदर्भ में, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का यह विचार कि "संपन्न लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए" एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद मुद्दा बनकर उभरा है। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई, जिन्होनें 14 मई 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ग्रहण की, सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से नियुक्त होने वाले पहले जजों में से एक हैं। महाराष्ट्र के अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई ने अपने करियर में संवैधानिक और प्रशासनिक कानून के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके पिता, आर.एस. गवई, एक प्रसिद्ध राजनेता और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता थे जिसने उनके सामाजिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया। जस्टिस गवई ने कई मौकों पर आरक्षण नीति में सुधार की वकालत की है। उनका मानना है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं। उन्होंने "क्रीमी लेयर" (संपन्न वर्ग) की अवधारणा को अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए भी लागू करने की सिफारिश की है, जैसा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पहले से लागू है। उनका तर्क है कि जब कोई व्यक्ति या उसका परिवार आरक्षण के माध्यम से उच्च पदों, जैसे कि आईएएस, आईपीएस या अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में पहुंच जाता है, तो उनकी अगली पीढ़ी को सामाजिक और आर्थिक असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसे में, उन्हें आरक्षण का लाभ देना नीति के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है। जस्टिस गवई ने एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी, "जो वर्गीकरण का विरोध कर रहे हैं, वह उस मुसाफिर की तरह है, जो रेल के डिब्बे में घुस जाता है, फिर दूसरों को डिब्बे में आने से रोकता है।" यह कथन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि संपन्न दलित या अन्य आरक्षित वर्ग के लोग, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठा चुके हैं, अब वंचितों के हक को छीन रहे हैं। "क्रीमी लेयर" की अवधारणा पहली बार 1992 में इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पेश की गई थी। इस फैसले में कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण में क्रीमी लेयर को बाहर करने का प्रावधान किया, ताकि आरक्षण का लाभ केवल उन लोगों तक पहुंचे जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। क्रीमी लेयर की पहचान आय, पेशा, और सामाजिक स्थिति जैसे मापदंडों के आधार पर की जाती है। उदाहरण के लिए, उच्च आय वाले परिवार, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के बच्चे, या पेशेवर डिग्री धारक क्रीमी लेयर के अंतर्गत आ सकते हैं। हालांकि यह अवधारणा अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए लागू नहीं की गई थी क्योंकि इन समुदायों को ऐतिहासिक रूप से गहरे सामाजिक भेदभाव और छुआछूत का सामना करना पड़ा है लेकिन जस्टिस गवई सहित कई विशेषज्ञों का मानना है कि समय के साथ इन समुदायों में भी आर्थिक और सामाजिक असमानता उभरी है। कुछ परिवारों ने आरक्षण के माध्यम से उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त कर ली है जबकि अन्य अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ऐसे में, क्रीमी लेयर की अवधारणा को एससी/एसटी के लिए लागू करना सामाजिक न्याय को और समावेशी बना सकता है। आरक्षण का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित लोगों को मुख्यधारा में लाना था। संपन्न लोग जो पहले ही उच्च शिक्षा, नौकरी, या संपत्ति प्राप्त कर चुके हैं, इस नीति के मूल लक्ष्य से बाहर हो जाते हैं। उन्हें आरक्षण का लाभ देना संसाधनों का दुरुपयोग है। सरकारी नौकरियों, शैक्षिक संस्थानों, और अन्य क्षेत्रों में आरक्षित सीटें सीमित हैं। यदि संपन्न लोग इनका लाभ उठाते हैं, तो वास्तविक जरूरतमंदों को अवसर नहीं मिलते। क्रीमी लेयर को बाहर करने से आरक्षण का लाभ उन तक पहुंचेगा जो अभी भी सामाजिक भेदभाव और आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। इससे समुदाय के भीतर असमानता कम होगी। जस्टिस गवई का तर्क है कि संपन्न लोग, जो पहले ही समाज में उच्च स्थान प्राप्त कर चुके हैं, नैतिक रूप से उन लोगों के हक पर दावा नहीं कर सकते जो अभी भी वंचित हैं। जस्टिस गवई का यह विचार भारत की सामाजिक और राजनीतिक गतिशीलता को गहराई से प्रभावित कर सकता है। यह नीति को और समावेशी और न्यायसंगत बना सकता है। जस्टिस गवई के विचार को लागू करने के लिए संसद की मंजूरी और व्यापक सामाजिक सहमति की आवश्यकता होगी। इसके लिए आरक्षित समुदायों में आर्थिक और सामाजिक असमानता का आकलन करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण किया जाए। इस मुद्दे पर सभी हितधारकों, जैसे कि सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों, और बुद्धिजीवियों के बीच खुली बहस आयोजित की जाए। क्रीमी लेयर की अवधारणा को पहले कुछ राज्यों या क्षेत्रों में प्रयोगात्मक रूप से लागू किया जाए ताकि इसके प्रभावों का आकलन हो सके।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

चाचा शरद पवार पर लट्टू हुए अजीत
छिन्न-छिन्न कर पार्टी, अब दिखलाएं प्रीत
अब दिखलाएं प्रीत, मिलन की बेला आई
का हो संजय सकते में क्यों कांग्रेस आई
कह सुरेश नासूर नहीं बन जाए फोड़ा
मिलने को आतुर है फिर बगुलों का जोड़ा

भारत-रूस-चीन संबंधों की कूटनीतिक बिसात

> रूस, भारत का सबसे भरोसेमंद देश है, इसलिए उसकी चिंता को भारत हमेशा अपनी चिंता समझते आया है। ठीक इसी प्रकार से रूस को भी भारत की चिंताओं को अपनी चिंता समझनी चाहिए, भले ही वह चीन से ही जुड़ीं हुईं क्यों न हो! भारत ने जिस तरह से अमेरिका व यूरोपीय देशों को रणनीतिक मामलों में हड़काना शुरू किया है, और रूस के प्रति अपनी वफादारी निभाई है, उससे स्पष्ट है कि नए भारत के रणनीतिक हितों की उपेक्षा जो भी करेगा, वह कूटनीतिक शतरंज की बिसात पर पीटा जाएगा

अक्सर देखा जाता है कि भारत-पाकिस्तान मामलों में रूस मुखर हो जाता है, लेकिन भारत-चीन मामलों में मौन! आखिर ऐसा क्यों और कब तक? वहीं, भारत का नया दोस्त अमेरिका, भारत-चीन मामलों में तो मुखर रहता है, लेकिन भारत-पाकिस्तान मामलों में वह थोड़ा पाकिस्तान की तरफ झुक जाता है, ताकि युद्ध बढ़े, हथियार बिके! भारत इन कूटनीतिक चतुराइयों को बखूबी समझते आया है, इसलिए वह गुटनिरपेक्ष बने रहते हुए भी अमेरिका के मुकाबले रूस से ज्यादा सहानुभूति रखता है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत-रूस जैसे मजबूत देशों के 'कॉमन शत्रु' अमेरिका-ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप-अमेरिका खासकर यूएसए-यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। भले ही चीन उसके साथ हो किन्तु उसके अलावा भारत की जरूरत भी उसे निश्चित रूप से पड़ेगी, क्योंकि मौजूदा भू-राजनीतिक समीकरण में गुटनिरपेक्ष भारत जिसके पाले में जायेगा, उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। इसलिए वक्त का तकाजा है कि "नई दिल्ली-मॉस्को डिप्लोमैटिक एक्सप्रेसवे" को बहुत ही तल्लीनता पूर्वक नया आकार दिया जाए। इस नजरिए से रूस के अलावा चीन को भी समझदारी दिखानी पड़ेगी, अन्यथा पश्चिमी देश अपने दूरगामी हितों की पूर्ति के लिए उसे नष्ट करके ही दम लेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझकर बर्बाद करना चाहता है ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे। याद दिला दें कि जैसे यूएसएसआर को अमेरिका ने 1980 के दशक में छिन्न-भिन्न करवा दिया और उसके मजबूत उत्तराधिकारी रूस को यूक्रेन से अबतक उलझाए रखा है। वहीं, चीन को ताइवान-भारत से उलझाकर बर्बाद करना चाहता है। जबकि भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बंगलादेश की पीठ ठोकने में कभी प्रत्यक्ष तो कभी छुपे रुस्तम की भूमिका निभाता है। इसलिए रूस-चीन-भारत के त्रिकोण और ब्रिक्स देशों के नेतृत्व को बारीक कूटनीति करनी होगी, ताकि दुनिया पर पश्चिमी देशों के शिकंजे को कमजोर करके एशियाई हित साधा जा सके। इस प्रकार भारत-रूस के ऐतिहासिक सम्बन्धों की दिशा में यदि कोई बाधक तत्व है तो वह चीन की भारत सम्बन्धी 'खलनीति' वाली कूटनीति! देखा जाए तो जिस तरह से चीन ने कभी भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त तिब्बत प्रदेश पर 1950 के दशक में कब्जा जमाया और उसे जायज ठहराने के लिए 1962 में भारत पर युद्ध थोपा दिया, वह उसकी दुष्टता की पराकाष्ठा थी। ततपश्चात चीन ने पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश को संरक्षण दिया, जो भारतीय गरिमा के खिलाफ है। चूंकि चीन, अपनी कूटनीति के तहत भारत के पड़ोसी देशों-नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान के अलावा विभिन्न अरब देशों-ईरान, टर्की और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों-इंडोनेशिया, मलेशिया आदि को भारत के खिलाफ भड़काते हुए पाकिस्तान के करीब लाने में मदद करता है, इसलिए भारत को रूस के अलावा अमेरिका और यूरोप को भी साधना पड़ा! दरअसल, दुनियावी भू-राजनीति में 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन और भूमंडलीकरण, निजीकरण के बाद वर्ष 2000 के दशक में एक ऐसा मोड़ आया, जब पूरी दुनिया ने यह महसूस किया कि बेलगाम इस्लामिक आतंकवाद के उन्मूलन के लिए भारत और अमेरिका-यूरोप का साथ आना जरूरी है। चूंकि इस मुद्दे पर दोनों समूहों की चिंताएं साझी प्रतीत हो रही थीं। इसलिए भारत ने भी अमेरिका से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, जो कि रूस को नागवार गुजरी। यह बात एक हद तक इसलिए भी सही थी कि अमेरिका-यूरोप कभी भी किसी देश के प्रति वफादार नहीं रहते। इसलिए भारत सदैव इस नई दोस्ती से सतर्क रहा। उसने उत्साहपूर्वक कभी भी रूस-चीन विरोधी पहल में बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं मिला। सिर्फ अपने प्रतिरक्षात्मक हितों को ही वरीयता दिया। इसलिए ढाई दशक बाद ही सही लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद दिखाई पड़ी अमेरिकी-यूरोपीय बौखलाहट ने भारत के कान खड़े कर दिए हैं। पहलगाम आतंकी बारदात के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता से घबराए अमेरिका ने जिस तरह से चीन को साधकर आईएमएफ से उसे अरबों डॉलर की मदद दिलवाई, उससे वह बेनकाब हो चुका है। भारत के लिए अमेरिका-इंग्लैंड शुरू से ही अविश्वसनीय रहे हैं। चूंकि, इन नए रिश्तों के प्रति भारत शुरू से ही चौकन्ना रहा है, इसलिए आज भी भारतीय हित सुरक्षित हैं। कहना न होगा कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान में धार्मिक आतंकवाद का बीजारोपण और उन्हें परोक्ष संरक्षण अमेरिका-यूरोप की गुप्त आधिकारिक और कारोबारी नीति रही है, जिनका मकसद एशिया में पहले सोवियत संघ (रूस) और अब चीन व भारत के प्रभाव को कम करना है। इसलिए भारत इनके साथ शुरू से ही फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत के रिश्ते सबके साथ समझदारी भरे हैं।चूंकि भारत स्वहित के अलावा साउथ ग्लोबल यानी तीसरी दुनिया के देशों का भी हित साधना चाहता है, इसलिए वह जी7 के दांवपेचों को अच्छी तरह से समझता है और जी 20 में उन्हें संतुलित करता है। ऐसे में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा 15 मई 2025 को यह कहना कि पश्चिम के देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं, सही वक्त पर उठाई हुई सटीक आवाज है। लिहाजा, इस मामले में भारत और चीन को इतिहास की गलतियों को करेक्ट करते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। दरअसल, मास्को में एक समिट के दौरान उन्होंने एशिया पैसिफिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि ये देखना जरूरी है कि अभी क्या हो रहा है? क्योंकि पश्चिम के देशों ने अपनी नीति को मोटे तौर पर चीन विरोधी दिशा देने के लिए इस क्षेत्र को हिंद प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है।

- कमलेश पांडेय

जन आंदोलन बने यमुना स्वच्छता अभियान

दिल्ली में मां यमुना की बदहाली और उसका पुनरुद्धार बड़ी चुनौती बन चुका है। हाल ही में प्रधानमंत्री की निगरानी में यमुना सफाई कार्य की समीक्षा और अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान आदि योजनाएं और उनके तत्काल क्रियान्वयन के समाचार आ रहे हैं। दिल्ली सरकार ने यमुना के पुनर्जीवन के लिए विभिन्न प्रयासों के साथ ही राजधानी के स्कूलों में मां यमुना स्वच्छता अभियान शुरू करने का निर्णय भी लिया है। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में यमुना के महत्व के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और उन्हें स्वच्छता आंदोलन से जोड़ना है। यह सराहनीय है। ध्यातव्य है कि यमुना गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है। उत्तराखंड में हिमालय के कलिंद पर्वत से निकलकर प्रयागराज में संगम पर मिलने तक यह लगभग 1400 किलोमीटर की यात्रा तय करती है। इसमें यह हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश के बड़े भूभाग को कृषि, पेयजल एवं औद्योगिक आवश्यकताओं हेतु जल आपूर्ति का भी बड़ा स्रोत है। विडंबना यह है कि दिल्ली में आकर यमुना भयंकर प्रदूषण और बदहाली की चपेट में है। यहां न केवल इसका प्रवाह कम हो रहा है अपितु यह मृतप्राय हो चुकी है। ध्यान रहे अन्य नदियों की भांति यमुना भी जीवनदायिनी है। इसका सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व है। दिल्ली में यमुना में सबसे अधिक प्रदूषण नालों के जरिए इसमें गिरने वाले घरेलू सीवरेज से है। साथ ही औद्योगिक अपशिष्टों व खतरनाक रसायनों से भी यह गंभीर रूप से प्रदूषित हो रही है। दिल्ली के करोल बाग एवं शाहदरा आदि कई क्षेत्रों में अवैध रूप से रंगाई की फैक्ट्रियां भी यमुना को गंदा कर रही हैं। दिल्ली में छोटे बड़े सैकड़ों नाले हैं किंतु नजफगढ़ ड्रेन और शाहदरा ड्रेन दो ऐसे बड़े नाले हैं जो यमुना में सर्वाधिक प्रदूषण बढ़ा रहे हैं। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल समिति की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा से दिल्ली में प्रवेश करने पर पल्ला से वजीराबाद तक यमुना लगभग साफ है लेकिन आईएसबीटी के बाद से यमुना में प्रदूषण बढ़ने लगता है इससे पहले नजफगढ़ ड्रेन

यमुना में गिरता है। वजीराबाद के बाद घुलनशील ऑक्सीजन का स्तर शून्य हो जाता है। दिल्ली में सीवेज को शोधित करने के लिए पर्याप्त एसटीपी का अभाव है। वर्तमान में 37 एसटीपी में से केवल 16 ही मानक के अनुरूप काम कर रहे हैं। दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 712 मिलियन गैलन सीवेज उत्पन्न होता है जिसमें से लगभग 185 मिलियन गैलन सीवेज बिना शोधित ही सीधे यमुना में गिर रहा है। अभी स्थिति यह है कि अनेक स्थानों पर सीवेज एसटीपी तक पहुंच ही नहीं पाता, इसके लिए यह आवश्यक है कि ऐसे स्थानों को चिन्हित करके तत्काल विकेंद्रीकृत एसटीपी स्थापित किए जाएं। दिल्ली के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भी ठोस कचरे एवं खतरनाक रसायनों को उपचारित करने का तंत्र ही नहीं है। नदी क्षेत्र में जल को प्राकृतिक रूप से स्वच्छ करने में नदी के जैव विविधता क्षेत्र का विशेष महत्व होता है। दिल्ली में अतिक्रमण एवं प्रदूषण के कारण यमुना क्षेत्र की जैव विविधता नष्ट हो चुकी है। हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने यह पाया है कि दिल्ली में यमुना निगरानी वाले 33 स्थानों में से 22 पर यमुना नदी का पानी मानकों के अनुरूप नहीं है। यमुना के प्रदूषण और बदहाली में दिल्ली के साथ-साथ गुरुग्राम, नोएडा एवं गाजियाबाद की भी बड़ी भूमिका है। गुरुग्राम के छोटे बड़े 65 नाले और औद्योगिक कचरा बिना शोधित किया सीधे नजफगढ़ ड्रेन के जरिए यमुना में गिरते हैं जिसकी भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। इसी प्रकार गौतम बुद्ध नगर के लगभग 75 नाले, गाजियाबाद के लगभग 550 और फरीदाबाद के लगभग 40 नाले प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से यमुना में गिरते हैं। ध्यान रहे देश के सैकड़ों जिले पानी के संकट से जूझ रहे हैं। दुनिया की एक चौथाई आबादी को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा है। विगत दिनों वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के एक अध्ययन में गंभीर जल संकट वाले 16 देशों की सूची में भारत 13 वें स्थान पर पाया गया। क्योंकि भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है, विभिन्न प्रदेशों में भूजल भी प्रदूषण की गिरफ्त है। ऐसे में सभी नदियों एवं जल स्रोतों का प्रदूषण मुक्त होना नितांत आवश्यक है। दिल्ली देश की राजधानी है। बढ़ती जनसंख्या का दबाव दिल्ली के जल स्रोतों, भौगोलिक और मूलभूत संरचना पर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में पेयजल की आपूर्ति चिंता का विषय बनती जा रही है। विगत कुछ दिनों से यमुना स्वच्छता अभियान को लेकर विभिन्न योजनाओं के समाचार आ रहे हैं। प्रधानमंत्री की निगरानी में यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए काम शुरू हुआ है जिसमें अल्पावधि, मध्य अवधि और दीर्घ अवधि योजनाएं बनी है। 3 वर्ष की इन योजनाओं में जलापूर्ति व्यवस्था को सुधारने के लिए रिसाव व गैर राजस्व जल में कमी लाने के प्रयास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवेज प्रबंधन, डेरी और औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार अवसंरचना की कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करना, नदी के प्रवाह में सुधार, बाढ़ क्षेत्र का संरक्षण और हरित नदी तट का विकास एवं जागरूकता जैसे कार्य प्रस्तावित हैं। यमुना स्वच्छता अभियान की दृष्टि से हमें यमुना जल समझौता 1994 को भी ध्यान में रखकर उसकी पुनः समीक्षा करनी होगी। यह समझौता मूल रूप से हिमाचल, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बीच यमुना जल बंटवारे को लेकर है। उस समय दिल्ली की आबादी बहुत कम थी जो अब ढाई करोड़ के लगभग हो चुकी है। दिल्ली में यमुना के प्रदूषण और गंदगी का एक बड़ा कारण नदी में बहाव की कमी है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट यह भी बताती है कि दिल्ली में यमुना का जलीय जीवन लगभग समाप्त है।

- डॉ. वेदप्रकाश

चीन की नापाक हरकतें

भारत-चीन के बीच सीमा विवाद और अन्य मुद्दों पर वार्ता में जिन बिंदुओं पर सहमति बनने के दावे किए जाते हैं, उनमें से कई धरातल पर नहीं दिखते। दरअसल भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने के उपाय चीन हमेशा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं। 2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी। उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती। हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती।अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। भारत के लिए, सीमा पर शांति बनाए रखना चीन के साथ समग्र संबंधों को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण रहा है और यह सही भी है; चीन को शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करना चाहिए। नई दिल्ली को बीजिंग के साथ मिलकर ऐसे ढांचे बनाने चाहिए जो सीमा पर होने वाली घटनाओं को रोकें जो फिर से संबंधों को पटरी से उतार सकती हैं। संबंधों को संतुलित करने के लिए, भारत के बढ़ते व्यापार घाटे - जो अब 85 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।

- संजय सिन्हा

आज का कार्टून | साभार

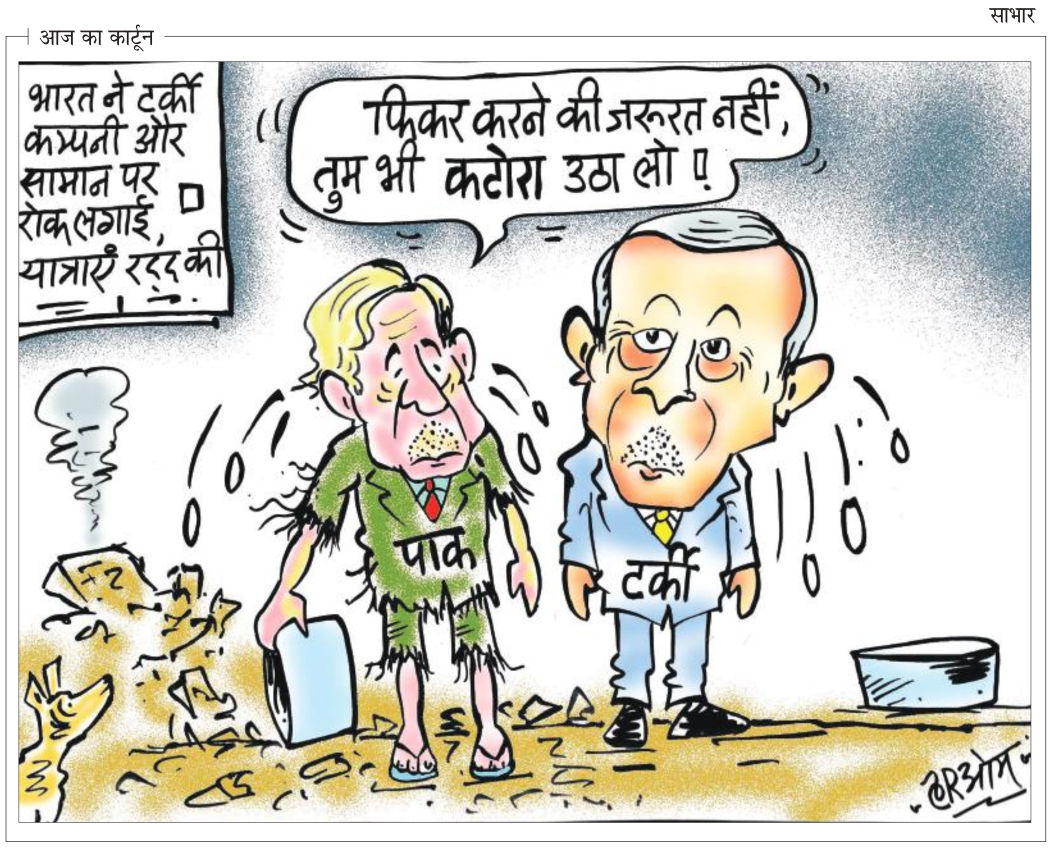

आईएमएफ़ की अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर उठते सवाल

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने नौ मई को पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबारने के लिए 7 अरब डॉलर की एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ई.एफ.एफ.) के अंतर्गत 1 अरब डॉलर की तत्काल सहायता मंजूर की। इसके साथ ही, पाकिस्तान द्वारा अनुरोधित 1.4 अरब डॉलर की रेज़ीलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आर.एस.एफ.) को भी स्वीकृति दी गई। यह निर्णय उस विस्तारित कार्यक्रम की पहली समीक्षा के तहत लिया गया, जिसे सितंबर 2024 में मंजूरी मिली थी और जिसकी कुल अवधि 37 महीने है। 14 मई को पाकिस्तान की दूसरी किश्त भी मंजूर कर दी गई फलतः इस योजना के अंतर्गत पाकिस्तान को 2.3 अरब डॉलर की सहायता दी जा चुकी है। भारत ने इस निर्णय के दौरान मतदान से दूरी बनाए रखी और अपनी आपत्ति स्पष्ट रूप से दर्ज कराई। आईएमएफ द्वारा भारत-पाक संबंधों में व्याप्त तनाव को नज़रअंदाज़ कर पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देना अनेक सवाल खड़े करता है। प्रमुख प्रश्न यह है कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था इस निर्णय में मतदान से क्यों अनुपस्थित रही और अमेरिका जैसे देश ने पाकिस्तान को सहायता दिलाने में भूमिका क्यों निभाई। इन प्रश्नों को समझने के लिए पहले आईएमएफ की संरचना और कार्यप्रणाली को जानना आवश्यक है। आईएमएफ की स्थापना जुलाई 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में 44 देशों द्वारा वैश्विक आर्थिक स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य विनिमय दरों को स्थिर रखना और महामंदी जैसी आर्थिक अस्थिरता से बचाव करना था। आईएमएफ की सदस्यता विश्व बैंक की शाखा आईबीआरडी की सदस्यता के लिए अनिवार्य मानी जाती है। प्रारंभ में इसने स्थिर विनिमय दर प्रणाली अपनाई, लेकिन 1971 में यह प्रणाली समाप्त हो गई और देशों को लचीलापन दिया गया। 1973 के तेल संकट में 'तेल सुविधा' कार्यक्रम के तहत विकासशील देशों को सहायता दी गई। आईएमएफ ने पूर्व सोवियत संघ के देशों को बाजार आधारित अर्थव्यवस्था अपनाने में मदद की और 1997 के एशियाई संकट व 2008 की वैश्विक मंदी में राहत पैकेज प्रदान किए। इसका मुख्य कार्य भुगतान संतुलन से जूझ रहे देशों को ऋण देना है। यह निगरानी, तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण के जरिए नीति सुधारों की सलाह देता है। इसकी कार्यप्रणाली 'सन्निहित उदारवाद' पर आधारित है, जो वैश्विक पूंजीवाद और सामाजिक कल्याण के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करती है। आईएमएफ संकट के समय देशों को आर्थिक सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपनी नीतियों में सुधार कर सकें। यह सहायता घरेलू या बाहरी संकट जैसे आर्थिक कुप्रबंधन, राजनीतिक अस्थिरता या प्राकृतिक आपदाओं के समय दी जाती है। प्रक्रिया सदस्य देश के अनुरोध से शुरू होती है, जिसके बाद आईएमएफ और देश के बीच नीति वार्ता होती है और एक स्टाफ-लेवल एग्रीमेंट तैयार होता है। यह एग्रीमेंट कार्यकारी बोर्ड की स्वीकृति के बाद अंतिम माना जाता है। इसके लिए देश "आशय पत्र" भेजता है, जिसमें विस्तृत जानकारी "समझौता ज्ञापन" में होती है। आईएमएफ में यद्यपि 191 सदस्य हैं परन्तु देशों की मतदान शक्ति उनके आर्थिक कोटे पर आधारित होती है,जो 25 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड में सन्निहित है। भारत 25 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड में शामिल है और श्रीलंका, बांग्लादेश व भूटान सहित चार देशों का प्रतिनिधित्व करता है। पाकिस्तान ईरान-नेतृत्व वाले सेंट्रल एशिया ग्रुप में है। संयुक्त राष्ट्र से भिन्न, आईएमएफ में वोट देश के आर्थिक योगदान पर आधारित हैं, जिससे पश्चिमी देशों को विकासशील देशों पर अधिक प्रभाव मिलता है। जैसे अमेरिका के पास 16.49%, चीन के पास 6.08% और भारत के पास 2.63% वोट हैं। इसका आसय यह है कि अमेरिका के पास अन्य देशों के तुलना में अधिक प्रभाव है। भारत के कड़े विरोध के बावजूद आईएमएफ़ कार्यकारी बोर्ड द्वारा लिए गए फैसले के विरोध में भारत ने अपनी आपत्ति जताते हुए कहा कि पाकिस्तान का आईएमएफ कार्यक्रमों को लागू करने का रिकॉर्ड अत्यंत निराशाजनक रहा है। साथ ही भारत ने यह गंभीर आशंका भी जताई कि यह वित्तीय सहायता "राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद" को बढ़ावा देने में प्रयोग की जा सकती है।

- रामाशीष

युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे : अजीत पवार

महानगर नेटवर्क
पुणे

राज्य में युवाओं को रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने और उद्योगों को प्रशिक्षित कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री तथा पुणे जिले के पालकमंत्री अजीत पवार ने दी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पुणे के लोहेगांव और वडगांवशेरी क्षेत्र में भी अत्याधुनिक कौशल युक्त शिक्षा हेतु केंद्र स्थापित किया जाएगा।

अजीत पवार बाणेर स्थित टाटा द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्र के भूमिपूजन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर विधायक बापूसाहेब पठारे, पुणे मनपा आयुक्त डॉ. राजेंद्र भोसले, अतिरिक्त आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी., ओमप्रकाश दिवटे, सीओईपी टेक विश्वविद्यालय के कुलगुरु सुनील जी. भिरुड, टाटा टेक्नॉलॉजीस के कौशल विभाग प्रमुख सुशील कुमार, पूर्व महापौर राजलक्ष्मी भोसले और अन्य मान्यवर उपस्थित थे। पवार ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण को समयानुसार आधुनिक बनाना आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे अत्याधुनिक प्रशिक्षण युवाओं को मिलना चाहिए। इसी दिशा में टाटा टेक्नॉलॉजीस लिमिटेड के माध्यम से चंद्रपुर, गडचिरोली समेत अन्य स्थानों पर निजी भागीदारी से कौशल विकास केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। चंद्रपुर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में बनने वाले केंद्र के लिए टाटा ने 240 करोड़ रुपये और राज्य सरकार ने 40 करोड़ रुपये का सहयोग किया है। वहीं, गडचिरोली के गोंडवाना विश्वविद्यालय में बनने वाले केंद्र के लिए टाटा द्वारा 145 करोड़ रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं।

हर साल 7,000 विद्यार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण

मनपा आयुक्त डॉ. भोसले ने बताया कि इस प्रकल्प से हर साल करीब 7,000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकल्प की कुल लागत 279.67 करोड़ रुपये है, जिसमें से 237.72 करोड़ रुपये टाटा टेक्नॉलॉजीस दे रही है और 41.95 करोड़ रुपये नगर विकास विभाग द्वारा प्रदान किए जाएंगे। मनपा द्वारा लगभग 1 एकड़ (3,605 वर्गमीटर) भूमि प्रदान की गई है, जिसमें 22,000 वर्गफुट क्षेत्रफल में अत्याधुनिक इमारत का निर्माण किया जाएगा। यह प्रकल्प नवउद्यमियों, स्टार्टअप्स और लाखों युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

पुणे-पिंपरी चिंचवड में उद्योगों को मिलेगा कुशल मानव संसाधन

पवार ने कहा कि पुणे शहर शिक्षा और संस्कृति की नगरी के साथ अब एक औद्योगिक नगरी के रूप में भी उभर रहा है। पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में आईटी पार्क और अन्य औद्योगिक विकास के कारण कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता बढ़ी है, जिसे इन कौशल केंद्रों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। बाणेर स्थित टाटा टेक्नॉलॉजीस द्वारा संचालित केंद्र से युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे एक रोजगारक्षम पीढ़ी तैयार होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और उद्योगों को प्रशिक्षित मानवबल प्राप्त होगा।

यूनिवर्सिटी चौक पर बन रहा डबल डेकर फ्लायओवर

जून में होगा उद्घाटन!

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में दिन-ब-दिन बढ़ रही ट्रैफिक की समस्या के बीच नागरिकों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। शहर की यातायात समस्या को सुलझाने के उद्देश्य से पुणे यूनिवर्सिटी चौक पर तैयार हो रहा डबल डेकर (दो मंजिला) फ्लायओवर जून महीने में जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

यातायात समस्या का समाधान

पिछले कुछ वर्षों से पुणे शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या काफी गंभीर हो गई है, जिससे नागरिकों को रोजाना देरी, तनाव और प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (PMRDA) द्वारा कई सड़क विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। साथ ही मेट्रो नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी चौक पर बन रहा है प्रमुख प्रोजेक्ट

इन्हीं योजनाओं के तहत पुणे यूनिवर्सिटी चौक पर डबल डेकर फ्लायओवर का निर्माण किया जा रहा है। यह फ्लायओवर गणेशखिंड रोड, शिवाजीनगर, औंध, बाणेर, पाषाण और हिंजवड़ी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुगम और तेज़ यातायात मार्ग उपलब्ध कराएगा। प्रोजेक्ट की विशेषताएं और वर्तमान स्थितिः गर्डर की लंबाईः लगभग 55 मीटर चौड़ाईः 18 से 20 मीटर, कुल 32 पिलर तैयार किए जा चुके हैं और स्टील गर्डर लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। परियोजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 30 जून तक मुख्य मार्ग जनता के लिए खोला जाएगा। इससे पहले, औंध और शिवाजीनगर की ओर जाने वाले रैम्प 20 मई से शुरू कर दिए जाएंगे, जबकि औंध की ओर के बाकी रैम्प का कार्य जून में पूरा कर लिया जाएगा।

पुणे महानगर में नाला सफाई और ड्रेनेज कार्य राम भरोसे

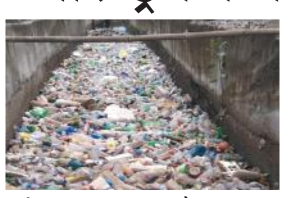

पुणे। आम आदमी पार्टी के शहराध्यक्ष और सामाजिक न्याय विभाग के प्रतिनिधि प्रशांत कांबले ने पुणे महानगरपालिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में हल्की बारिश में ही पानी भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, तो यदि तेज बारिश हुई तो हालात और भी भयावह होंगे।

प्रशांत कांबले ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ड्रेनेज और नाले सफाई का कार्य पूरा नहीं किया गया, तो प्रशासन को नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की नौबत आ सकती है। उन्होंने कहा कि शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति देखने को मिल रही है। सरकार और पालिका बजट तो तय करती है, लेकिन वह बजट आखिर जाता कहां है, यह बड़ा सवाल है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि बजट के अनुसार नागरिकों के हित में काम नहीं हो रहा है, जिससे जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आप पार्टी ने प्रशासन से मांग की है कि शहर के सभी प्रभावित इलाकों में तात्कालिक तौर पर ड्रेनेज लाइन और नाले सफाई का कार्य पूरा किया जाए, ताकि मानसून में किसी भी प्रकार की आपदा से बचा जा सके।

पिंपरी चिंचवड़ में 36 बंगले जमींदोज़

नागरिकों ने मनपा प्रशासन और बिल्डरों पर लगाए गंभीर आरोप

महानगर नेटवर्क
पिंपरी

इंद्रायणी नदी के किनारे स्थित चिखली गांव की हद में गट नंबर 90 पर बने 36 घरों को पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका ने अतिक्रमण बताते हुए ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान हताश हुए रहवासियों ने पालिका प्रशासन और संबंधित बिल्डर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि, "जहां पालिका ने पानी, बिजली और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाएं दी थीं, वहां अब घर गिराने की कार्रवाई क्यों की गई?" रिहायशी ज़ोन दिखाकर धोखाधड़ी? रहवासियों का आरोप है

कि बिल्डर ने इस 5 एकड़ ज़मीन को 'रिहायशी ज़ोन' बताकर प्रति गुंठा 20 लाख रुपये की दर से नागरिकों से पैसे वसूले। कई लोगों ने अपनी जिंदगी की जमा पूंजी लगाकर, तो कुछ ने कर्ज लेकर यह मकान खरीदे थे। मामले में स्थानीय राजनेताओं का भी आशीर्वाद होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बिल्डरों ने इस जमीन की बिक्री से करीब 20 से 25 करोड़ रुपये की कमाई की। कार्रवाई के समय नेता नदारद थे।

दोषियों पर हो कार्रवाई, मुआवजे की मांग

बर्बाद और बेसहारा रहवासियों ने सरकार से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और जिन लोगों के साथ धोखाधड़ी हुई है, उन्हें उचित मुआवज़ा दिया जाए। उल्लेखनीय है की पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका की ओर से यह तोड़ कार्रवाई अभी हाल में ही की गई है और कुछ स्थानों पर अभी भी कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है कि यहां अधिकांश बंगले एक संप्रदाय विशेष के लोगों के थे।

मजबूर रहवासियों ने अपनी आंखों के सामने अपने घर उजड़ते देखे।

'मांग होगी उस खेत के लिए' योजना के अनुदान में बढ़ोतरी का प्रयास

पुणे। आगामी खरीफ सीजन के पूर्व जिला तैयारी बैठक का आयोजन विधान भवन में किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य के उपमुख्यमंत्री व पुणे जिले के पालकमंत्री अजित पवार ने की। उन्होंने कहा कि "मागेल त्याला शेततळे" (मांगने वाले को खेत तालाब) योजना के तहत अनुदान राशि में वृद्धि के लिए सरकार प्रयासरत है।

उपमुख्यमंत्री पवार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीफ सीजन में किसानों को बीज, खाद और कीटनाशकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने नकली बीज, खाद और कीटनाशकों पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक राहुल कुल, सुनील शेलके, चेतन तुपे, हिरामण मांडेकर, बाबाजी काले, ज्ञानेश्वर कटके, विभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार, जिलाधिकारी जितेंद्र डूडी, जिप सीईओ गजानन पाटील, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एग्री-हैकाथॉन जैसी अभिनव पहल शुरू की गई है। इसके लिए बजट में 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। एग्री-हैकाथॉन 1 से 3 जून के बीच आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रथम विजेता को 25 लाख और द्वितीय को 15 लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

उन्होंने बताया कि पहले "मागेल त्याला शेततळे" योजना के तहत 50,000 रुपये अनुदान मिलता था, जिसे बढ़ाकर 75,000 रुपये किया गया है। अब इस राशि को 1 लाख रुपये तक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी डूडी ने जानकारी दी कि मौसम विभाग के अनुसार मानसून समय पर आने की संभावना है। खरीफ के लिए जिले में करीब 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की तैयारी है। इस वर्ष 48,000 क्विंटल बीज और 1.96 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है। साथ ही 7,500 मी. टन यूरिया और 1,000 मी. टन डीएपी का बफर स्टॉक बनाया गया है।

बैठक में यह भी तय किया गया कि अगले 5 वर्षों में निर्यात योग्य फसलों के लिए क्लस्टर पद्धति से विकास किया जाएगा। इसमें केला, अंजीर, स्ट्रॉबेरी, आम, करडई, सूर्यमुखी, ज्वार, धान, सब्जियां, सोयाबीन और गन्ना जैसी फसलें शामिल होंगी। विधायक शेलके द्वारा इंद्रायणी धान को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग दिलाने की मांग पर उपमुख्यमंत्री ने कृषि विभाग को त्वरित प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। वहीं विधायक कुल द्वारा गोपीनाथ मुंडे किसान दुर्घटना सहायता योजना की राशि बढ़ाने और वन विभाग क्षेत्र में जलसंधारण कार्य बढ़ाने की मांग पर उपमुख्यमंत्री ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

सायेशा ने लंदन में भारत का मान बढ़ाया

IPSC में किया देश का प्रतिनिधित्व

पुणे। पुणे के सेंट मेरीज जूनियर कॉलेज की 17 वर्षीय छात्रा सायेशा राजेश गोयल ने लंदन (यूनाइटेड किंगडम) में 12 से 16 मई के दौरान आयोजित इंग्लिश स्पीकिंग यूनियन की इंटरनेशनल पब्लिक स्पीकिंग कॉन्टेस्ट (IPSC) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश का नाम विश्वपटल पर रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विश्व के 47 देशों के श्रेष्ठ वक्ताओं ने भाग लिया था। भारत में हुई स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 1 लाख से अधिक छात्रों में से सायेशा का चयन देश की ओर से एकमात्र प्रतिनिधि के

रूप में किया गया। यह एक अद्वितीय उपलब्धि है। सायेशा ने अपने भाषण में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, हस्तकला, कपड़ा उद्योग, भरतकाम और पारंपरिक बुनाई के माध्यम से विविधता में एकता की सुंदर झलक प्रस्तुत की। उनके भाषण की गूंज वहाँ उपस्थित हर दर्शक के हृदय तक पहुंची। डिप्लोमैट्स, राजदूत और अंतरराष्ट्रीय श्रोता सभी ने सायेशा की प्रस्तुति को सराहा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को लंदन शहर की यात्रा और विश्वस्तरीय प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण भी दिया गया। उपांत्य फेरी में सायेशा ने महात्मा गांधी के विचार "खरी एकता वही होती है जो कठिन परीक्षा में भी टूटती नहीं" पर आधारित भाषण दिया और स्पॉन्टेनियस स्पीच राउंड में भी शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष छह प्रतियोगियों में शामिल हुई।

एसटी चालकों पर 6 करोड़ का दंड

पुणे। पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे और पुणे-सातारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हजारों एसटी बस चालकों को यातायात नियम तोड़ने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) के विभिन्न डिपो ने गति सीमा और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को लगभग छह करोड़ रुपये का जुर्माना अदा किया है। यह राशि अब संबंधित चालकों के वेतन से काटकर वसूली जा रही है। एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर जुर्माना लगाया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के नंबर प्लेट पर सीधे जुर्माना लगाया जा रहा है। प्रशासन ने एक्सप्रेसवे पर 80 किमी/घंटा और घाटों पर 40 किमी/घंटा की गति सीमा निर्धारित की है। हालांकि, कुछ ड्राइवरों ने कहा है कि समय पर पहुंचने के दबाव के कारण, कई ड्राइवर अपनी गति बढ़ाने के लिए मजबूर हो जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लेन काटने का भी सहारा लेते हैं। सबसे अधिक जुर्माना गति सीमा का उल्लंघन करने पर लगाया गया। इसलिए, पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे और पुणे-सातारा राजमार्ग पर यात्रा करना एसटी ड्राइवरों के लिए बहुत महंगा हो गया है। गति सीमा का उल्लंघन, लेन काटना, गलत स्थानों पर वाहन रोकना, सिग्नल का उल्लंघन आदि विभिन्न कारणों से एसटी चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

सिंहगढ़ में टहलने गए व्यक्ति के सीने में अचानक उठा दर्द, मौत

पुणे। सिंहगढ़ किले में टहलने गए एक सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। उनका नाम राजकुमार गायकवाड़ था और उनकी उम्र 65 वर्ष थी। यह घटना तब हुई जब सिंहगढ़ किले पर हमला चल रहा था। राजकुमार गायकवाड़ अपने साथियों के साथ अटकरवाड़ी होते हुए सिंहगढ़ तक ट्रैकिंग पर गए थे। चढ़ाई के दौरान उन्हें अचानक सीने में दर्द महसूस हुआ। उन्होंने तुरंत अपने साथियों को इसकी सूचना दी। फिर वह बेहोश हो गया। उन्हें इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में लाया गया। लेकिन इलाज से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सहकारी बैंकों को ग्राहकोन्मुख और जनोन्मुख बनना होगा : पवार

पुणे। वैश्विक, राष्ट्रीय, जिला और सहकारी स्तर पर बैंकों का जाल फैल चुका है। ऐसे में बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सहकारी बैंकों को ग्राहकोन्मुख और जनोन्मुख होना आवश्यक है, ऐसा प्रतिपादन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं पुणे के पालक मंत्री श्री अजित पवार ने किया।

वे बिबवेवाड़ी स्थित रामराज्य सहकारी बैंक के मुख्य कार्यालय तथा शाखा की नई इमारत की आधारशिला रखने के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रूपाली चाकणकर, विधायक चेतन तुपे, राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक विद्याधर अनास्कर, रामराज्य सहकारी बैंक के संस्थापक एड. सुभाष मोहिते, विजय मोहिते, अध्यक्ष श्रीमती नंदा लोणकर, उपाध्यक्ष श्री शिरीष मोहिते, संचालक मंडल के सदस्य एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य उपस्थित थे। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में सहकार आंदोलन को मजबूती देने में धनंजय गाडगील, विठ्ठलराव गाडगील, वैकुंठभाई मेहता, यशवंतराव चव्हाण, वसंतदादा पाटिल, वसंतराव नाइक, विलासराव देशमुख और शरद पवार जैसे दिग्गज नेताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सहकार कानून में समयानुकूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

आम जनता के हित के लिए ईमानदारी व नि :स्वार्थ भाव से खड़ा रहता है शिवसैनिक : देशमुख

पुणे। सत्ता में हों या न हों, एक शिवसैनिक अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए हमेशा आम जनता के हित के लिए ईमानदारी और निस्वार्थ भाव से खड़ा रहता है। शिवसैनिक हिंदूहृदय सम्राट स्व. बालासाहेब ठाकरे द्वारा दिए गए मंत्र 80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति को पूरा करने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। यह विचार शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष के पुणे जिला चुनाव समन्वयक विजय देशमुख ने व्यक्त किए।

शिवसेना पक्षप्रमुख उद्धवसाहेब ठाकरे के आदेश अनुसार प्रत्येक प्रभाग में सदस्य पंजीकरण करने की अपील की गई है। तदनुसार हड़पसर विधानसभा चुनाव क्षेत्र में महादेवनगर-मांजरी बुद्रुक में प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में ऑनलाइन सदस्य पंजीकरण अभियान हाल ही

में कार्यान्वित किया गया। उक्त अभियान का शुभारंभ पुणे जिला चुनाव समन्वयक विजय देशमुख के शुभ हाथों किया गया, तब वे बोल रहे थे। इस अवसर पर पुणे उपशहरप्रमुख समीर तुपे, पुणे शहर महिला आघाडी चुनाव समन्वयिका प्रा विद्या संतोष होडे, विधानसभा उपप्रमुख नितिन गावडे, विभागप्रमुख दिलीप व्यवहारे के साथ अन्य पदाधिकारी और शिवसैनिक प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन प्रवीण रणदिवे आदि के नेतृत्व में किया गया।

कॉलेज छात्रा की सांप के काटने से मौत

चाकण। अडगांव के एक कॉलेज छात्र प्रांजल तुकाराम गोपाले की दुर्भाग्यवश सांप के काटने के बाद समय पर उपचार न मिलने के कारण मृत्यु हो गई। उसके रिश्तेदारों ने आरोप लगाया है कि पाइट स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में समय पर इलाज और उचित सुविधाएं न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। मृत लड़की के पिता ने इस संबंध में महालुंगे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तदनुसार, महालुंगे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन गीते ने बताया कि प्रांजल को शुक्रवार (16) को सुबह करीब 9 बजे उसके घर के पास सांप ने काट लिया। इसके बाद उसे प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पाइट लाया गया।

भीमनगर के निवासियों को उसी स्थान पर घर देकर न्याय मिले

पुणे। भीमनगर पुनर्वसन को लेकर बिना सहमति घर खाली कराने की नोटिस झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण ने दी है, जिसे वापस लिया जाए और निवासियों को उसी स्थान पर घर देकर न्याय मिले, ऐसी मांग जानी-मानी समाजसेविका मेधा पाटकर ने की है।

रिपब्लिकन युवा मोर्चा के अध्यक्ष राहुल डंबाले के आमंत्रण पर पाटकर ने पुणे के पौड फाटा स्थित भीमनगर का दौरा कर निवासियों की समस्याएं सुनीं और आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विकासक और अधिकारियों की मिलीभगत से निवासियों को बिना सहमति दूसरी जगह भेजा गया, जबकि 70% सहमति आवश्यक थी। भेजे गए परिवारों में

से कई वापस लौट आए, क्योंकि उन्हें जो बिल्डिंग मिली थी, वह विकासक की नहीं बल्कि महापालिका की थी। पाटकर ने कहा कि झोपड़पट्टी पुनर्वसन में टीडीआर के नाम पर बड़ा घोटाला होता है। पात्र लोगों को अपात्र और अपात्र को पात्र घोषित कर विकासक लाभ उठाते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जैसे हाउसिंग सोसायटीज को पुनर्विकास का अधिकार है, वैसे ही झोपड़वासियों को भी स्वयंविकास का हक मिलना चाहिए।

पीएमपीएमएल बस किराया बढ़ोतरी का आम आदमी पार्टी ने किया विरोध

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे की सार्वजनिक परिवहन सेवा संचालित करने वाली पीएमपीएमएल ने हाल ही में अपने बस किराए में भारी बढ़ोतरी की है। निदेशक मंडल द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार, न्यूनतम बस किराया 5 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही डेली पास 40 रुपये से बढ़ाकर 70 रुपये और मंथली पास 900 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये तक कर दिया गया है।

आम आदमी पार्टी ने इस बढ़ोतरी का

जोरदार विरोध किया है। पार्टी का कहना है कि यह वृद्धि आम पुणेकरों की कमर तोड़ने वाली है। इसी के विरोध में रविवार सुबह पार्टी द्वारा स्वारगेट चौक पर जोरदार आंदोलन किया गया। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय सालाना घाटा कम करने और किराया संरचना को सुव्यवस्थित करने के लिए लिया गया है, लेकिन आम आदमी पार्टी का कहना है कि इस निर्णय से सबसे अधिक नुकसान रोजाना बस से यात्रा करने वाले मजदूर वर्ग को होगा। इससे लोग निजी दोपहिया वाहनों की ओर रुख करेंगे, जिससे ट्रैफिक जाम और प्रदूषण बढ़ेगा।

पुणे शहर पहले से ही दुनिया के सबसे अधिक ट्रैफिक जाम वाले शहरों में चौथे स्थान पर है। ऐसे में प्रशासन का फोकस सार्वजनिक परिवहन को प्रभावी और अधिक यात्रियों को आकर्षित करने वाला होना चाहिए।

जिले में 'राजस्व लोक अदालत' 9 जून को

पुणे। यदि राजस्व मामलों में दोनों पक्ष आपसी समझौते के लिए तैयार हों, तो इन मामलों की संख्या में कमी आने के साथ ही न्याय प्राप्त करना भी आसान हो सकता है। इसी उद्देश्य से जिले में आगामी 9 जून को 'राजस्व लोक अदालत' का आयोजन किया जा रहा है, ऐसी जानकारी अपर जिलाधिकारी सुहास मापारी ने दी है। राजस्व प्रशासन के मंडल अधिकारी, तहसीलदार, उपविभागीय अधिकारी और अपर जिलाधिकारी जैसे अधिकारियों के अधीन अर्ध-न्यायिक कार्यवाही के अंतर्गत अनेक बार राजस्व दावे लम्बित रह जाते हैं। इन मामलों के लंबित रहने से संबंधित पक्षों को न्याय प्राप्त करने में वर्षों लग जाते हैं। जब निर्णय दिए जाते हैं, तो असंतुष्ट पक्ष पुनः उच्च न्यायालय में दावा करते हैं, जिससे प्रक्रिया और लंबी हो जाती है। विशेष रूप से भूमि से संबंधित मामलों में ऐसे विवाद वर्षों तक चलते रहते हैं। इन्हें शीघ्र निपटाने हेतु 'राजस्व लोक अदालत' का आयोजन किया गया है। विधि सेवा प्राधिकरण अधिनियम-1987 के अंतर्गत स्थापित 'लोक अदालत' एक वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली है।

नौकरी और शिक्षा के चलते सबसे अधिक महिलाएं सोलापुर से पुणे में करती हैं निवास

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी और शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। यह शहर देश दुनिया के लोगों के साथ-साथ राज्य के कोने-कोने से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। शिक्षा, नौकरी और व्यवसाय के लिए पुणे में हर वर्ष लाखों लोग स्थलांतर करते हैं। इनमें महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल होती हैं। महाराष्ट्र के पांच प्रमुख जिलों – अहमदनगर, सोलापुर, सातारा, सांगली और धाराशिव – से सबसे अधिक लोग पुणे का रुख

करते हैं। लेकिन इन सभी जिलों में सोलापुर एक ऐसा जिला है, जहां से पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक संख्या में पुणे में आकर बसती हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सोलापुर से करीब 4 लाख 2 हजार लोग पुणे में स्थलांतर करते हैं, जिनमें से 2 लाख 20 हजार से अधिक महिलाएं होती हैं। इसका प्रमुख कारण है पुणे की शैक्षणिक और रोजगार की बेहतर सुविधाएं, साथ ही सोलापुर से पुणे की भौगोलिक निकटता और यात्रा की सुविधा भी है। सोलापुर-पुणे रोड से दोनों शहरों का सुलभ संपर्क, महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा विकल्प और पुणे में मिलने वाले अच्छे कॉलेज व संस्थान महिलाओं को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। यही नहीं, पुणे में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां और वातावरण भी सोलापुर की युवतियों और महिलाओं को यहाँ आने हेतु प्रेरित करता है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड ऑफिस नं. 12, अ और ब, सी.टी.एस. नं. 40/1, बी 2, संगम प्रोजेक्ट फेस 1, डॉ आंबेडकर रोड, आर.टी.ओ के पास पुणे-411001, से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 020-26059198 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

1990 से पहले के सभी राजस्व अभिलेखों का होगा डिजिटलीकरण

महानगर संवाददाता

लखनऊ

यूपी सरकार 1990 से पहले के सम्पूर्ण राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण की तैयारी कर रही है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने की तैयारी है। स्टांप एवं पंजीकरण विभाग अब 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की तैयारी कर रहा है और जल्द ही इस कार्य के लिए संस्था का चयन किया जाएगा।

विभाग चरणबद्ध तरीके से पुराने अभिलेखों की 'स्कैनिंग' और डिजिटलीकरण का कार्य पूरा कर रहा है। विभाग की ओर से मुख्यमंत्री

के सामने प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 तक 2002 से 2017 तक के विलेखों का डिजिटलीकरण 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, 1990 से 2001 तक के विलेखों के डिजिटलीकरण के लिए यूपीडीईएससीओ की ओर से निविदा प्रक्रिया चल रही है। अब तीसरे चरण में 1990 से पहले के अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर काम शुरू होने जा रहा है। बयान के मुताबिक इस डिजिटलीकरण प्रक्रिया से राजस्व से जुड़े दस्तावेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी। स्कैनिंग के बाद अभिलेखों को 'हार्डकॉपी' को केंद्रीय रिकॉर्ड कक्ष में स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे उपनिबंधक कार्यालयों में पुरानी फाइलों के अंबार से राहत मिलेगी।

एक क्लिक में उपलब्ध हो सकेंगे भू-अभिलेख

इससे पहले भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए केन्द्र सरकार ने 121 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की। जिसमें से अब तक 46 करोड़ रुपए से ज्यादा धनराशि जारी कर दी गयी थी। जानकारी के मुताबिक यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि जनता की सुविधा के लिए पूरे प्रदेश के भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया जाए। बयान के अनुसार इस योजना के अंतर्गत जमीन से जुड़े सभी अभिलेख जैसे भू-नक्शा, खतौनी और खसरा को डिजिटल माध्यम से आमजन तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी, जिसके लिए विस्तृत डेटा बैंक बनाया जाएगा। बयान के अनुसार इससे भूमि से संबंधित दस्तावेज एक क्लिक में उपलब्ध हो सकेंगे।

हाईकोर्ट की महिला कर्मी की गला रेतकर हत्या

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट में शनिवार देर रात सेमरा निवासी ऑडिट भवन की महिला कर्मचारी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह जानकारी मिली तो डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह, एडीसीपी पूर्वी पंकज कुमार और इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। मृतका के भाई ने भांजी पर प्रेमी के साथ मिलकर अपनी ही मां की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। भाई रवि के मुताबिक, उसकी बहन ऑडिट भवन में हाउसकीपिंग का काम करती थीं। रविवार देर रात 16 वर्षीय भांजी ने उन्हें कॉल करके मां की हत्या होने की बात बताई। यह सुनकर वह आनन-फानन बहन के घर पहुंचे। देखा कि बहन का शव बेड पर पड़ा था। उनका गला रेता गया था। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर ब्रजेश पाठक ने कसा तंज

सपाइयों को लोहिया-जेपी पढ़ाइए ताकि इनके आचरण और उच्चारण में समाजवाद झलके

महानगर संवाददाता

लखनऊ

समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल द्वारा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर की गई अभद्र टिप्पणी के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसे लेकर सपा चीफ और उपमुख्यमंत्री के बीच सोशल मीडिया पर तीखी जंग जारी है। अखिलेश यादव ने जहां सपाइयों को समझाने की बात कही है, वहीं अब इसे लेकर ब्रजेश पाठक ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि सपाइयों को लोहिया और जेपी को पढ़वाना चाहिए।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "सपा मीडिया सेल के साथी आलोचना करने के दौरान जिन शब्दों का प्रयोग करते हैं, उसे पढ़ कर लगता ही नहीं कि यह पार्टी राममनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र की पार्टी रह गई है। जार्ज

साहब की बात तथाकथित 'समाजवादी' भूल गए कि शिविर लगाया करो, पढ़ा-लिखा करो।" उपमुख्यमंत्री ने सपा प्रमुख को संबोधित करते हुए आगे लिखा, "अखिलेश जी! सपाइयों को लोहिया-जेपी पढ़ाइए और पंडित जनेश्वर जी के भाषण सुनवाइए, ताकि इनके आचरण और उच्चारण में समाजवाद झलके। लोहिया की किताबें आपके पास न हो तो मैं उपलब्ध करवा सकता हूं। हे महान लोहिया, जनेश्वरजी! इन नादानों को क्षमा करें, इन्हें कुछ पढ़ाया-लिखाया, सिखाया व समझाया नहीं गया। ये नहीं जानते कि समाजवाद क्या है? इन्होंने समाजवाद को गाली-गलौज, उद्दंडई और स्तरहीन टिप्पणियों की प्रयोगशाला बना दिया है। जब विपक्ष में रहते हुए इनका ये रूप है तो सत्ता में होते हुए इन्होंने क्या किया होगा, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।"

सपा सांसद अवधेश ने किया प्रो. रामगोपाल का बचाव

भाजपा मंत्री विजय शाह को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की

महानगर संवाददाता

अयोध्या

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रो. रामगोपाल यादव की ओर से जाति को लेकर अभद्र टिप्पणी के सवाल पर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने रामगोपाल यादव का बचाव किया।

उन्होंने मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह के लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर मंत्रिमंडल से हटाए जाने के साथ पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। प्रो. रामगोपाल यादव का बचाव करते हुए सपा सांसद ने कहा कि वह हमारी पार्टी के वरिष्ठतम नेता हैं और बहुत ही विद्वान व

जानकार हैं। उनकी विचारधारा, सोच और मानसिकता इस देश में आपसदारी और भाईचारा की है। जातिवादी सोच उनके अंदर कभी नहीं रही है। इस तरह का आरोप यदि कोई लगाता है तो उसको पहले समझना होगा।

प्रो. रामगोपाल यादव का बचाव करते हुए सपा सांसद ने कहा कि उन पर ऐसा कोई आरोप नहीं है और जिसने भी ये आरोप लगाया है, वह उसकी विचारधारा, सोच और मानसिकता के आधार पर है। हिंदुस्तान में यदि सेना का किसी ने सम्मान किया है तो वह स्व. मुलायम सिंह यादव हैं। प्रो. रामगोपाल का बयान जातिवादी बयान नहीं है। कोई भ्रामक बयान नहीं है। देश को तोड़ने वाला बयान नहीं है। देश को तोड़ने वाला बयान मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह का है। ऐसे मंत्री के खिलाफ कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है लेकिन अब तक उसे मंत्रिपरिषद से नहीं हटाया है। इस मामले में चेतावनी देते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा कि 48 घंटे के अंदर भाजपा उस मंत्री को कम से कम छह साल के लिए पार्टी से बाहर करे।

वाराणसी में निकाली गई पाकिस्तान-तुर्किए की शवयात्रा

वाराणसी। जब तुर्किये में भूकंप आया था तब भारत ने उसके नागरिकों की जान बचाने के लिए राशन भेजा, दवा भेजी। उसके बदले तुर्किये ने भारत के नागरिकों की हत्या करने के लिए घातक ड्रोन भेजे। पाकिस्तानी आतंकवादियों के साथ खुलकर खड़ा हो गया। वर्ष 1192 में तुर्कों ने भारत पर हमला किया, भारत को गुलाम बनाया। वर्षों तक भारत के लोगों के साथ नस्लीय भेदभाव करते रहे। खुद सुल्तान बलबन ने कहा था कि जब मैं किसी तुच्छ मुसलमान को देखता हूं तो मेरी नाड़ी क्रोध से उत्तेजित हो जाती है। पाकिस्तान के साथ जब जंग शुरू हुई, तो तुर्किये पाकिस्तान के साथ खड़ा हो गया। ऐसे में भारत के लोगों ने पाकिस्तान और तुर्किये का पूर्ण बहिष्कार करने का स्वतः फैसला लिया है। विशाल भारत संस्थान ने लमही के नेताजी सुभाष मंदिर से तुर्किए और पाकिस्तान की शव यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में जुटे मुस्लिमों ने पाकिस्तान और तुर्किये मुर्दाबाद के नारे लगाए। शव लेकर चल रहे अफरोज पाण्डेय, अफसर बाबा, नौशाद दूबे, शहाबुद्दीन तिवारी, लियाकत अली ने कहा कि आतंकवादियों का साथ देने वाले देश की आत्मा मर चुकी है, इसलिए, इनकी शव यात्रा निकाली जा रही है। शव यात्रा में सबसे आगे मुस्लिम धर्म गुरु अफसर बाबा हड़िया लेकर चल रहे थे।

देशभक्ति के रस में डूबे काशी के शिल्पकार

देशभर से आए सैकड़ों ऑर्डर

वाराणसी। पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। इस बीच शहर के अलग-अलग विरासत में भी ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवादी ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई करने वाले भारतीय हथियारों की भी झलक देखने को मिल रही है। इसी क्रम में वाराणसी की पहचान के रूप में पूरे विश्व में पसंद किए जाने वाले गुलाबी मीनाकारी की मदद से ऑपरेशन सिंदूर और ब्रह्मोस मिसाइल का मॉडल तैयार किया गया है। और न सिर्फ इसे कलाकारों द्वारा आकर्षक रूप में तैयार किया गया है बल्कि देशभर से इसको खरीदने के लिए सैकड़ों ऑर्डर भी मिल चुके हैं। इस क्षेत्र में दशकों से जुड़े गुलाबी मीनाकारी कलाकार कुंज बिहारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि, आतंकवाद और पाकिस्तान पर बड़ी कार्यवाही के तहत भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। उनकी बहादुरी को हम सलाम करते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन में ब्रह्मोस मिसाइल का भी योगदान रहा है और इसी को ध्यान में रखते हुए हमने गुलाबी मीनाकारी की मदद से पूरे ऑपरेशन सिंदूर और ब्रह्मोस मिसाइल का मॉडल तैयार किया है।

गुलाबी मीनाकारी क्राफ्ट के सैकड़ों ऑर्डर मिले

उन्होंने बताया कि गुलाबी मीनाकारी की मदद से बनाए ब्रह्मोस मिसाइल अलग-अलग साइज के अनुसार हैं। इसकी कीमत 10 हजार से शुरू होकर 25 हजार तक है। अभी तक इसके सैकड़ों ऑर्डर भी देशभर से मिल चुके हैं। लोगों द्वारा अपनी सेना के इस शौर्य और पराक्रम की गाथा को गुलाबी मीनाकारी क्राफ्ट के माध्यम से अपने घरों में सजाने के लिए स्वीकार किया जा रहा है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से लेकर देश भर के प्रमुख त्योहार और आयोजन पर गुलाबी मीनाकारी से बने अलग-अलग मॉडल की खूब मांग रहती है। रिपोर्ट के अनुसार सालाना 15 करोड़ तक गुलाबी मीनाकारी का व्यापार किया जाता है। चांदी, हीरा और अलग-अलग कीमती रत्नों से इसके आकर्षक मॉडल तैयार किए जाते हैं।

यूपी में 18 पीसीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। यूपी में रविवार को 18 पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी (नगर) गाजियाबाद गंभीर सिंह को अपर जिलाधिकारी आजमगढ़ नियुक्त किया गया है। प्रयागराज नगर निगम में अपर नगर आयुक्त रहे अम्बरीश कुमार बिंद को बरेली का नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी तरह लखनऊ में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) के पद पर तैनात रहे हनुमान प्रसाद को अपर जिलाधिकारी रामपुर नियुक्त किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश संतोष उर्फ राजू ढेर

दारोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी गोली

महानगर संवाददाता

कौशाम्बी

जिले में एनकाउंटर में कुख्यात बदमाश संतोष उर्फ राजू मारा गया। एसएचओ चंद्रभूषण मौर्य और एक दरोगा के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश संतोष उर्फ राजू के सीने में छह गोली लगी है। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने बदमाश संतोष उर्फ राजू को मृत घोषित कर दिया।

कोखराज थाना इलाके के ककोढा हाईवे किनारे शनिवार की रात करीब 11 बजे यह मुठभेड़ हुई है। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान अजमेर के जगपुरा गांव का रहने वाला साबरमल मीणा (40) अपने ट्रेलर में गुजरात से कॉपर वायर

लोड कर प्रयागराज के सूबेदारगंज के लिए निकला था। जिसकी कीमत करीब चार करोड़ है। शुक्रवार को कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढा हाईवे पर कुख्यात बदमाश सन्तोष उर्फ राजू ने अपने गैंग के दो सदस्यों के साथ अर्टिगा कार से ओवरटेक कर ट्रेलर रोक लिया और ड्राइवर साबरमल मीणा को गन प्वॉइंट पर पहले धमकाया। फिर उसे यह लालच दिया कि कॉपर वायर किसी और को बेच देते हैं। जिसके बदले उसे भी हिस्सा देंगे। जब ड्राइवर साबरमल मीणा ने बदमाशों से कहा कि यह ट्रेलर उसका खुद का है और यह कॉपर वायर रेलवे का है। वो ऐसा गलत काम नहीं करेगा। इतने में बदमाश संतोष उर्फ राजू ने ड्राइवर साबरमल मीणा को पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी और अपने दो साथियों की मदद से उसके शव को झाड़ियों में फेंक दिया। बदमाश कॉपर वायर लदा ट्रेलर ले जाकर प्रतापगढ़ की सीमा में खड़ा कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकली भव्य शौर्य तिरंगा यात्रा

गोरखपुर। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता और सेना के अद्वितीय शौर्य को नमन करते हुए विभिन्न सामाजिक संगठनों व भूतपूर्व सैनिकों ने शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा विश्वविद्यालय गेट से होते हुए पैडलेगंज चौक पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के पास समाप्त हुई। यात्रा में शामिल केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की प्रबल भावना से ओतप्रोत यह जनसैलाब देश की एकता, अखंडता और आत्मगौरव का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात को स्पष्ट करता है कि देश की सरकार व सेना आतंकिस्तानियों व उनके आकाओं को नेस्तनाबूद करने के लिए आगे बढ़ चली है। इस यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, युधिष्ठिर सिंह, विधायक गण फतेह बहादुर सिंह, प्रदीप शुक्ला, महेन्द्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, कैप्टन ओमप्रकाश मिश्र, जीके मिश्र, मनोज सिंह, रमेश सिंह, सबल सिंह पालीवाल, ब्लॉक प्रमुख सुमन यादव, दिलीप कुमार यादव, संजू सिंह, चंचला शुक्ला व अन्य बहुत से लोग शामिल रहे।

सपा मीडिया सेल के X अकाउंट पर FIR

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने मामले में समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के एक्स अकाउंट पर एक्शन हुआ है। भारतीय जनता पार्टी नगर अध्यक्ष की शिकायत पर सपा मीडिया सेल के एक्स हैंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। समाजवादी पार्टी के एक्स हैंडल से न सिर्फ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के विरुद्ध बल्कि उनकी मां को लेकर बेहद आपत्तिजनक शब्दों इस्तेमाल किया गया था। यह मामला उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम से जुड़ा है और पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है।

दरअसल समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के ट्विटर हैंडल से यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के

खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई थी, जिसके बाद रविवार को बीजेपी लखनऊ इकाई ने ट्विटर हैंडल के खिलाफ अपनी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद हजरतगंज थाने में भारतीय न्याय संहिता 352, 353(2), 356(2), 356(3) और आईटी एक्ट 67 के तहत विशेष एक्स अकाउंट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालांकि बढ़ते विवाद के बीच पोस्ट को डिलीट कर लिया गया। उस पोस्ट पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

वास्तुविद भर्ती की आयु सीमा 40 साल तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद में सहायक वास्तुविद नियोजक और वास्तुविद सहायक पदों पर भर्ती की अधिकतम आयुसीमा बढ़ाकर 40 वर्ष कर दी गई है। इस संबंध में सरकार की ओर से पिछले महीने दो अप्रैल को गजट जारी कर दिया गया है। इन पदों पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्ती की जाती है। सहायक वास्तुविद नियोजक के लिए पहले अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए भर्ती की आयुसीमा 21 से 30 वर्ष थी जो अब 21 से 40 वर्ष की गई है। इसके लिए सेवा नियमावली 1979 में संशोधन किया गया है। साथ ही शैक्षिक अर्हता को भी स्पष्ट किया गया है। वांछनीय आवासिकी का संस्थान के प्रमुख की ओर से जारी प्रमाणपत्र के आधार पर अनुभव मान्य होगा। इसी प्रकार वास्तुविद सहायक पद पर पहले 18 से 32 वर्ष के अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते थे। अब 18 से 40 वर्ष तक के अभ्यर्थी को मान्य कर लिया गया है। इसके लिए सेवा नियमावली 1998 में संशोधन किया गया है।

16वां वित्त आयोग प्रतिनिधिमंडल करेगा UP दौरा

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या और वाराणसी अब सिर्फ आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि देश-विदेश के पर्यटकों और सरकारी संस्थाओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा को देखने के लिए हर वर्ग के लोग लालायित हैं। अब 16वें वित्त आयोग का प्रतिनिधिमंडल भी यूपी दौरे के दौरान इन पवित्र स्थलों के दर्शन करेगा। यह दौरा 5 और 6 जून को प्रस्तावित है।

5 जून को प्रतिनिधिमंडल राजधानी लखनऊ पहुंचेगा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

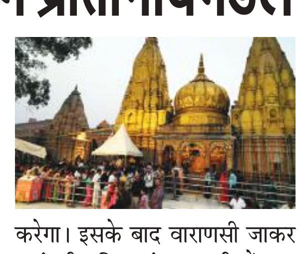

करेगा। इसके बाद वाराणसी जाकर वहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में भाग लेगा और बोट राइड का भी आनंद उठाएगा। 6 जून को यह टीम श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर, संकट मोचन मंदिर और सारनाथ जैसे धार्मिक स्थलों का दौरा करेगी।

उत्तर प्रदेश बन रहा है आध्यात्मिक पर्यटन का नया केंद्र

इस आध्यात्मिक यात्रा के साथ-साथ आयोग राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा करेगा। वाराणसी में ओडीओपी योजना के तहत पन्या सिल्क साइट, पंचायती भवन, अमृत सरोवर, मडुवाडीह फ्लाईओवर, मियावाकी प्लांटेशन और रवींद्रपुर पार्क जैसी परियोजनाएं भी उसके अवलोकन में शामिल हैं। योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे कार्यों से इन स्थलों की भव्यता और पहुंच में बढ़ोतरी हुई है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में अयोध्या में करीब 3 करोड़ और वाराणसी में लगभग 7 करोड़ श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे, जिनमें लाखों विदेशी सैलानी भी शामिल थे।

प्रोटोकॉल को लेकर भड़के मंत्री, सुनाई खरी खोटी

बागपत। यूपी सरकार में योगी के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार बागपत में प्रोटोकॉल को लेकर अफसरों पर भड़क उठे। उन्होंने एडीएम और एएसपी की क्लास लगा दी। फिर बिना मीटिंग किए ही चले गए। साथ ही अधिकारियों को सख्त हिदायत भी दी। वहीं, मंत्री का ये रवैया सुर्खियों में बना हुआ है। राष्ट्रीय लोक दल कोटे से योगी सरकार में मंत्री अनिल कुमार शनिवार को अपने तय कार्यक्रम के अनुसार बागपत के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचे तो उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया गया। इसके बाद वह सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान के साथ किसानों की समस्याओं को लेकर विकास भवन में होने वाली बैठक में पहुंचे तो डीएम और एसपी बैठक में मौजूद नहीं थे। इस पर केबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने एडीएम और एएसपी को खूब खरी-खोटी सुनाई। उनकी नाराजगी से अधिकारी सहमे रहे। एडीएम और एएसपी ने सफाई देने की कोशिश भी की लेकिन चंद मिनट के बाद केबिनेट मंत्री ने बैठक को स्थगित करते हुए सोमवार को इसे रखने की हिदायत दी और विकास भवन से चले गए।

सीबीआई जांच के बीच एपीएस के प्रमोशन की तैयारी

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की अपर निजी सचिव (उत्तर प्रदेश सचिवालय) भर्ती 2010 के माध्यम से चयनित होकर उत्तर प्रदेश सचिवालय में कार्यरत अपर निजी सचिवों की वरिष्ठता सूची जारी करके निजी सचिव पर प्रमोशन की तैयारियों पर प्रतियोगी छात्रों ने आपत्ति की है। प्रमोशन दिए जाने को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सोमवार को तीन बजे सचिवालय प्रशासन विभाग, कार्मिक विभाग, न्याय विभाग और गृह विभाग के अधिकारियों की बुलाई गई बैठक का विरोध भी हो रहा है। प्रतियोगियों का कहना है कि लोक सेवा आयोग की पांच साल की भर्तियों की सीबीआई

जांच के दौरान सचिवालय प्रशासन विभाग ने इस भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों को इस शर्त के साथ शपथ पत्र लेकर सशर्त कार्यभार ग्रहण कराया था कि उनके चयन की जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद सीबीआई ने चार अगस्त 2021 को दर्ज कराई गई एफआईआर में साफ तौर से कहा था कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक तथा अन्य अधिकारियों ने आपराधिक साजिश करके चयन सूची में शामिल कतिपय योग्य अभ्यर्थियों को सलेक्शन से वंचित करके अयोग्य एवं अपात्र अभ्यर्थियों के सलेक्शन किए हैं। ऐसी स्थिति में सचिवालय प्रशासन विभाग को सीबीआई से जांच के निष्कर्ष प्राप्त करके अवैधानिक तरीके से नौकरी हासिल करने वाले अपर निजी सचिवों की सेवा समाप्ति की कार्रवाई करनी चाहिए थी लेकिन सचिवालय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने दागी अपर निजी सचिवों से मिलीभगत करके उनकी वरिष्ठता सूची जारी कर दी।

यूपी के चार सांसदों को केंद्र सरकार ने दी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ। केंद्र सरकार ने दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ संदेश लेकर जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का ऐलान किया है। कुल सात समूहों में सांसद, पूर्व सांसद और राजदूत या पूर्व राजदूत शामिल हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार रात जानकारी दी। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश से भी 4 सांसदों और 1 पूर्व सांसद शामिल हैं। सात अलग-अलग समूहों में कुल 59 सांसद, पूर्व सांसद, राजदूत और पूर्व राजदूत शामिल हैं। यूपी से चुने गए सांसदों की तो उसमें राज्यसभा सांसद बृजलाल, लोकसभा सांसद और बीजेपी नेता शशांक मणि त्रिपाठी, समाजवादी पार्टी से

लोकसभा सांसद राजीव राय, भारतीय जनता पार्टी से सांसद अतुल गर्ग और कांग्रेस नेता, अधिवक्ता और पूर्व सांसद सलमान खुर्शीद का नाम शामिल है। राज्यसभा सांसद बृजलाल और पूर्व सांसद, अधिवक्ता सलमान खुर्शीद का नाम तीसरे समूह में हैं। यह समूह इंडोनेशिया, मलेशिया, कोरिया, जापान और सिंगापुर जाएगा।

मंदबुद्धि किशोरी से दरिंदगी, घर से उठाकर गैंगरेप

महानगर संवाददाता

बहराइच

जिले से मंदबुद्धि नाबालिग लड़की के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। जिले के एक गांव में मांगलिक कार्यक्रम के दौरान सूने पड़े घर से दो युवकों ने मंदबुद्धि किशोरी का अपहरण कर नजदीक के खेत में ले जाकर गैंगरेप किया। किशोरी चीख कर बेहोश हो गई। उसकी चीख पर खेत में गया एक किसान दौड़ कर पहुंचा। तो दोनों हमलावर फरार हो गए। जानकारी पाकर पहुंचे परिजनों के होश उड़ गए। बेटी को थाने लाए, जाने पर पुलिस ने दबिश देकर दोनों युवकों को हिरासत में लिया है।

मोतीपुर थाने के एक गांव में शनिवार रात एक घर में बारात आई

थी। इसी मांगलिक कार्यक्रम में पड़ोस के घर के भी लोग शामिल थे। इस परिवार की एक मंदबुद्धि 15 वर्षीय बेटी अकेली थी। शनिवार रात में गांव के ही दो युवक घर में घुसे और किशोरी को लाद लगभग दो सौ मीटर दूर खेत में ले गए। दोनों युवको ने किशोरी के साथ गैंगरेप किया। मंदबुद्धि बेटी ने प्रतिरोध कर शोर मचाया। इसी दौरान वह बेहोश हो गई। उसकी चीख सुन अपने खेत में मौजूद किसान अनहोनी की आशंका से दौड़ा। तो आहट पा दोनों हमलावर युवक फरार हो गए। इसकी जानकारी बेटी के परिजनों को दी तो वह मांगलिक कार्यक्रम छोड़ घटनास्थल पर पहुंचे। बेहोश बेटी को पानी के छींटे मार होश में लाया गया। जब होश में आने पर भी बेहद डरी हुई थी। वारदात की जानकारी होते ही परिजन उसे थाने लाए। गैंगरेप की भनक लगते ही थाने में हड़कंप मच गया। पुलिस ने नामजद किए जा रहे दोनों युवकों को भारत नेपाल सरहद के पास दबोच लिया गया है। थानाध्यक्ष आनंद कुमार चौरसिया ने बताया कि तहकीकात की जा रही है।

संसद में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिलेगा सम्मान

17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, (राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष) ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं, जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

लगातार उत्कृष्ट कार्य के लिए- चार सांसदों को विशेष सम्मान

चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और सतत योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के अनुसार, ये चारों सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में भी संसद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं और अपनी मौजूदा कार्यकाल में भी लगातार सक्रिय हैं।

भर्तृहरि महताब (भाजपा)
सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी)
एन. के. प्रेमचंद्रन (आरएसपी)
श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना)

अन्य संसद रत्न पुरस्कार विजेता सांसद

बाकी 13 सांसदों को भी उनके विशिष्ट संसदीय कार्यों के लिए चुना गया है। इनमें कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इन सांसदों ने संसद में प्रश्न पूछने, चर्चा में भाग लेने और विधेयकों पर सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्मिता वाघ	(भाजपा)
अरविंद सावंत	(शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट)
नरेश गणपत म्हास्के	(शिवसेना)
वर्षा गायकवाड़	(कांग्रेस)
मेधा कुलकर्णी	(भाजपा)
प्रवीण पटेल	(भाजपा)
रवि किशन	(भाजपा)
निशिकांत दुबे	(भाजपा)
बिद्युत बारन महतो	(भाजपा)
पी. पी. चौधरी	(भाजपा)
मदन राठौर	(भाजपा)
सी. एन. अन्नादुरै	(डीएमके)
दिलीप सैकिया	(भाजपा)

स्टालिन ने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मांगा सपोर्ट

लेटर लिखकर कहा- सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति के संदर्भ का विरोध करें

महानगर नेटवर्क

चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी। जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए संदर्भ का विरोध करने की अपील की है।

स्टालिन ने लिखा- हम सभी जानते हैं कि जब किसी मुद्दे पर कोर्ट के आधिकारिक फैसले से पहले ही फैसला लिया जा चुका हो, तब सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। फिर भी, भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति पर संदर्भ मांगने के लिए जोर दिया है, जो उनके भयानक इरादे बताता है।

दरअसल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने केंद्र सरकार की सलाह पर 13 मई 2025 को संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे।

एक वीडियो में राष्ट्रपति ने कहा था कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

नीदरलैंड, डेनमार्क, जर्मनी की यात्रा पर जाएंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय (MEA) ने रविवार को यह जानकारी दी। अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे। वे द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे, आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बात होगी।

जर्मनी में नए चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने मई में पदभार संभाला है। जयशंकर की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रेडरिक मर्ज़ को बधाई दी थी। उन्होंने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई थी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा था, "फ्रेडरिक मर्ज को जर्मनी के संघीय चांसलर के रूप में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। मैं भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।"

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कई देशों ने भारत के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की थीं। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी भी उन देशों में शामिल थे। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने भारत को समर्थन दिया था। उन्होंने आतंकवाद की निंदा की थी। उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। डेनमार्क के पीएम कार्यालय ने X पर लिखा था, "पहलगाम से भयानक खबर। डेनमार्क भारत के साथ खड़ा है और आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। पीड़ितों और उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति हमारी संवेदनाएं।"

जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ शोल्ज़ ने भी पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की थी। उन्होंने भारत के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी। नीदरलैंड के राष्ट्रपति डिक स्कूफ ने कहा था, "नीदरलैंड आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, अब और भविष्य में भी।" भारत के इन तीनों देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। भारत और डेनमार्क के संबंध ऐतिहासिक हैं। दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शांति की इच्छा एक जैसी है। MEA ने कहा कि भारत-डेनमार्क संबंधों को "ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप" के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की नकल

भारत के कदमों को फॉलो कर रहा है पड़ोसी मुल्क !

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत के जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को गहरा धक्का लगा है, क्योंकि वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान के आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप अब खुल कर सामने आ चुके हैं। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जो पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक रणनीतिक सैन्य प्रतिक्रिया थी। अब पाकिस्तान अपने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयासों को बचाने के लिए भागा-भागा भारत के कदमों की नकल करने की कोशिश कर रहा है। नई दिल्ली के हालिया कूटनीतिक कदमों को दोहराने का प्रयास करते हुए, पाकिस्तान ने अब "शांति" के लिए अपना मामला पेश करने के लिए विदेश में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना की घोषणा की है। यह कदम भारत द्वारा अपने आतंकवाद विरोधी अभियान और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश के एकजुट रुख के बारे में वैश्विक नेताओं को जानकारी देने के लिए सात बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडलों के गठन के बाद उठाया गया है।

शरीफ ने बिलावल भुट्टो से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे पाकिस्तान की ओर से एक शांति प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा है। भुट्टो जरदारी ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "आज सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का मामला पेश करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं।

मुझे यह जिम्मेदारी स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का सम्मान है।"

चिदंबरम जो कानून लाए वही उनके गले की फांस बना

शरद पवार बोले- मैंने मनमोहन सिंह को आगाह किया था

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को PMLA कानून के गलत इस्तेमाल के बारे में चेतावनी दी थी। यह बात उन्होंने तब कही थी जब पी. चिदंबरम ने इस कानून में बदलाव किए थे। शरद पवार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने मनमोहन सिंह से कहा था कि चिदंबरम द्वारा लाए गए बदलावों से इस कानून का गलत इस्तेमाल हो सकता है। लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। उन्होंने यह भी कहा कि आज चिदंबरम खुद ही इस संशोधन का शिकार हो गए हैं। पीएमएलए यानी मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम,

2002, जो भारत में मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने और इससे प्राप्त संपत्ति को जब्त करने के लिए बनाया गया एक आपराधिक कानून है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस अधिनियम को लागू करने, जांच करने, संपत्ति कुर्क करने और अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए जिम्मेदार है। पीएमएलए मनी लॉन्ड्रिंग के तीन चरणों से निपटता है: प्लेसमेंट, लेयरिंग और इंटीग्रेशन। पवार ने कहा, "मैं उस समय केंद्र सरकार में था।

ISI के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे गौरव गोगोई

सत्ता के साथ मिलकर किया काम: हिमंत

महानगर नेटवर्क

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया और उन्होंने पड़ोसी देश की सत्ता के साथ मिलकर काम किया। वह वहां ट्रेनिंग लेने के लिए गए हुए थे। एक आधिकारिक समारोह के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि सरकार के पास इस दावे का समर्थन करने के लिए दस्तावेजी सबूत हैं और उचित सत्यापन के बाद हर सबूत 10 सितंबर तक जनता के सामने पेश किया जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मैं पहली बार यह कह रहा हूं। हमारे पास इसके दस्तावेज हैं। वह पर्यटन के उद्देश्य से नहीं गए थे। वह निश्चित रूप से प्रशिक्षण लेने के लिए वहां गए थे।''

सरमा ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक था। वह पाकिस्तान की इस्टैब्लिशमेंट के साथ मिलकर काम कर रहे थे। गृह विभाग कब निमंत्रण भेजता है? यह केवल प्रशिक्षण देने के लिए होता है।"

सरमा ने कहा, "विदेश मामलों (विभाग) या किसी विश्वविद्यालय से निमंत्रण पूरी तरह से अलग बात है।

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी

सेना ने कहा- जहां से सीजफायर उल्लंघन हुआ, उसे मिट्टी में मिला दिया

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय सेना ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर ऑपरेशन सिंदूर का एक नया वीडियो जारी किया। सेना की पश्चिमी कमान ने X पर एक वीडियो पोस्ट किया। सेना ने कहा, "प्लान किया, ट्रेनिंग दी और पूरा किया।" उन्होंने आगे कहा, "इंसाफ हुआ।" वीडियो में, एक सुरक्षाकर्मी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक सबक था। ऐसा सबक जो उसने दशकों से नहीं सीखा था। सेना के जवान ने कहा, "इसकी शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले से हुई। गुस्सा पिघले हुए लावा की तरह था। मन

में बस एक ही विचार था - इस बार, हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि उनकी पीढ़ियां याद रखेंगी। यह बदला लेने का काम नहीं था, यह न्याय था। 9 मई की रात लगभग 9 बजे, भारतीय सेना ने दुश्मन पोस्ट को नष्ट कर दिया जिसने युद्धविराम का उल्लंघन किया था। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक कार्रवाई नहीं थी; यह पाकिस्तान के लिए एक सबक था, जो उसने दशकों से नहीं सीखा था।"

भारत ने पिछले महीने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। भारत की कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू और कश्मीर में गोलाबारी की। सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन से हमले करने की कोशिश भी की गई। इसके बाद भारत ने एक समन्वित हमला किया और पाकिस्तान में 11 एयरबेस पर रडार सिस्टम, संचार केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को निशाना बनाया।

कर्नल सोफिया पर उठाए थे सवाल

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में अशोका यूनवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्य कर रहे अली खान महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद महिला अधिकारियों को प्रेस ब्रीफिंग के लिए भेजने को दिखावा और ढोंग बताया था। इसके बाद हरियाणा राज्य के महिला आयोग ने उन्हें नोटिस भेजकर तलब किया था।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को आगे करने को लेकर महमूदाबाद ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट की थीं। माना जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर का संबंध महिलाओं से है क्योंकि पहलगाम में आतंकियों ने उन लोगों की भी हत्या कर दी जिनकी हाल ही में शादी हुई थी। कई नवविवाहित महिलाओं की मांग उड़ गई। इसीलिए भारतीय सेना की आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में जानकारी देने के लिए महिला अधिकारियों को आगे किया गया। वहीं अली खान महमूदाबाद महिला अधिकारियों को आगे करने के फैसले को ही गलत बताने लगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार ऐसा करके केवल दिखावा और ढोंग कर रही है।

पाक गोलाबारी की आड़ में घुसपैठ की कोशिश

- LoC पर फिर अलर्ट मोड में सुरक्षाबल
- पुंछ में सर्च ऑपरेशन जारी

पुंछ। पुंछ जिले की मंडी तहसील में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा से सटे सावजियां सेक्टर के छंबर किनारी क्षेत्र में सुबह सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। यह कार्रवाई उस समय शुरू की गई जब क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने की सूचना मिली। सूत्रों के अनुसार, पुंछ पुलिस, विशेष अभियान समूह (SOG), सेना और सीआरपीएफ ने सुबह नियंत्रण रेखा के पास संदिग्धों की हलचल देखने के बाद पूरे इलाके को

घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन को सैंकड़ों सुरक्षाकर्मी के साथ एएसपी मोहन शर्मा ने नेतृत्व किया है। पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास गोलाबारी की है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि इस गोलाबारी से आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश की गई है।

पाकिस्तान के साथ सीजफायर समझौते की कोई एक्सपायरी डेट नहीं : सेना

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाइयां रोकने को लेकर 12 मई को बनी सहमति जारी रहेगी। सेना के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने इन कयासों को खारिज कर दिया कि यह सहमति अस्थायी है और इसकी अवधि आज समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा, "जहां तक डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) की बातचीत के दौरान सैन्य कार्रवाइयां रोकने को लेकर बनी सहमति जारी रखने का सवाल है, तो इसकी कोई

एक्सपायरी डेट नहीं है।" अधिकारी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच कोई वार्ता रविवार को निर्धारित नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात के बाद 10 मई को शाम 5 बजे से सीजफायर लागू हुआ था। उस दिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी पुष्टि की थी कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (DGMO) के बीच हॉटलाइन पर बातचीत के बाद यह समझौता हुआ। हालांकि, सीजफायर लागू होने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और गुजरात में ड्रोन हमले और गोलीबारी करके समझौते का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। यह सीजफायर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़े तनाव के परिणामस्वरूप लागू किया गया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

राजस्थान में उतरा 'पाकिस्तानी नकाब'

ज्योति मल्होत्रा से भी खतरनाक गेम खेल रहा था सद्दीक!

महानगर नेटवर्क

जयपुर

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को सबक सिखाने के बाद अब भारत की खुफियां एजेंसियों की रडार पर वो लोग हैं, जो देश में बैठकर पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं। इसी क्रम में हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी हुई है, जिस पर ISI को भारत की गोपनीय सूचना लीक करने का आरोप है। इधर, राजस्थान के डीग जिले से से भी एक ऐसा शख्स पकड़ा गया है, जो भारत में बैठकर पाकिस्तान के लिए फंड़िंग का काम कर रहा था। गिरफ्तार किए गए इस शख्स का नाम सद्दीक है, जिसे असम की STF ने राजस्थान से हिरासत में लिया है। सद्दीक, डीग के सीकरी थाना क्षेत्र के बेला गांव का रहने वाला है, जो भारत में बैठकर खतरनाक गेम खेल रहा था। उस पर आरोप है कि वह पाकिस्तान की सिम चलाकर लोगों से ठगी कर रहा था। फिर उस पैसे को पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस को उसके पास से एक मोबाइल मिला है। उसमें 15 करोड़ रुपये का हिसाब-किताब मिला है। असम की एसटीएफ टीम को इस बारे में जानकारी मिली थी।

'बच्चों को आग से बचाने के लिए मां ने लगा लिया था गले'

अंतिम समय में भी नहीं छोड़ा साथ

चारमीनार की दर्दनाक घटना सुन फट जाएगा कलेजा

महानगर नेटवर्क

हैदराबाद

हैदराबाद के चारमीनार के पास एक इमारत में लगी आग ने सब कुछ राख कर दिया। इस घटना में 17 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, आग लगने की सूचना जैसे स्थानीय लोगों को लगी, तो वो बचाव दल के रूप में पहुंचे। उन्होंने अंदर फंसे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। चारमीनार के पास चूड़ी का व्यवसाय करने वाले जहीर भी उनमें से एक थे। जहीर ने इस घटना के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इस आग की घटना में एक परिवार के 17 लोग खत्म हो गए। जहीर ने एक दिल दहला देने वाला दृश्य बताया। उन्होंने कहा कि एक महिला ने अपने बच्चों को आग से बचाने के लिए आखिरी कोशिश की। उसने अपने बच्चों को गले लगा लिया था। लेकिन वो उस आखिरी बार गले लगने के बाद हमेशा के लिए खत्म हो

गई। जहीर ने बताया कि आग लगने के कुछ ही देर बाद हम अंदर पहुंचने में कामयाब हो गए। लपटें बहुत तेज थीं। कमरे के अंदर एक महिला बच्चों को गले लगाए बैठी थी। उसकी मौत हो चुकी थी। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, आग बिजली की समस्या के कारण लगी और पीड़ित सो रहे थे, इसलिए अचानक आग लग गई। घर की बनावट बचाव कार्य में एक बड़ी बाधा साबित हुई। इस बाजार में ज्यादातर दुकानें कम से कम एक सदी पुरानी हैं और उनके ऊपर कमरे बने हुए हैं। दुकानों की कतार के ऊपर खिड़कियों की एक पंक्ति है और इनमें से ज्यादातर खिड़कियां रात में एयर-कंडीशनर चालू होने पर बंद हो जाती हैं। आग लगने की स्थिति में इससे छोटे कमरों में धुआं भर सकता है। एक और समस्या कमरों तक पहुंचने के लिए एक ही संकरा प्रवेश द्वार है। जहीर ने बताया कि अंदर जाना बहुत मुश्किल था। उन्होंने बताया कि हमने 13 लोगों को बाहर निकाला। धुएं के कारण हम कुछ भी नहीं देख पा रहे थे। अंदर जाने के लिए हमने दीवार गिरा दी। उन्होंने आगे बताया कि ज्यादातर पीड़ित जलकर मर गए और बाकी लोगों का धुएं की वजह से दम घुटने लगा। तेलंगाना अग्निशमन विभाग के एक बयान में 17 पीड़ितों की पहचान की गई है। इनमें से आठ बच्चे हैं। चार बुजुर्ग हैं और पांच महिलाएं हैं।

सीतापुर से नेपाल और पाकिस्तान भेजे गए 50 एक्टिवेटेड सिम

महानगर नेटवर्क

सीतापुर

जाली दस्तावेज के आधार पर सीतापुर से 50 सिम कार्डों को एक्टिवेट कर नेपाल और पाकिस्तान भेजा गया है। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय की तहरीर पर खैराबाद पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज कर धरैंचा निवासी संतराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से जाली आधार कार्ड, पहचान पत्र, पैन कार्ड, कई फोटो और संदिग्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिली है। आरोपी के तार साइबर अपराधियों से जुड़े हैं। एटीएस को जानकारी मिली थी कि खैराबाद के धरैंचा गांव निवासी संतराम

मिली संदिग्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग

वर्ष 2022 से मोबाइल सिम कार्ड बेचने का काम करता है। आरोप है कि संतराम ने जाली दस्तावेज के आधार पर कुछ सिम एक्टिवेट किए। इन एक्टिवेटेड सिमों को संतराम ने पीलीभीत निवासी युवक के माध्यम से नेपाल तक भेजवाया।

क्या आपका बच्चा भी पढ़ने में करता है आनाकानी...

ये खास टिप्स अपनाएं और फिर देखें जादू

अगर आपका भी बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता तो ये टिप्स जरूर अपनाएं. इससे आपके बच्चे का पढ़ाई में फोकस भी बढ़ेगा और परफॉर्मेंस में भी सुधार होगा. कोरोना के बाद से ही हर माता-पिता की शिकायत है कि उनका बच्चा पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगाता. कई माता-पिता दिनभर बच्चों के पीछे लगे भी रहते हैं फिर भी उनका ध्यान पढ़ाई की ओर नहीं जाता. इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण है लॉकडाउन के वक्त लंबे समय तक स्कूल का बंद रहना. इसके अलावा इसके पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं जैसे तनाव में होना, ओवरथिंकिंग, कंसंट्रेशन की कमी, थकान महसूस होना वगैरा-वगैरा... इन समस्याओं को दूर करने के लिए हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिसे आप फॉलो करते हैं तो आपके बच्चे का पढ़ाई में मन तो लगेगा ही साथ ही उसकी ब्रेन पावर भी बढ़ेगी. आइए जानते हैं इसके बारे में.

इन टिप्स को अपनाकर बच्चों का फोकस बढ़ाएं

ब्रेन गेम्स खेलने दें-अपने बच्चे को पढ़ाई की तरफ फोकस करवाने के लिए माइंड गेम का सहारा ले सकते हैं. ऐसा करने से उनका ध्यान फोन से हटेगा और बच्चे में एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है और पढ़ाई में भी मन लगता है. हालांकि खेलने की टाइमिंग का ध्यान जरूर रखें. साल 2015 की एक अध्ययन के मुताबिक 4715 लोगों को दिन में 15 मिनट और सप्ताह में 5 दिनों तक ब्रेन गेम्स खेलने के लिए कहा गया. शोध में पाया गया कि इससे उन लोगों के दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. ऐसे में अपने बच्चे को चेस, सुडोको, पजल, स्क्रैबल जैसे गेम्स खिलाए.

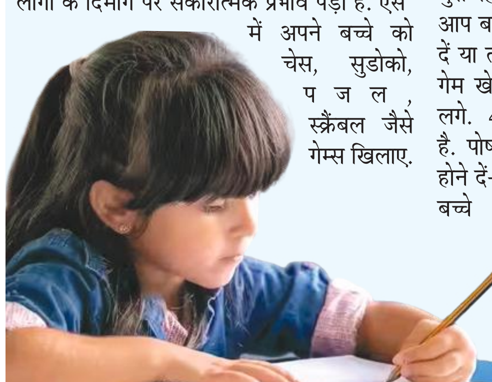

वृक्षासन करवाएं-

बच्चे में एकाग्रता बढ़ाने के लिए आप वृक्षासन का भी सहारा ले सकते हैं. इस योग को करने से दिमाग की एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिलती है. एक पैर पर बैलेंस बनाने से दिमाग को संतुलन और स्थिरता मिलती है. जब दिमाग में संतुलन और कंसंट्रेशन बढ़ेगा तो पढ़ाई में भी काफी मदद मिलेगी.

शारीरिक बल वाला खेल खेलने दें-

ऐसा ना हो कि बच्चे सिर्फ दिन भर मोबाइल फोन में ही घुसे रहें.इससे भी उनके कॉनसेंट्रेशन पर असर पड़ता है. आप बच्चे को एक घंटा बाहर मैदान में ले जाकर खेलने दें या तो बच्चे साइकिल चलाएं या फिर कोई आउटडोर गेम खेलें, जिससे शारीरिक विकास हो. शारीरिक बल लगे. 40 से 50 मिनट ऐसा करना काफी है. पोषक तत्वों की कमी ना होने दें-ध्यान रहे कि आपके बच्चे के खाने की थाली में पोषक तत्वों की कमी ना हो.ऐसा होने से भी एकाग्रता करने में मुश्किल होती है. बच्चों की डाइट में फल सब्जियां, अंडे, दूध आदि को शामिल करें. इसके अलावा बच्चे की डाइट में और टमाटर शकरकंद, कद्दू गाजर, पालक दही भी होना चाहिए. बच्चों को तेल और मिर्च वाले खाने से दूर रखें, इससे आलस बढ़ता है.

तनाव से दूर रखें-

अगर घर में किसी तरह का तनाव चल रहा है तो इससे बच्चे को दूर रखें. ऐसा होने से भी बच्चे को पढ़ाई में मन नहीं लगता है. बच्चे को कुछ दिनों पर कहीं घुमाने ले जाएं. उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रख सके. यह भी ध्यान रखें कि बच्चे की नींद ठीक से पूरी हो जाए क्योंकि एकाग्रता के लिए ब्रेन का रिचार्ज होना भी बहुत जरूरी है.

एलोवेरा जूस से स्किन की लौट आएगी पुरानी चमक

ब्लड शुगर भी रहेगी कंट्रोल! 4 गज़ब के फायदे रखेंगे हेल्दी

एलोवेरा में पोषक तत्वों का भंडार मौजूद है. स्किन को चमकदार बनाने के साथ ही ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी एलोवेरा मददगार होता है. इसके गजब के फायदे जानकर आप इसका इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे. एलोवेरा एक ट्रॉपिकल प्लांट है और इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं. हेल्थलाइन की खबर के मुताबिक ओरल हेल्थ के लिए भी एलोवेरा का इस्तेमाल काफी लाभकारी हो सकता है. फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करने में भी एलोवेरा जूस काफी लाभकारी हो सकता है.

स्किन हेल्थ

एलोवेरा जूस में मौजूद प्रॉपर्टीज स्किन को हेल्दी रखने के लिहाज से बेहद फायदेमंद होती हैं. जलने या फिर किसी भी तरह के स्किन डिसऑर्डर में एलोवेरा जूस का सेवन काफी लाभकारी हो सकता है. एलोवेरा जूस को पीने के साथ ही अगर एलोवेरा जूस को स्किन पर लगाया जाए तो इससे भी स्किन चमकदार बनने में मदद मिलती है. कुछ रिसर्च में सामने आया है कि एलोवेरा जूस का सेवन स्किन इलास्टिसिटी बेहतर बनाने के साथ ही रिंकल्स को भी घटाता है.

डायबिटीज

शुगर पेशेंट्स के लिए एलोवेरा जूस का सेवन लाभकारी हो सकता है. अब तक हुई रिसर्च में ये पाया गया है कि प्री-डायबिटीज की स्थिति में एलोवेरा जूस पीने से फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल बेहतर बनाने में मदद मिलती है. हालांकि अब भी इसे लेकर और डेटा और रिसर्च होने की जरूरत है जिससे किसी ठोस नतीजे पर पहुंचा जा सके.

एंटी-ऑक्सीडेंट्स रिच

एलोवेरा प्लांट एंटी-ऑक्सीटेंड्स से भरपूर होता है. इसमें एंटी-इन्फ्लामेटरी प्रॉपर्टीज भी होता है जो कि शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से भी बचाती हैं. एलोवेरा जूस में पॉलीफेनॉल्स होते हैं जो कि शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है. एलोवेरा जूस का सेवन शरीर को ऊर्जा से भी भर देता है

डाइजेशन

हर दूसरे व्यक्ति को पेट संबंधी समस्याएं होती हैं. खासतौर पर पाचन से जुड़ी परेशानियां अक्सर देखने को मिलती हैं. एलोवेरा जूस में Anthraquinone Glycosides होता है जिसमें लेक्सेटिव प्रभाव होता है जो कि कब्ज की समस्या से राहत दिला सकता है. कब्ज की समस्या में सुधार होने पर धीरे-धीरे डाइजेशन में भी सुधार आता है.

ओरल हेल्थ

दांतों और ओरल हेल्थ की समस्याओं से ज्यादातर लोग जूझते नजर आते हैं. कुछ रिसर्चों में सामने आया है कि ओरल हेल्थ को बेहतर रखने में एलोवेरा का जूस कारगर हो सकता है. एलोवेरा जूस और इससे बनने वाले माउथ वॉश में काफी एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं जो कि दांतों से जुड़ी समस्याओं से राहत देने में मददगार हो सकती हैं.

कबूतरों की बीट से गंदा हो गया बालकनी का फर्श

सफाई के 5 तरीके करें इस्तेमाल, दो मिनट में हो जाएगा क्लीन

दिल्ली और मुंबई सहित कई शहर ऐसे हैं, जहां कबूतरों की संख्या बहुत ज्यादा है. बहुत से लोग इनकी मौजूदगी से काफी परेशान रहते हैं. दरअसल, कबूतर घरों की छत और बालकनी में अपना आशियाना बना लेते हैं और अपनी बीट से इन जगहों पर गंध फैलाते हैं. इसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. कई बार छत और बालकनी से इनकी बीट को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है. ऐसे में आप चाहें तो स्टेप बाई स्टेप कुछ आसान तरीके इस्तेमाल करके कबूतरों के मल (Pigeon poop) को आसानी से साफ कर सकते हैं.

सबसे पहले बरतें ये सावधानी

कबूतर का मल साफ करने से पहले कुछ सावधानी बरतना जरूरी है. क्योंकि कबूतर की बीट से बहुत लोगों को एलर्जी होने की भी संभावना बनी रहती है. इसलिए कबूतर की बीट साफ करने से पहले हाथों में गलव्स और फेस मास्क जरूर कैरी कर लें. साथ ही पैरों को शूज या स्लीपर से अच्छे से प्रोटेक्ट कर लें.

अब तैयार करें क्लीजिंग लिक्विड:

कबूतर की बीट साफ करने के लिए क्लीजिंग लिक्विड तैयार कर लें. इसके लिए दो चम्मच डिशवॉशिंग लिक्विड लें और इसमें एक कप सिरका और एक कप पानी मिक्स करके मिक्सचर बना लें. फिर इस क्लीजिंग लिक्विड को बीट वाली जगहों पर अच्छे से स्प्रे कर दें और तकरीबन पंद्रह मिनट के लिए ऐसे

फ्लोर क्लीनर से क्लीन करें

अब क्लीनिंग के नेक्स्ट स्टेप में फ्लोर क्लीनर की मदद से आप बालकनी या छत को साफ करें. इसके लिए आप फ्लोर क्लीनर को पहले बालकनी या छत पर डालकर पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें. फिर ताड़ वाली झाड़ू की मदद से रगड़ कर फर्श को साफ करें.

माइक्रोफाइबर कपड़े से करें साफ:

फ्लोर क्लीनर से फर्श की सफाई करने के बाद जरूरी है कि फर्श पर अच्छी तरीके से पोछा लगाया जाये. इसके लिए आप किसी डिस्पोजल माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करें और बालकनी और छत के फर्श को पोंछ कर सुखा लें. इसके बाद साफ़ पानी की मदद से एक बार फिर से फर्श की धुलाई कर लें.

इन बातों का भी रखें ख्याल

पिजन पूप साफ करते समय इस तरह के शूज और स्लीपर का इस्तेमाल करें जो फिसलने वाले न हों. साथ ही सफाई के समय बालकनी और छत की रेलिंग को अच्छे से थाम कर रखें.

गर्मी में चुभती में घमौरियों से हैं परेशान

घरेलू उपाय हैं बेहद काम के, दूर होंगी स्किन की सारी तकलीफ, परेशानियां

1 यदि आपको चुभती-जलती घमौरियों ने परेशान कर रखा है, उसमें लगातार खुजली, जलन बनी हुई है तो आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल कर सकते हैं. घमौरियां दूर करने का यह बेस्ट घरेलू नुस्खा है. इसके लिए 1 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 चम्मच गुलाब जल डालकर मिक्स करें. इस पेस्ट को घमौरियों पर अप्लाई करें. मुल्तानी मिट्टी ठंडा प्रभाव करता है, जिससे जलन, खुजली कम होती है. साथ ही मुल्तानी मिट्टी में एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो फंगल इंफेक्शन, बैक्टीरिया आदि के कारण स्किन संबंधित समस्याओं को नहीं होने देते.

2 यदि आपके घर में एलोवेरा का पौधा है तो उसका जेल एक कटोरी में निकाल लें. इसे जहां-जहां घमौरियां हुई हैं, वहां अच्छी तरह से अप्लाई करके आधे घंटे के लिए छोड़ दें. एलोवेरा जेल स्किन के लिए बेस्ट होता है. यह त्वचा को सॉफ्ट बनाता है. आप रात में सोने से पहले भी एलोवेरा जेल अप्लाई करके सो सकते हैं और सुबह उठकर ठंडे पानी से त्वचा को साफ कर सकते हैं. एक से दो दिन इस जेल को लगाकर देखें, घमौरियां गायब हो जाएंगी.

3 घमौरियों से परेशान हैं तो इस पर आइस क्यूब पैक रख सकते हैं. इसके लिए एक कपड़े में 5-6 बर्फ के टुकड़ों को डालकर बांध लें और इसे घमौरियों वाली जगह पर रखें. जलन, खुजली, रेड रैशेज सभी समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगी.

4 नीम की पत्तियों से भी घमौरियों का इलाज संभव है. आपके घर के आसपास नीम का पेड़ है तो 15-20 पत्तियां लाकर इसे साफ कर लें. आधे लीटर पानी को एक बर्तन में डालें. इसमें इन पत्तियों को डालकर गैस पर उबलने के लिए रख दें. जब नीम वाला पानी ठंडा हो जाए तो इससे प्रभावित त्वचा को साफ करें. घमौरियां में होने वाली जलन, खुजली कम हो जाएगी.

5 दही का इस्तेमाल हर घर में डेली होता है. क्या आप जानते हैं कि दही लगाने से भी घमौरियां कम हो सकती हैं? नहीं पता, तो एक बार इस नुस्खे को घमौरियों पर आजमाकर देखें. स्किन के लिए दही वैसे भी फायदेमंद होती है, तो इसका कोई साइड एफेक्ट भी आपको नहीं होगा. दही को अच्छी तरह से मिक्स करके प्रभावित त्वचा पर अप्लाई करें. थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें फिर ठंडे पानी से स्किन को साफ कर लें. दही में एंटीबैक्टीरियल तत्व होते हैं, जो बैक्टीरिया का सफाया करते हैं.

खाना-खजाना

गर्मी में रायते में कर लें ये काम... फिर स्वाद ही नहीं बढ़ेगा, डबल हेल्दी भी हो जाएगा!

गर्मी के मौसम में रायता खाने का अपना ही मजा है. ये खाने का स्वाद तो बढ़ता ही है, साथ ही शरीर को ठंडक भी पहुंचता है. ये पेट के लिए भी अच्छा होता है. पाचन शक्ति को भी बढ़ावा देता है. यूं तो रायता की कई सारी वैरायटी है जैसे मिक्स वेज रायता, खीरे का रायता, बूंदी रायता... लेकिन प्याज के रायते की बात ही अलग है. यह टेस्टी भी होता है और फायदेमंद भी होता है.ये लंच डिनर या किसी भी वक्त रोटियां चावल के साथ खाया जा सकता है. इसका टेस्ट जो बच्चों से लेकर बड़ों बुजुर्गों सबको पसंद आता है तो चलिए जानते हैं प्याज का रायता

बनाने का आसान तरीका

सामग्री : प्याज-बारीक कटे 2
दही -2 कप
लाल मिर्च पाउचर
हरी मिर्च बारीक कटी -1
रायता मसाला- 1 टीस्पून
जीरा- 1 चम्मच
चीनी- 1/4 टीस्पून
हरा धनिया- 2 टेबलस्पून
तेल -1 टेबलस्पून
नमक- स्वादअनुसार

रायता बनाने की विधि

प्याज को बारीक काट लीजिए, इसके बाद हरी मिर्च और हरा धनिया भी बारीक काट लें. अब एक बर्तन में दही और थोड़ा सा पानी डालकर अच्छी तरह से फेट लें.
दही को तब तक फेटना है जब तक के यह बिल्कुल स्मूद और पतला ना बन जाए.
अब एक पैन में थोड़ा सा तेल डालें और उसमें मीडियम आंच पर गर्म करने करने के लिए रख दें.
तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ सेंकड तक भुनें.
इसके बाद प्याज डालकर धीमी आंच पर हल्का सा भूनें
अब कड़ाही में फेंटा हुआ दही डाल कर पकाएं
1 से 2 मिनट बाद दही में लाल मिर्च पाउडर, चीनी, रायता मसाला, नमक डालकर घोलते हुए मिक्स कर लें
प्याज का रायता खाने के फायदे
प्याज और दही दोनों में पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं. दही में विटामिन बी5, विटामिन b12, पोटेशियम, राइबोफ्लेविन, आयोडीन, जिंक, फास्फोरस पाया जाता है. वहीं प्याज में विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी के अलावा फोलिक एसिड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फाइबर होते हैं. एक कटोरी प्याज का रायता खाने से यह सारे पोषक तत्व आपके शरीर में पहुंच जाते हैं.

स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के लिए इन सब्जियों को करें डाइट में शामिल

सब्जियां सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती गर्मियों में हरी सब्जी के सेवन से शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटेड रहता है. सब्जियों में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो सेहत को दुरुस्त रखते हैं. आपने भी हरी सब्जियां खूब खाई होंगी. लेकिन क्या आप जानते हैं कि जंगली सब्जियां भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं. इन्हें रोजाना के डाइट में शामिल करने से शरीर स्वस्थ और तंदरुस्त बनता है. ये कई बीमारियों को दूर भगाती हैं. आइए आज हम आपको ऐसी ही जंगली सब्जियों के बारे में बताते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं.

कुल्फा की साग: हेल्थलाइन की खबर के मुताबिक, कुल्फा के साग में कई तरह के विटामिंस और मिनरल्स पाए जाते हैं. इनमें विटामिन ए, विटामिन सी, मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं. जो हार्ट, हड्डियों के लिए बेहद लाभकारी हैं. यह शरीर को स्वस्थ रखते हैं.

शतावरी: हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली शतावरी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. इसमें विटामिन ए, विटामिन ई, विटामिन सी समेत कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं. यह जड़ी-बूटी के काम में आती है. इसका इस्तेमाल सब्जी के रूप में भी किया जाता है. इसके सेवन से हार्ट हेल्दी होता है. यह पांचन तंत्र को मजबूत कर वजन कम करने में भी लाभदायक है.

जंगली पालक: जंगली पालक में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं. इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन की भरपूर मात्रा पाई जाती है. यह पाचन तंत्र को मजबूत करती है. यह ब्लोटिंग, गैस अपच जैसी समस्याओं से छुटकारा भी दिलाती है.

सिंहपर्णी: सिंहपर्णी में विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन के, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. यह पाचनतंत्र को मजबूत बनाता है. इसको डाइट में शामिल करने से लिवर भी मजबूत बनाता है. यह इम्युनिटी बूस्ट करता है.

थायराइड और वजन घटाने में रामबाण है धनिए का पानी

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

धनिया आपके इम्यूनिटी लेवल को बढ़ाने के लिए जाना जाता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करता हैं।

बालों के लिए बेहतरीन-

विटामिन के, सी और ए जैसे विटामिनों से भरपूर होने की वजह से ये बालों को मजबूत बनाने और ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी हैं। सुबह धनिए का पानी पीने से आपके बालों का झड़ना और टूटना कम होता है।

थायराइड में फायदेमंद-

रिपोर्टस कि मानें तो थायराइड के पेशेंट के लिए धनिया का पानी अमृत है। धनिया के पानी से दोनों तरह के थायरॉइड असंतुलन का इलाज किया जा सकता है।

डीटॉक्स होती है बॉडी-

धनिया एक मूत्रवर्धक है, और इसलिए आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में आपको मदद मिलती है। सुबह धनिए का पानी पीने से आप अपने सिस्टम को डिटॉक्स कर सकते हैं।

वेट लॉस में मिलती है मदद-

धनिया में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं और आपके वजन को कम करने में भी मदद करता है।

कैसे बनाएं धनिया का पानी?

इसे बनाने के लिए एक चम्मच धनिया के बीज को 5 मिनट के लिए पानी में उबाल लें। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न हो जाए। फिर इसे छानें और पीएं।

धनिए के बीज के पानी से किसे बचना चाहिए?

धनिया के बीज का आमतौर पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, लेकिन इसके बीज से एलर्जी पैदा हो सकती है। इससे रेडनेस और खुजली हो सकती है। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को धनिए के बीज का ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए।

वेट लॉस के लिए कैसे बनाएं धनिया का पानी

धनिए का पानी बनाना बहुत ही आसान है। आपको बस एक चम्मच धनिया का बीज लेना है और उन्हें एक गिलास पानी में रात भर भिगोना है। सुबह पानी को छानकर पी लें। भीगे हुए बीजों को फेंके नहीं क्योंकि आप उन्हें खाना पकाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

लखनऊ से पिछली हार का हिसाब बराबर करने आज उतरेगी हैदराबाद

लखनऊ। लखनऊ सुपरजायंट्स (LSG) की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के अपने 'करो या मरो' मैच में जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश बड़े अंतर से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बार फिर से शुरू हो रही इस लीग में LSG के कप्तान ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडकर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे।

पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के नाम 11 मैचों में 10 अंक है लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा। सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे। लखनऊ की टीम के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाए है। यह इतना निराशाजनक है कि चीजों में यहां से सुधार की ही उम्मीद की जा सकती है। पंत का नाम भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तानी के लिए चर्चा में है। आईपीएल एक अलग प्रारूप है, लेकिन वह इंग्लैंड दौरे की टीम और कप्तान तथा उप-कप्तान जैसी बड़ी घोषणा से ठीक पहले कुछ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। पंत के लिए यह मजबूरी वाला ब्रेक इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकता था।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स

ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

पंजाब ने राजस्थान को हराया, 10 रन से जीता मैच

जयपुर। पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 59वां मैच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से हरा दिया है। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए खराब शुरूआत (58/3) के बाद वापसी करते हुए नेहल वढेरा और शशांक सिंह की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर राजस्थान को 220 रन का लक्ष्य दिया है। वढेरा ने 37 गेंदों पर 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। वढेरा के बाद शशांक सिंह ने टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए। शशांक ने 30 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। राजस्थान की तरफ से तुषार देशपांडे प्रभावी रहे जिन्होंने 20 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में राजस्थान यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल के अर्धशतकों की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 209 रन ही बना पाई और पंजाब के गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए।

पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए खराब शुरूआत (58/3) के बाद वापसी करते हुए नेहल वढेरा और शशांक सिंह की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर राजस्थान को 220 रन का लक्ष्य दिया। वढेरा ने 37 गेंदों पर 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। शशांक सिंह ने भी 30 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। राजस्थान की तरफ से तुषार देशपांडे प्रभावी रहे जिन्होंने 20 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में राजस्थान यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल के अर्धशतकों की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 209 रन ही बना पाई और पंजाब के गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए।

सीनियर खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेने की जरूरत : संजू सैमसन

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में पंजाब किंग्स से मुकाबला गंवाकर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन निराश दिखे। उन्होंने मैच गंवाने के बाद कहा कि हमने वास्तव में अच्छी शुरुआत की, पावरप्ले में 90 रन बनाने के बाद इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। हम पावरप्ले में जो गति प्राप्त की थी, उसे जारी नहीं रख सके। आज यह (लक्ष्य) काफी हद तक हासिल किया जा सकता था। आज विकेट पूरी तरह से अलग था। हमारे पास जिस तरह के पावर-हिटर थे, उसके साथ यह एक ऐसा स्कोर था जिसे हासिल किया जा सकता था।

आज का मैच

TATA IPL

लखनऊ VS हैदराबाद

शाम 7.30 बजे

क्या मेसी को भारत में खेलते देख पाएंगे फैंस?

तिरुवनंतपुरम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने भरोसा दिलाया कि दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी की अगुआई में अर्जेन्टीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सरकार की घोषणा के अनुसार राज्य का दौरा करेगी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस शीर्ष फुटबॉल टीम को राज्य में लाना सरकार की नहीं बल्कि प्रायोजकों की जिम्मेदारी है। केरल के खेल मंत्री की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि अर्जेंटीना टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। इस पर मीडिया से बात करते हुए केरल के खेल मंत्री ने कहा कि कोच्चि स्थित रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने अर्जेंटीना टीम के साथ करार किया था और अनुबंध अभी बरकरार है। अब्दुरहीमान ने कहा कि प्रायोजकों ने आश्वासन दिया है कि वे बिना किसी देरी के इस संबंध में भुगतान संबंधी मसलों को जल्द ही सुलझा लेंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए अभी हम यह नहीं कह सकते कि मेसी और अर्जेंटीना की टीम केरल नहीं आएगी। हालांकि कुछ पहलुओं में कुछ देरी हुई है लेकिन फिलहाल कोई भ्रम नहीं है।' प्रायोजकों पर भरोसा जताते हुए मंत्री ने कहा कि उन्हें सरकार से पूरा समर्थन मिल रहा है। खेल मंत्री ने आगे कहा कि सरकार को इस संबंध में प्रायोजकों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि वह अर्जेंटीना जैसी शीर्ष टीम को लाने का भारी-भरकम खर्च नहीं उठा सकती। अब्दुरहीमान ने कहा कि सरकार ने रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी सहित दो प्रायोजकों पर ध्यान केंद्रित किया था और आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उनके विवरण प्रस्तुत किए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन पहला प्रायोजक आरबीआई के पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं कर सका। इसलिए रिपोर्टर के अनुरोध के अनुसार हमने उन्हें प्रायोजन का मौका दिया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए आरबीआई से आवश्यक मंजूरी मिल गई।'

इंग्लैंड दौरे के लिए

ऋषिकेश कानितकर होंगे भारत-ए टीम के नये कोच

मुंबई। बीसीसीआई ने ऋषिकेश कानितकर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कानितकर अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम की देखरेख करेंगे। भारत-ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलेगी। इसके बाद एक मैच भारत की सीनियर टीम के खिलाफ भी खेलेगी, जो बाद में इंग्लैंड का दौरा करेगी। कानितकर के अलावा असम के सुभोदीप घोष (फील्डिंग कोच) और ट्रॉय कूली (गेंदबाजी कोच) भी भारत-ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करेंगे। भारत की 18 सदस्यीय टीम के 25 या 26 मई को इंग्लैंड रवाना होने की उम्मीद है। भारत-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी में खेला जाएगा। नॉर्थैम्पटन में छह जून से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के बाद भारत ए टीम बेकनहम में 13 से 16 जून तक भारत सीनियर टीम के खिलाफ इंट्रा-स्क्वॉड मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा है कि शुभमन गिल और साई सुदर्शन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले ए टीम से जुड़ जाएंगे। वहीं, क्रिकबज की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम का चयन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इसका चयन शुरू में 23 मई को किया जाना था, लेकिन आईपीएल के स्थगित होने और फिर से शुरू होने के कारण, इसमें देरी होने की संभावना है।

बारिश के कारण टॉस के बिना रद्द हुआ मुकाबला

आरसीबी और केकेआर दोनों टीमों को दिए गए एक-एक अंक

बंगलूरू। गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। शनिवार को खेला जाने वाला मैच बिना किसी नतीजे के रद्द हो गया। इस मैच में बारिश शुरू से ही बाधा बनी हुई थी, जिसकी वजह से टॉस भी नहीं हो पाया था। मुकाबला रद्द होने के बाद दोनों टीमों को एक-एक दे दिए गए। आरसीबी 17 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई जबकि केकेआर 12 अंकों के साथ छठे पायदान पर है। हालांकि, उसका सफर समाप्त हो गया। वहीं, आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें अभी जीवित हैं। केकेआर आईपीएल 2025 से बाहर होने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद (आठवें स्थान), राजस्थान रॉयल्स (नौवें स्थान) और चेन्नई सुपर किंग्स

(10वें स्थान) का सफर समाप्त हुआ था। आरसीबी 12 मैचों में आठ मुकाबले जीतकर शीर्ष पर पहुंच गई है। उसने गुजरात टाइटंस को पीछे छोड़ दिया जिसके खाते में 16 अंक हैं। वहीं, पंजाब किंग्स 15 और मुंबई इंडियंस 14 अंकों के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे पायदान पर है। दिल्ली की टीम 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसक विराट कोहली के सम्मान में टेस्ट जर्सी पहनकर चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे। कोहली ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा था और आरसीबी के प्रशंसकों ने इसी कारण कोहली की 18 नंबर जर्सी पहनकर स्टेडियम में आने का फैसला किया।

आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला होना था, लेकिन बारिश के कारण इसमें टॉस भी नहीं हो सका। आरसीबी और केकेआर के बीच मैच से आईपीएल 2025 के शेष सत्र की शुरुआत हुई, जिसे भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण एक सप्ताह के लिए स्थगित किया गया था। दोनों देशों के बीच सीजफायर के एलान के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का संशोधित कार्यक्रम जारी किया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच से पहले भारतीय सैनिकों के सम्मान में राष्ट्रगान होना था। हालांकि, बारिश के कारण टॉस भी नहीं हो सका।

विराट कोहली को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। विराट के इस फैसले से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान थे। दिग्गजों ने भी विराट के इस फैसले पर सवाल खड़े किए थे। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को देश का सबसे बड़ा खिताब देने की मांग की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को भारत रत्न देने की बात कही है। कोहली ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रैना ने सरकार से यह मांग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की है। सचिन तेंदुलकर अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें 2014 में भारत रत्न मिला था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए। विराट कोहली ने हाल ही में 14 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कहा है। कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने से उनके फैंस हैरान हैं। आरसीबी के फैंस बड़ी संख्या में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सफेद जर्सी पहनकर आए। वे कोहली को आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से पहले ट्रिब्यूट दे रहे थे। स्टेडियम में फैंस ने एक बड़ा बैनर लगाया था। उस पर लिखा था, 'हम सब विराट कोहली से प्यार करते हैं। रेड बॉल क्रिकेट को फिर से रोमांचक बनाने के लिए धन्यवाद।'विराट कोहली ने 2011 में अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। कोहली ने 31 अर्धशतक और 30 शतक भी लगाए। कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे। उन्होंने 68 मैचों में भारत का नेतृत्व किया। उनमें से 40 में जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में भारत आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर भी पहुंचा। भारत 42 महीनों तक इस स्थान पर बना रहा। विराट कोहली पहले ही टी20आई से भी संन्यास ले चुके हैं। लेकिन वे ODI खेलते रहेंगे। उनसे 2027 का वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद है।

बिग बैश के सुपरस्टार का आईपीएल डेब्यू रहा फीका

ग्लेन मैक्सवेल जैसा ही रहा प्रदर्शन

जयपुर। दिसंबर-जनवरी में ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग बिग बैश का आयोजन होता है। बिग बैश 2024-25 में एक बल्लेबाज ने तूफान ला दिया। 11 मैच में 45 की औसत और 203 की स्ट्राइक रेट से 452 रन मारे। फाइनल में सिर्फ 42 गेंदों पर 108 रनों की पारी खेल दी। इस खिलाड़ी का नाम मिचेल ओवेन था। 23 साल के ओवेन की आईपीएल में एंट्री हो गई है। पंजाब किंग्स ने उन्हें चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह अपने साथ जोड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल ओवेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में आईपीएल डेब्यू किया। हालांकि, उनका डेब्यू निराशाजनक रहा और वे दो गेंद में बिना कोई रन बनाए आउट हो गए। आईपीएल में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने के रिकॉर्ड ग्लेन मैक्सवेल का नाम ही है। यानी मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट ने उनके जैसा ही प्रदर्शन किया। साउथ अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका के खिलाफ उन्होंने बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की लेकिन गेंद खड़ी हो गई। विकेटकीपर संजू सैमसन ने इसे आसानी से लपक लिया। आईपीएल में आने से पहले मिचेल ओवेन पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी के लिए खेल रहे थे। 8 मैचों की 7 पारियों में वह एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए।

टेटे विश्व चैंपियनशिप में श्रीजा को मिली हार

दोहा। भारत की नंबर एक खिलाड़ी श्रीजा अकुला पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं, लेकिन दीया चिताले और मानुष शाह सहित देश के अन्य खिलाड़ी शनिवार को यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में महिला और पुरुष एकल स्पर्धाओं के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। युगल वर्ग में भी भारतीय जोड़ियां दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। मुखर्जी बहनों (अयहिका और सुतिर्था) के साथ दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ी ने शनिवार को यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने महिला युगल के शुरुआती मैच जीत लिए। मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल भारतीय जोड़ी ने भी जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। अपने खेल में आमतौर पर बेहद कम गलतियां करने वाली अकुला थाईलैंड की सुथासिनी सावेत्ता से 1-4 (11-9 8-11 6-11 5-11 2-11) से हार गईं। यह भारतीय खिलाड़ी के लिए निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि वह दुनिया की 84वें नंबर की खिलाड़ी से हारकर टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से ही बाहर हो गयी। श्रीजा पहला गेम जीतने के बाद अपनी लय गवां बैठीं और लगातार गलतियां करते हुए महज 33 मिनट में हार गईं। एशियाई खेलों की पदक विजेता अयहिका और सुतिर्था ने तुर्की की ओजगे यिलमाज और एसे हाराक की जोड़ी को पांच गेमों के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (4-11 11-9 10-12 11-9 11-7) से हराया। इस परिणाम का मतलब है कि भारतीय जोड़ी ने छह मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए आईटीटीएफ विश्व चैम्पियनशिप के अगले दौर में प्रवेश किया।

इंडिया कप सीजन 3

प्रीमियर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लोगों को लुभाने के लिए तैयार

मुंबई। इंडिया कप सीजन 3 के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है, यह प्रीमियर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग जमीनी स्तर के खेल मनोरंजन में मील का पत्थर स्थापित करने का वादा करती है। 27 मई, 2025 को शुरू होने वाली यह लीग गुजरात के प्रतिष्ठित जमसन क्रिकेट स्टेडियम में होगी और उम्मीद है कि यह पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेगी।

टेनिसक्रिकेट डॉट इन और जेवीए ब्रदर्स द्वारा आयोजित यह लीग इसके मालिकों संतोष नानेकर और विजय अग्रवाल का आइडिया है। टेनिस बॉल क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के मिशन के साथ, इंडिया कप सीजन 3 तैयार है।

कई राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 टीमें लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में मुकाबला करेंगी, महाराष्ट्र स्मार्टनेट, वेस्ट बंगाल द डीजे इलेवन, दिल्ली ऐंड उत्तराखंड धमाका क्लब, केरल सुल्तान ब्रदर्स, गुजरात बालाजी क्लब राजकोट, डी टाइम टाइगर्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट, महाराष्ट्र बी

टर्फ एडिक्ट्स, उत्तर प्रदेश टाइगर 11 अमर साई, बिहार पीवीआर करीम 11, पंजाब ऐंड हरियाणा एमयूसीसी, तमिलनाडु मैक्सिमस, मध्य प्रदेश और राजस्थान शिवन्या 11.

इंडिया कप सीज़न 3 केवल क्रिकेट के बारे में नहीं है बल्कि प्रायोजकों के लिए यह एक पावरहाउस मार्केटिंग प्लेटफ़ॉर्म है. यूट्यूब पर 2 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर, फेसबुक पर 1.5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स, इंस्टाग्राम पर 500K से अधिक फॉलोअर्स और ट्विटर पर 200K से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. यह लीग ब्रांडों को व्यापक दर्शकों के साथ जुड़ने का शानदार अवसर देती है।

यह लीग ऑफिशियल तौर पर इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (ISPL) से संबद्ध है, जिसमें रोमांचक ISPL ओवर फॉर्मेट शामिल है. खेल संचालन में माहिर क्रिकॉन मैनेजमेंट द्वारा इसे हैंडल किया जाएगा.

इसका लाईव प्रसारण Tenniscricket.in के यूट्यूब चैनल पर होगा.

यहां रोज 8,000 लोगों के आने की उम्मीद है इसके अलावा ऑनलाइन लाखों लोग जुड़ेंगे.

इंडिया कप सीजन 3 के कॉर्पोरेट पार्टनर्स और स्पांसर को कई लाभ होंगे, उन्हें डिजिटल और मैदान पर ब्रांड एक्सपोज़र मिलेगा. टीम और खिलाड़ी के साथ सहयोग के माध्यम से जुड़ाव के अवसर पैदा होंगे. भारत भर में उत्साही खेल के फैंस से जुड़ने का मौका मिलेगा.

स्पांसर शिप संबंधी पूछताछ और साझेदारी के अवसरों के लिए वेबसाइट Tenniscricket.in पर क्लिक करें।

भारत के युकी भांबरी ने जोड़ीदार गैलोवे के साथ किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे ने शनिवार को क्वेंटिन हैलिस और अल्बानो ओलिवेटी की गैरवरीयता प्राप्त फ्रांसीसी जोड़ी को सीधे सेट में हराकर बॉरडॉक्स चैलेंजर के पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने एक घंटे आठ मिनट चले मुकाबले में अपने गैरवरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों पर 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। युकी और गैलोवे सेमीफइनल में राफेल माटोस और मार्सेलो मेलो की तीसरी वरीय ब्राजीली जोड़ी से भिड़ेंगे। एन श्रीराम बालाजी और उनके मैक्सिको के जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वरेला युगल क्वार्टर फाइनल में हार गए जबकि एकल ड्रॉ में सुमित नागल को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

‘जवान’ और ‘पठान’ से पहले शाहरुख ने ली थी वास्तु टिप्स

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने 2024 में अपनी फिल्मों ‘पठान’ और ‘जवान’ के साथ बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए और बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में बनीं। पठान ने 1055 करोड़ तो जवान ने 1148 .32 करोड़ का कारोबार किया था। इन फिल्मों के चलने की पीछे एक वजह थी।

स्क्रीन के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में निर्माता आनंद पंडित ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म ‘जवान’ और ‘पठान’ दोनों की रिलीज से पहले सुपरस्टार को कुछ वास्तु टिप्स दिए थे। शाहरुख खान की तरफ से उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए आनंद ने बताया कि अभिनेता ने दोनों फिल्मों से पहले उनसे वास्तु सलाह ली।

शाहरुख का किया मार्गदर्शन

आनंद पंडित ने कहा ‘जब हम करीब आ गए, तो मैंने उनका मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। ऊर्जा पर आधारित एक विशेष वास्तु शास्त्र है, जिसका मैं अभ्यास करता हूं। हमने उनके घर पर जरूरी ऊर्जा को समायोजित किया। यह उनके लिए कारगर रहा। वह इतने विनम्र और महान व्यक्ति हैं कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार किया। मैं इसके लिए आभारी हूं।’

साल 2023 में शाहरुख खान, आनंद पंडित के 60वें बर्थडे पार्टी में शामिल हुए। शाहरुख खान ने उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। शाहरुख ने कहा ‘उनके साथ मेरा अंतिम रिश्ता यह है कि वे मेरे आध्यात्मिक गुरु हैं।

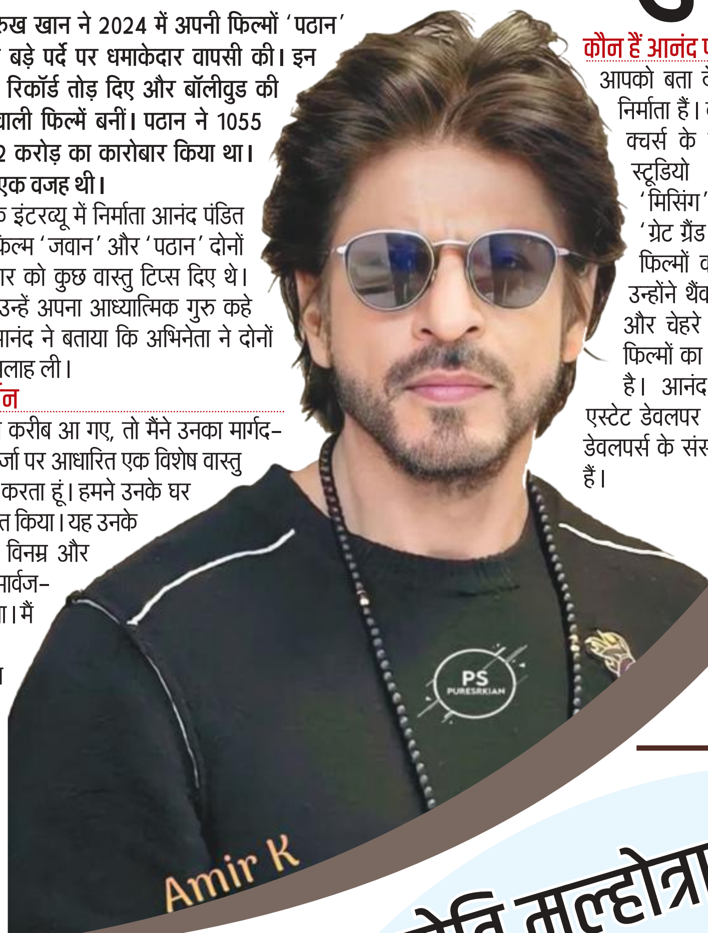

कौन हैं आनंद पंडित?

आपको बता दें आनंद एक भारतीय फिल्म निर्माता हैं। वह आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स के मालिक हैं। उनके फिल्म स्टूडियो ने ‘टोटल धमाल’, ‘मिसिंग’, ‘सरकार 3’ और ‘ग्रेट ग्रैंड मस्ती’ जैसी बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है। उन्होंने थैंक गॉड, द बिग बुल और चेहरे सहित कई अन्य फिल्मों का भी निर्माण किया है। आनंद एक रियल एस्टेट डेवलपर और लोटस डेवलपर्स के संस्थापक भी हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ऐश्वर्या राय बच्चन अपने पति अभिषेक और बेटी आराध्या के साथ दिख रही हैं। यही नहीं अभिनेत्री एक गाने पर दिल खोलकर नाचती हुई भी नजर आ रही हैं। इसके अलावा इस वायरल वीडियो को देख नेटिजंस बहुत नाराज दिख रहे हैं, क्योंकि इसमें गायक राहुल वैद्य भी नजर आ रहे हैं। आइए जानते हैं नेटिजंस ने उन्हें क्या कहा।

वायरल वीडियो में अभिषेक संग ऐश्वर्या ने लगाया ठुमका

क्या है यह वायरल वीडियो?

वायरल वीडियो के अनुसार यह वीडियो नीता मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित सांस्कृतिक सेंटर का बताया जा रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सिंगर राहुल वैद्य गाना गा रहे हैं और चारों तरफ जोरदार ढोल भी बज रहे हैं । वहीं, पर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन अपनी बेटी आराध्या और पति अभिषेक बच्चन के साथ दिख रही हैं। गायक राहुल वैद्य ‘कजरा रे’ गाना गा रहे, जिस पर अभिनेत्री अपनी बेटी संग जोरदार ठुमके लगा रही हैं और बेहद खुश नजर आ रही हैं। हालांकि, आपको बताते चलें कि इस वायरल वीडियो को राहुल वैद्य ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है।

जानिए क्यों भड़के फैंस

इस वायरल वीडियो में नेटिजंस सिंगर राहुल वैद्य को देख कर भड़क गए और लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक इंस्टा यूजर ने लिखा, ‘अभिषेक बच्चन का बजट इतना कम था क्या, जो उन्होंने राहुल को बुलाया गाने के लिए।’ वहीं, दूसरे यूजर ने हंसते हुए कहा, ‘ये शादियों में गाने वाला सिंगर है फिल्म में प्लेबैक सिंगर नहीं।’ इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि वे बेकार सिंगर हैं।

ज्योति मल्होत्रा मामले पर बोलीं रुपाली गांगुली

अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर देश से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय साझा करती हैं। अब उन्होंने यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा मामले पर अपनी बात रखी है। ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है और उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अभिनेत्री ने इस तरह के लोगों को ना छोड़े जाने की बात भी कही है। रुपाली गांगुली अपने शो ‘अनुपमा’ को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका शो टीआरपी में भी नंबर वन बना रहता है।

अभिनेत्री ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, ‘ऐसे लोगों को पता ही नहीं चलता कि पाकिस्तान के प्रति उनका प्यार कब भारत के प्रति नफरत में बदल जाता है। पहले तो वो ‘अमन की आशा’ की बात करते हैं और अंत में भारत से नफरत करने लगते हैं। ना जाने ऐसे कितने लोग हैं, जो देश के खिलाफ गुप्त रूप से काम कर रहे हैं, एक भी नहीं बख्शा जाना चाहिए।’

यूजर्स ने दिया रिएक्शन : अभिनेत्री की पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी। यूजर्स ने अभिनेत्री का समर्थन किया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ‘देश में गद्दारों की कमी नहीं है, कभी खुद की दिमागी उपज और कभी किसी से ब्रेनवाश्ड।’ एक यूजर ने इस तरह के लोगों के लिए मौत की सजा की मांग की। इसी तरह कई सारे कमेंट्स रुपाली की पोस्ट पर आए।

झरने के नीचे वामिका गब्बी के साथ रोमांस करते दिखे अक्षय कुमार

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार हाल ही में अपनी फिल्म ‘केसरी 2’ से चर्चा में हैं। अब उन्होंने अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘भूत बंगला’ के बारे में एक बीटीएस क्लिप शेयर कर जानकारी दी है। इसमें अभिनेता का रोमांटिक अंदाज भी नजर आ रहा हैं। साथ ही वह किसी शानदार एक्ट्रेस के साथ थिरकते नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार ने झरने वाली क्लिप की शेयर

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें वो किसी गाने की शूटिंग करते दिख रहे हैं। शेयर किए गए बिहाइंड द सीन वीडियो में एक्टर झरने के नीचे राउंड कैप लगाए नजर आ रहे हैं। वहीं, उन्होंने ग्रीन कलर की शर्ट के साथ लाइट ब्राउन कलर की पैंट भी पहन रखी है। इसके अलावा उनके साथ अभिनेत्री वामिका गब्बी भी नजर आ रही हैं, जो स्काई ब्लू कलर की साड़ी पहने दिख रहे हैं। यह वीडियो अक्षय कुमार की आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘भूत बंगला’ का है, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

अक्षय कुमार ने पूरी की फिल्म की शूटिंग

अक्षय कुमार ने फिल्म के बीटीएस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, ‘भूत बंगला फिल्म की शूटिंग पूरी हुई। यह प्रियदर्शन सर के साथ मेरा सातवां पागलपन भरा रोमांच था, कभी ना रुकने वाली एकता कपूर के साथ मेरा दूसरा आउटिंग। साथ ही हमेशा हैरान करने वाली वामिका गब्बी के साथ मेरी पहली, लेकिन उम्मीद है कि यह जादुई यात्रा आखिरी नहीं होगी। पागलपन और शानदार यादों के लिए आभारी हूं।’

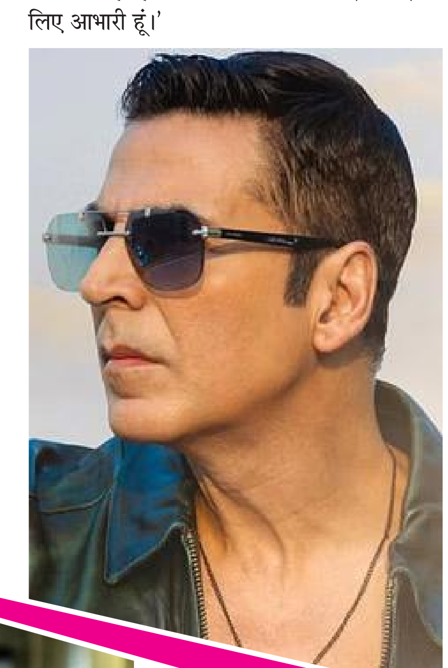

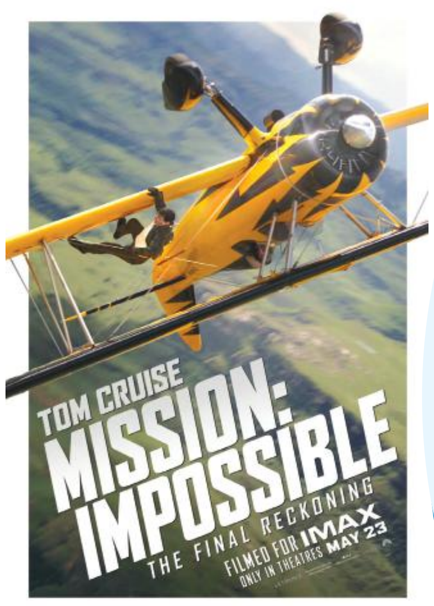

‘मिशन इम्पॉसिबल 8’ देख ट्विटर पर बोले लोग

ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी का एक शानदार अंत

टॉम क्रूज एक आखिरी बार एथन हंट की भूमिका में दिख रहे हैं! टॉम क्रूज़ और ‘मिशन इम्पॉसिबल’ फ्रेंचाइजी के फैन्स इस वक्त एक थ्रिल भरे इमोशनल सफर पर नजर आ रहे हैं। ‘मिशनः इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग’ भारतीय सिनेमाघरों में आज 17 मई, 2025 को रिलीज हो गई है। इसी के साथ सोशल मीडिया पर फिल्म का रिव्यू लेकर यूजर्स भी हाजिर हो रहे हैं। कुछ ने तो सिनेमाहॉल के अंदर से ही अपडेट देना जारी रखा है। क्रिस्टोफर मैकक्वेरी के डायरेक्शन में बनी, ‘मिशनः इम्पॉसिबल 8’ में टॉम एक बार फिर हंट के रोमांचक कारनामे दिखा रहे हैं। एक आखिरी बार एथन हंट गेब्रियल को एंटिटी पाने से रोकने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। टॉम क्रूज, हेले एटवेल, विंग रेम्स, साइमन पेग, हेनरी चेर्नी और एंजेला बैसेट अपने पसंदीदा किरदारों को फिर से निभाते दिख रहे हैं। यह अब तक बनी सबसे महंगी फिल्मों में से एक है और इसलिए बॉक्स ऑफिस पर दांव भी काफी जबरदस्त है। टॉम क्रूज़ की इस फिल्म को देखने वालों ने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन देना शुरू कर दिया है। अधिकतर लोग उनकी इस आखिरी फ्रेंचाइजी फ़िल्म से बेहद खुश दिख रहे हैं। एक यूजर ने एक्स यानी ट्विटर पर लिखा, ‘Mission Impossible: The Final Reckoning अब तक की सबसे बेहतरीन एक्शन फिल्मों में से एक है। टेंशन, स्टंट, डायरेक्शन और एडिंग...सब कुछ लाजवाब। टॉम क्रूज़ ने एक और शानदार परफॉर्मेंस दिया है और प्रोडक्शन वैल्यू बस कमाल की है। अगर आपको लगता है कि आपने इस फ़्रैंचाइज़ में सब कुछ देख लिया था तो ये बताएगा की इम्पॉसिबल का असली मतलब क्या है।’

रितु शिवपुरी 50 की उम्र में भी लगती हैं ग्लैमरस

एक्टिंग छोड़कर अब करती हैं ये काम

गोविंदा इन दिनों लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं, लेकिन उन्होंने करियर के पीक पर एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों में काम किया था। खास बात है कि सिनेमा लवर्स के बीच आज भी उनकी बेहतरीन फिल्मों का जिक्र चलता है। इतना ही नहीं, कुछ एक्ट्रेस को तो गोविंदा की हीरोइन के तौर पर जानी जाती हैं। सलमान खान से लेकर अक्षय कुमार जैसे सितारों के साथ उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन आज बात उनकी आंखें फिल्म की एक्ट्रेस की कर रहे हैं। बॉलीवुड की क्लासिक फिल्मों की लिस्ट में गोविंदा और चंकी पांडे की आंखें का नाम शामिल किया जाता है। इस मूवी का गाना लाल दुपट्टे वाली खूब पसंद किया गया। पार्टी से लेकर डीजे नाइट में इस गाने की गूंज आज भी सुनने को मिलती है। फिल्म में गोविंदा के साथ एक एक्ट्रेस नजर आई थीं, जिन्होंने अपने डांस और अभिनय से सभी के दिलों को जीत लिया था।

रितु का ट्रांसफॉर्मेशन देख रह जाएंगे दंग

आंखें मूवी में दिग्गज अभिनेता गोविंदा के अपोजिट में रितु शिवपुरी नजर आईं। एक्ट्रेस के काम को खूब सराहा गया। खासकर इसके हिट डांस नंबर से उन्होंने सभी को इंप्रेस किया था। रितु शिवपुरी का ट्रांसफॉर्मेशन देखने के बाद आप अपनी आंखों पर भरोसा नहीं कर पाएंगे। एक्ट्रेस के फैंस के मन में एक बड़ा सवाल यह आता है कि आजकल वह कहां हैं और फिल्मी दुनिया में सक्रिय नजर क्यों नहीं आती हैं। 6 करोड़ के बजट से बनाई गई आंखें फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। गोविंदा और रितु की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म को और ज्यादा खास बना दिया था। रितु शिवपुरी की उम्र अब 50 साल की हो गई हैं, लेकिन उनकी फिटनेस और खूबसूरती के कारण आप उन्हें देखकर उम्र का अंदाजा नहीं लगा पाएंगे।

रितु ने इस वजह से छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री

आंखें फिल्म के बाद रितु शिवपुरी ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्मों का पहले वाला जादू देखने को नहीं मिला। रितु को सही समय पर इस बात का एहसास हो गया था कि एक्टिंग की दुनिया में उनका करियर लंबा नहीं चल सकता है। इस वजह से उन्होंने आर या पार, रॉक डांसर और ग्लैमर गर्ल जैसी मूवीज के फ्लॉप होने के बाद खुद को इंडस्ट्री से दूर कर लिया था।

कान्स 2025 के रेड कारपेट पर 22 साल की

अनुष्का सेन का डेब्यू

फ्रांस के कान शहर में आयोजित इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने अपना डेब्यू किया है। अब टीवी की जानी-मानी अदाकारा अनुष्का सेन ने भी कान्स के रेड कारपेट पर पहली बार वॉक किया। उनका लुक भी सामने आ गया है। छोटे पर्दे पर चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर नाम कमाने वालीं अनुष्का सेन आज एक फेमस सेलिब्रिटीज में शुमार हैं जो कोरियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भी अपनी अदाकारी दिखा चुकी हैं। 22 साल की उम्र में पहली बार अनुष्का सेन ने कान्स के रेड कारपेट पर अपना जलवा बिखेरा है।

रेड़ कार्पेट पर अनुष्का

अनुष्का सेन इस वक्त सोशल मीडिया पर अपने कान्स लुक के लिए सुर्खियों में आ गई हैं। उन्होंने कान्स के रेड कारपेट पर अपने मरमेड ड्रेस में इस कदर कहर बरपाया है कि उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। उन्होंने डचेस कुमारी के कलेक्शन से डिजाइनर कस्टम मेड गाउन पहनकर कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया।

अनुष्का सेन का कैरियर

मात्र 7 साल की उम्र में अनुष्का ने टीवी इंडस्ट्री में शो यहां मैं घर घर खेली से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें बालवीर शो से पहचान मिली। फिर वह देवों के देव... महादेव, झांसी की रानी और अपना टाइम भी आएगा शोज में नजर आईं। दिल दोस्ती दिलेमा ने उन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी पहचान दिलाई।

अकांक्षा पुरी ने कहा कैसा लड़का चाहिए उन्हें

बोलीं- एक शेरनी को तो शेर ही चाहिए, ये चूहे, गीदड़ और खरगोश नहीं

अकांक्षा पुरी टीवी इंडस्ट्री के बाद अब भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी साख बनाती दिख रही हैं। भोजपुरी फैन्स के बीच अकांक्षा इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। अकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में पिछले साल 2024 में आईं और उन्होंने सबसे पहले पहले पवन सिंह के साथ एक भोजपुरी म्यूजिक एल्बम किय। इसके बाद वो खेसारी लाल की फिल्म ‘राजाराम’ के लिए आइटम सॉन्ग भी किया। वहीं वो भोजपुरी फिल्म ‘अग्निपरीक्षा’ का भी हिस्सा हैं जिसमें वो खेसारी लाल यादव के साथ दिखेंगी। अकांक्षा बेबाक कलाकारों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि उन्हें कैसा लड़का चाहिए रियल लाइफ में। बता दें कि अकांक्षा पहले पारस छाबड़ा को डेट कर चुकी हैं। हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद मीका सिंह के साथ टीवी शो के लिए भी जोड़ी बनी। हाल ही में अकांक्षा और खेसारी लाल की बॉन्डिंग जिस तरह से पब्लिकली नजर आई, उसे देखकर लोगों ने काफी अनुमान भी लगाए। अब अकांक्षा ने खुद बताया है रियल लाइफ प्यार को लेकर वो क्या सोचती हैं।

कन्नड़ विवाद पर सोनू निगम की बढ़ी मुश्किलें

आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार जानकारी सामने आई है कि बंगलूरू पुलिस की टीम, जिसमें अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन के एक इंस्पेक्टर और दो अन्य अधिकारी शामिल हैं। ये पूरी टीम मुंबई में हैं, जिससे सोनू निगम से पूछताछ की जा सके। इसके अलावा इस बयान की रिकॉर्डिंग की पूरी प्रक्रिया वीडियो में कैद की जाएगी। रविवार के दिन ही गायक से पूछताछ की जा सकती है।

जानिए मामला और अपडेट

बंगलूरू कॉन्सर्ट के दौरान कुछ दर्शकों ने सोनू निगम से कन्नड़ में गाने का अनुरोध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक गायक ने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और उन्होंने वहां मौजूद कुछ लोगों पर अशिष्टता का आरोप लगाया। सोनू निगम ने इस रवैये को पहलगाम आतंकी हमले की घटना से जोड़ा था। इसके बाद सोनू निगम पर शिकायत दर्ज कराई गई और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी। हाल ही में कर्नाटक कोर्ट ने गायक पर किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई ना करने का आदेश दिया था।